मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	27.8
जमशेदपुर	37.7	25.8
डालटनगंज	35.6	26.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 113 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चक्रधरपुर:राजखरसावां-बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के बीच हादसा

हावड़ा-मुंबई मेल बेपटरी दो की मौत, 23 घायल

शंभु कुमार। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां-बड़ाबाम्बो स्टेशन के बीच मंगलवार सुबह 3.45 बजे हावड़ा से मुंबई जा रही 12810 सीएसएमटी मेल बेपटरी हो गई. इस हादसे में ट्रेन के इंजन व 18 बोगी पटरी से उतर गये. सबसे ज्यादा क्षति एसी कोच को पहुंची. इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हुई है व आठ यात्री घायल हुए हैं. घायल 23 यात्रियों का चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में इलाज चल रहा है. दुर्घटना में मृत यात्री अजीत कुमार समाल और पी विकास राव बी-4 कोच के शौचालय के पास बैठे थे. ये जमशेदपुर से राउरकेला जा रहे थे.

रिलीफ ट्रेन व एंबुलेंस मौके पर पहुंचे : दुर्घटना के बाद चक्रधरपुर से रिलीफ ट्रेन व कई एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गए. फिर घायलों को चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल लाया गया. वहीं ट्रेन के यात्रियों को दूसरी ट्रेन से गंतव्यों पर भेजा गया. घटना को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल कुमार मिश्रा के अलावे अन्य वरीय अधिकारी और जिले के डीसी-एसपी व अन्य अफसर मौके पहुंचे गए. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक दशरथ गागराई भी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली. रेलवे के कर्मियों द्वारा ट्रैक से बोगियों को हटाने, टूटे ओएचई तार को ठीक करने व ट्रैक मरम्मत का कार्य जारी है.

एनडीआरएफ ने मोर्चा संभाला : हादसा होने के बाद एनडीआरएफ के जवानों ने घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया. जिला प्रशासन की ओर से जेसीबी से बेपटरी डिब्बों को ट्रैक से हटाकर लाइन को क्लियर किया जा रहा है. कोई दुर्घटना न हो इसको लेकर काफी संख्या में मौके पर फोर्स की भी तैनाती की गई है. जिले के डीसी रवि शंकर शुक्ला व एसपी मुकेश लुणायत व कई अधिकारी मौजूद थे.

रेलवे ने जारी किया हेल्प लाइन नंबर: हादसे के बाद रेलवे ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया है. चक्रधरपुर स्टेशन के लिए 06587-238072 (72770), टाटानगर 0657-229 0324 के लिए (रेलवे 735223), राउरकेला के लिए 0661-2501072, 0661-2500191, 0661-2500171 के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है. रांची हेल्प लाइन डेस्क नंबर-0651-27-87115 पर कॉल कर पता किया जा सकता है. बड़ाबांबो स्टेशन पर भी हेल्प डेस्क बना दिया गया है. जहां से यात्री के बारे पता कर सकता हैं.

कैसे हुआ हादसा

बताया जाता है कि एनजेवीसीटी नामक मालगाड़ी रायपुर से टाटानगर जा रही थी. इसी बीच चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के पास 3 बजकर 39 मिनट पर मालगाड़ी की 20वें नम्बर की बोगी ट्रैक से उतर गई. इससे हावड़ा से मुंबई की ओर जा रही सीएसएमटी मेल से जा टकराई, इससे मालगाड़ी के दो डिब्बों के साथ-साथ हावड़ा-मुंबई मेल की इंजन व 18 बोगियां ट्रैक से नीचे उतर गईं. दुर्घटना कितनी भयावह थी इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेन के कई डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गए. काफी गति तेज होने के कारण बीच से मुड़ गए थे. कई डिब्बे आपस में बुरी तरह से सट चुके थे.

आम लोगों की लाइफ लाइन रेल का हाल सभी देख रहे : हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे पर कहा कि रेल मंत्रालय कहता कुछ है, दावा कुछ करता है, हकीकत कुछ और होती है. रेलवे मिडिल, लोअर मिडिल क्लास, गरीब, मजदूरों की लाइफ लाइन है. मगर लाइफ लाइन का क्या हाल है देश देख रहा है. हादसा वाकई में दुखदाई है. मैं मृत लोगों के प्रति गहरी संवदेना प्रकट करते हुए उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की कामना करता हूं. राज्य की ओर से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है. देखते हैं हम आगे और क्या कर सकते हैं. हमारे दो मंत्री और अफसर घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं, और सभी चीजों पर नजर बनाए हुए हैं.

केरल के वायनाड में जल प्रलय, भारी तबाही

125 लोग मरे, सैकड़ों दबे

एजेंसी। वायनाड (केरल)

केरल के वायनाड जिले में मंगलवार तड़के कई जगहों पर भारी बारिश से आए जल प्रलय से हुईं भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 125 लोगों की मौत हो गई तथा सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. हालांकि सरकार ने अब तक इस हादसे में 93 लोगों के मरने और 116 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है. लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो मृतक संख्या 116 से अधिक है. घायलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है.

जल प्रलय के चलते भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार तड़के हुईं, जिससे घरों में सो रहे लोगों को बचने का मौका भी नहीं मिल पाया. बचाव के लिए सेना की कई टुकड़ियां युद्धस्तर पर मलबे से लोगों का निकालने में जुटी हैं. डीएम मेघाश्री डीआर के अनुसार, चूरलमाला में भूस्खलन में 56 लोगों की मौत हुई है. इसके अलावा, चेलियार नदी में बहे 15 लोगों के शव मलप्पुरम में बरामद किए गए. मृतकों के शवों को पहचान तथा पोस्टमार्टम के लिए अस्पतालों के मुर्दाघरों में भेजा जा रहा है. मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव में भूस्खलन हुआ हैं. बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लगातार काम कर रहे हैं.

लोग कर रहे मदद की गुहार : सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. सड़कों के जलमग्न होने से उनके पास निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है.

सरकार कर रही है हरसंभव मदद: लैंडस्लाइड मामले को लेकर संसद में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि केंद्र सरकार इस आपदा से पीड़ित लोगों के लिए हरसंभव मदद कर रही है. उन्होंने कहा कि बचाव और तलाशी अभियान के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें, सेना की दो टुकड़ियां और वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं. उन्होंने कहा कि वायनाड की त्रासदी केरल के लिए ही नहीं पूरे देश के लिए बड़ी त्रासदी है.

-पेज 12 भी देखें

आज वायनाड का दौरा करेंगे राहुल गांधी

वायनाड से सांसद रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को प्रभावित इलाके का दौरा करेंगे. उन्होंने लोकसभा में सरकार से युद्धस्तर पर राहत बचाव चलाने के साथ-साथ बढ़ी मुआवजा राशि देने की मांग की है. सरकार की ओर से मृतकों के लिए दो-दो लाख और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए के मुआवजे की घोषणा की गई है. संसद में सभी सदस्यों ने वायनाड के हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, केरल की त्रासदी देश की त्रासदी है. सरकार लोगों को बचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी. लोकसभा में राहुल गांधी ने वायनाड में हुए भूस्खलन पर कहा, वायनाड कई विनाशकारी भूस्खलन की चपेट में आया. 1116 से ज्यादा लोग मारे गए हैं. मुंडक्कई गांव का संपर्क टूट गया है और त्रासदी की वजह जानमाल की विनाशकारी हानि और व्यापक क्षति का आकलन अभी तक नहीं किया जा सका है. मैंने रक्षा मंत्री और केरल के सीएम से बात की है. मैं केंद्र से बचाव और चिकित्सा देखभाल के लिए मदद देने, मृतकों को मुआवजा तुरंत जारी करने का अनुरोध करता हूं. सबसे जरूरी परिवहन और संचार लाइनों को बहाल करना है.

पीएम खुद रख रहे नजर

पीएम मोदी ने भूस्खलन की घटनाओं में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और सीएम पिनराई विजयन को संकट से निपटने के लिए केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है. मोदी ने कहा, वायनाड में कुछ जगहों पर भूस्खलन की खबर से व्यथित हूं. उन सभी लोगों के साथ हूं, जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया है और जो घायल हुए हैं, मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. प्रभावित लोगों की मदद के लिए बचाव अभियान जारी है. मोदी ने कहा, केरल के सीएम पी. विजयन से बात की और वहां उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है.

केरल में दो दिन का शोक

केरल में राज्य सरकार ने आधिकारिक रूप से दो दिवसीय शोक की घोषणा की है. मंगलवार और बुधवार को शोक रहेगा. राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा. राज्य सरकार के आधिकारिक कार्यक्रम और समारोह आज और कल स्थगित कर दिए गए हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,500
चांदी (किलो)	85,000

शूटिंग में मनु भाकर का ऐतिहासिक डबल

पेरिस। भारतीय जोड़ी मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने पेरिस ओलिंपिक में मंगलवार को इतिहास रच दिया है. मनु और सरबजोत ने शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता. भारत के शूटरों ने ली वोन्हो और ओह ये जिन की कोरियाई जोड़ी को हराया. इससे पहले रविवार को मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद ओलिंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी थी, जबकि अब वह एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं.

-पेज 12 भी देखें

नॉन टैक्स पेयर को फ्री में देंगे बालू: सीएम

- हेमंत का एक और मास्टर स्ट्रोक, सदन में सरकार की फजीहत के बाद मुख्यमंत्री ने सदन में खड़े होकर की घोषणा

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मंगलवार को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक मारा है. सदन में सरकार की बालू पर हुई फजीहत के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने घोषणा कर दी कि सरकार बालू को लेकर एक बड़ा निर्णय लेने जा रही है. सरकार अब नॉन टैक्स पेयर को बालू फ्री में देगी.

हेमंत की इस घोषणा से राज्य में निर्माण करा रहे अबुआ आवास योजना के लाभुकों समेत करोड़ों लोगों का सीधा फायदा होगा. जो अपना आशियाना बनाना चाहते हैं, और मंहगी दर पर बालू खरीदने को विवश हैं. मगर इसका मैक्निजम क्या होगा. इसको लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है. अब सरकार जल्द ही इससे जुड़े प्रस्ताव को तैयार करके इसे कैबिनेट की मंजूरी प्रदान करेगी.

इससे पूर्व बालू मामले पर सदन में सरकार की जम कर फजीहत हुई. भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही और सीपी सिंह ने सरकार को सीधे तौर पर घेरा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ही कटघरे पर खड़ा किया. भानु ने बालू पर मुख्य मंत्री को घेरते हुए कहा कि यह सरकार बालू से तेल निकाल रही है और पुलिस चोर-डकैत पकड़ना छोड़ बालू पकड़ रही है. बालू से तेल निकालना जा रहा है. वहीं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जब-जब हेमंत सोरेन आते हैं, बालू ही गायब हो जाती है. सरकार की हुई फजीहत के बाद खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सदन में उठे और भाजपा विधायकों की अनुपस्थिति में बड़ी घोषणा कर दी.

आदिवासी क्यों घट रहे ?

भानु-अनंत ओझा ने कहा : बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण
नेहा शिल्पी ने कहा : बाहरी आबादी के बसने के कारण

बांग्लादेशी घुसपैठ से घट रही राज्य में आदिवासियों की जनसंख्या : भाजपा

सदन के दूसरे सत्र में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई. बांग्लादेशी घुसपैठ और आदिवासियों की घटती जनसंख्या पर जम कर बवाल और तीखी बहस हुई. सदन में कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए भाजपा विधायक अनंत ओझा ने कहा कि पूरे संथाल परगना में बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण लगातार आदिवासियों की संख्या घट रही है. इसलिए यह सरकार आदिवासी-मूलवासियों के नाम पर ढोंग कर रही है. सरकार ने खुद अपने जवाब में स्वीकार किया है कि चार बांग्लादेशी पकड़े गए. बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण आदिवासियों का हक छीना जा रहा है, जमीन छीनी जा रही है. सरकार उन्हें हर तरह की सुविधा दे रही है. वहीं भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि मैं भी आदिवासी हूं, मूलवासी हूं. चाहे सरकार मेरा डीएनए टेस्ट करा ले. भानु प्रताप शाही ने कहा कि यह आदिवासी मूलवासी की सरकार नहीं है. अगर आदिवासी मूलवासी की सरकार रहती, तो आदिवासी मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और मूलवासी मंत्री बादल पत्र लेख को यह सरकार नहीं हटाती बादल पत्र लेख को हटा कर इरफान अंसारी को बनाना ही साबित करता है कि यह सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ को समर्थन करती है. बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण संथाल से यहां तक कि पूरे झारखंड से आदिवासियों की संख्या घट रही है.

बाहरियों के बस जाने व आदिवासी विरोधी नीतियों से घट रहे आदिवासी

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने भाजपा के आरोपों का जोरदार तरीके से जवाब दिया. उन्होंने कहा कि घुसपैठ के कारण नहीं बल्कि आदिवासी जमीन पर बाहरियों के बसने के कारण आदिवासियो की संख्या घट रही है. वे स्वीकार करती हैं कि आदिवासियों की संख्या तेजी से घट रही है. मगर इसके कारण कुछ और ही हैं. राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, फिर अर्जुन मुंडा ने बरही से बहरागोड़ा तक इकोनॉमिक जोन बनाने की तैयारी की थी. मगर आदिवासियों के जबरदस्त विरोध के यह नहीं बना. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रघुवर दास के समय लैड बैंक बनाकर 31 लाख हेक्टयर जमीन उसमें जमा कराई गई. यह किसकी जमीन थी. यह सारे आदिवासी-मूलवासियों की जमीन थी. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास ने आदिवासियों की जमीन का सुरक्षा कवच सीएनटी-एसपीटी एक्ट में संशोधन करने का विफल प्रयास किया .यह क्यों किया जा रहा था, केवल और केवल आदिवासी जमीन लूट कर बाहरी कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों को देने के लिए. यह अगर हो जाता, तो हमारे रांची से आदिवासी गायब ही जाते. इसलिए आदिवासी की संख्या कमी के बारे में इन्हें बोलने का कोई हक नहीं है.

नरसिंह इस्पात की जमीन की नापी करवा रही समिति

- उपायुक्त ने गठित की थी चार सदस्यीय जांच समिति
- ग्रामीणों ने कहा- नहीं हो खानापूर्ति

दिलीप कुमार। चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिला के डीसी रविशंकर शुक्ल द्वारा गठित समिति मंगलवार को दूसरे दिन भी खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी की जांच कर रही है. चार सदस्यीय टीम ने सोमवार को नरसिंह इस्पात की जमीन संबंधी मामलों की जांच शुरू की थी. जांच समिति में जिले के अपर उपायुक्त संजय कुमार दास, चांडिल के भूमि सुधार उपसमाहर्ता विकास कुमार राय, उद्योग महाप्रबंधक रविशंकर प्रसाद और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर शामिल हैं.

जांच के पहले दिन जमीन संबंधी आरोपों की सत्यता जानने के लिए जमीन की नापी शुरू करायी गयी थी, जो मंगलवार को भी जारी रही. मंगलवार को समिति का कोई सदस्य कंपनी नहीं पहुंचा था. कंपनी के अंदर सीओ की देखरेख में अमीन कंपनी की जमीन की नापी कर रहे थे. इस संबंध में अपर उपायुक्त संजय दास ने बताया कि जांच के पहले दिन जमीन संबंधी जांच शुरू की गई. सीओ अमीन प्लॉट वाइज जमीन की नापी कर रहे हैं. नापी का काम पूरा होने के बाद खतियान के साथ सभी प्लॉटों का मिलान होगा. इसके बाद जमीन संबंधी जांच रिपोर्ट डीसी को सौंपी जाएगी.

विदित हो कि चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी जमीन के अतिक्रमण करने की पुष्टि सरकार के राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने किया है. ईचागढ़ के तत्कालीन विधायक दिवंगत साधुचरण महतो के 19 फरवरी 2016 को विधानसभा सत्र के दौरान पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या रा. 12 के जबाव में सरकार के संयुक्त सचिव की रिपोर्ट पर राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री ने उत्तर देते हुए सदन को बताया था कि नरसिंह इस्पात द्वारा मौजा खूंटी, थाना नंबर 175, खाता नंबर 506, प्लॉट नंबर 2642, 2645 और 2668 में रकवा क्रमशः 0.26, 0.23 और 0.06 एकड़ सरकारी भूमि का अतिक्रमण किया है. कंपनी पर बगैर हस्तांतरण के सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के अलावा कई गंभीर आरोप है.

समिति को 16 जुलाई को ही सौंपनी थी रिपोर्ट

बता दें कि हिंदी दैनिक शुभम संदेश में नरसिंह इस्पात पर छपी खबर के बाद डीसी ने कंपनी पर लगे आरोपों की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया था. डीसी रविशंकर शुक्ला ने कंपनी के मामले में 12 जुलाई को जांच समिति का गठन कर जांच करने का आदेश जारी किया था. जारी आदेश पत्र में कहा गया है कि खूंटी के पास स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी, वन भूमि पर अवैध कब्जा करने संबंधी शिकायत मिली है. उक्त मामले में जांच कर प्रतिवेदन सौंपने के लिए जांच समिति का गठन किया जाता है. जांच समिति को 16 जुलाई तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था. किसी कारण जांच नहीं होने पर दूसरी तिथि 24 जुलाई निर्धारित की गई थी. इस तिथि को भी किसी कारणवश जांच नहीं हो सकी थी. इसके बाद समिति ने सोमवार को कंपनी पर लगे आरोपों की जांच शुरू की. उपायुक्त द्वारा जांच समिति का गठन कर कंपनी के जमीन समेत अन्य मामलों की जांच शुरू कराए जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर है. ग्रामीणों की मांग है कि जांच समिति के पदाधिकारी मामलों के जांच के क्रम में उनसे भी मिलें और उनकी बातों को भी सुनें. ग्राम सभा की मांग है कि इन सरकारी प्लॉटों की भी मापी करवाएं और सच्चाई ग्रामीणों के समक्ष रखें. ग्रामीणों ने कहा कि कंपनी पर जांच के नाम पर मात्र खानापूर्ति नहीं की जाए. ग्राम सभा और जिला परिषद सदस्य समेत अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने कंपनी प्रबंधन पर सिंचाई कैनाल से पानी चोरी करने का गंभीर आरोप लगाया है.

लोस में जाति जनगणना पर पूछ ली नेता प्रतिपक्ष की जाति, हंगामा

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच मंगलवार को लोकसभा तीखी नोकझोंक हुई. दरअसल, बजट पर चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने सदन में कहा, जिसकी जात का पता नहीं, वो गणना की बात करता है. उनके इतना बोलते ही सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया. अनुराग ठाकुर भाषण के तुरंत बाद ही राहुल गांधी खड़े हो गए. राहुल ने कहा, जितना आप मेरा अपमान करना चाहते हैं, आप खुशी से रोज करिए, मगर एक बात मत भूलिए जाति जनगणना को हम यहां पास करके दिखाएंगे. वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री हैं, बड़े दल के नेता हैं. शकुनी, दुर्योधन तक ये ले आए, लेकिन आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. जाति नहीं पूछ सकते हैं.

जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति गणना की बात करते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

बजट पर लोकसभा चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार राहुल गांधी के भाषण पर जम कर पलटवार किया. राहुल गांधी ने बजट हलवा से सरकार पर निशाना साधा था और यह कहा था कि इसमें कोई दलित अधिकारी नहीं.

इस पर तंज कसते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल जी हलवा मीठा था या फीका. कुछ लोग ओबीसी की बात करते हैं, इनके लिए ओबीसी का मतलब है ओनली फॉर ब्रदर इन लॉ कमीशन. अनुराग ठाकुर ने राहुल के एक-एक आरोप का जवाब दिया.

-शेषपेज 7 पर

पीठासीन अध्यक्ष ने सदन में दी व्यवस्था

सदन में पीठासीन अधिकारी के तौर पर आसन पर मौजूद जगदंबिका पाल ने व्यवस्था दी कि कोई भी व्यक्ति किसी की जाति नहीं पूछ सकता. उन्होंने कहा कि वह रिकार्ड देख लेंगे, जरूरत पड़ी तो इसे रिकार्ड से हटवा देंगे. इस पर राहुल ने कहा, मुझे कोई ऐतराज नहीं है. मैं गाली खाकर खुश हूं, मुझे कुछ भी बुरा नहीं लगा है.

आप मुझे गाली दें, मुझे परवाह नहीं, आप माफी भी मत मांगिए

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर जाति जनगणना के मुद्दे पर भिड़ गए. इस दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ठाकुर ने मुझे गाली दी, मेरी बेइज्जती की. लेकिन मुझे इनसे माफी भी नहीं चाहिए. दरअसल, अनुराग ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, उन्हें पता होना चाहिए कि एलओपी का फुल फॉर्म लीडर ऑफ अपोजिशन होता है, लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा नहीं. अनुराग के ऐसा बोलते ही हंगामा होने लगा. इसी दौरान राहुल गांधी फिर से अपनी सीट से खड़े हुए और अनुराग ठाकुर पर जवाबी हमला बोला.

-शेष पेज 7 पर

आपने आखिर जाति कैसे पूछ ली: अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कूद पड़े. अखिलेश ने सभापति से कहा- वो (अनुराग ठाकुर) मंत्री रहे हैं. बड़े नेता हैं. बड़ी बात कर रहे थे. दुर्योधन शकुनी तक ले आए. आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. तुम पूछ के दिखाओ जाति. कैसे पूछ दी जाति? अखिलेश ने कहा कि आप जाति नहीं पूछ सकते.

झारखंड विधानसभा में गूंजा रोजगार का मुद्दा

रांची । झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सत्र शुरू होने से पहले भाजपा विधायकों ने रोजगार मुद्दे को लेकर सदन के बाहर बैनर-तख्ती लेकर प्रदर्शन किया. साथ ही सदन के अंदर भी रोजगार मुद्दे को लेकर हंगामा किया. भाजपा विधायकों ने हेमंत सोरेन सरकार को पांच लाख युवाओं को नौकरी देने के वादे को लेकर घेरा. भाजपा विधायकों ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनावी भाषण में कहा था कि पांच लाख नौकरी देंगे. साढ़े चार हो गये, इस वादे का क्या हुआ. आंगनबाड़ी सेविका सहाय के रसोइयां परमानेंट क्यों नहीं हुए, इसका जवाब हेमंत सोरेन दें.

झामुमो के प्रवक्ता की तरह कार्य कर रहे विधानसभा अध्यक्ष: बाउरी

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा के तीसरे कार्यदिवस के दिन नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने विधानसभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाये कहा कि कि वे अध्यक्ष सरकार के प्रवक्ता के रूप में सदन में कार्य कर रहे हैं. और विपक्ष की आवाज को दबाने के काम कर रहे हैं. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आज पूरा देश सुन रहा है, लेकिन झारखंड के नेता प्रतिपक्ष को बोलने नही दिया जा रहा, हमारे माइक को बंद कर दिया जाता है. उन्होंने अध्यक्ष पर हाईकोर्ट के आदेश, गाइड लाइन की अवमानना करने का भी आरोप लगाया. हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में सरकार को बांग्लादेशियों को चिन्हित कर इसकी जवाबदेही तय करने की बात कही है, लेकिन सदन के अंदर अध्यक्ष कहते हैं कि झारखंड में कोई घुसपैठ नहीं हो रही है.

नियुक्ति में एसटी और ओबीसी में आरक्षण नहीं दिया : उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हाल में ही चौकीदार और वनरक्षी की नियुक्ति में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग में आरक्षण नहीं दिया गया. सरकार से उन्होंने पूछा कि किस आधार पर झारखंड में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को समाप्त किया गया, इसका जवाब सदन के अंदर कांग्रेस नेता एवं मुख्यमंत्री दें.

सीएम की जमानत पर सत्ता पक्ष व विपक्ष आमने-सामने

मॉनसून सत्र : जमकर हुई नारेबाजी, स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

- सत्ता पक्ष ने कहा, साजिश के तहत हेमंत को फंसाया, समय बर्बाद हुआ
- विपक्ष ने कहा, हेमंत सोरेन को जमानत मिला है, बाइज्जत बरी नहीं हुए

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन की पहली पाली भी हंगामेंदार रही. हंगामे के कारण स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. सुबह 11-08 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के आदेश से यह साबित हो गया कि सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने गलत केस दर्ज किया. यह पूरी तरह से साजिश थी. भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने पहले ही बोल दिया था कि हेमंत सोरेन और उनका पूरा परिवार जेल जाएगा. इन लोगों ने हेमंत सोरेन के खिलाफ साजिश की. इस पर भाजपा के नेता कान पकड़ कर माफी मांगें. वहीं विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि भाजपा के ऑपरेशन लोटस के नए स्वरूप का सामना करना पड़ा. पांच माह में जो कल्याणकारी योजनाएं बाधित हुईं, उसकी जवाबदेही कौन लेगा. भाजपा को राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए. इस बीच नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन को न्यायालय से जमानत मिली है. उनको बाइज्जत बरी नहीं किया गया है. इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने हो गए और वेल में चले गए. दोनों ओर से एक-दूसरे खिलाफ जमकर नारेबारी हुई. इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 12-30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायक वेल में घुसे : दोपहर 12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक वेल में घुस गए. इस बीच शून्यकाल चलता रहा. बीजेपी विधायक वेल में नारेबाजी करते रहे. बीजेपी विधायकों ने आदिवासी विरोधी सरकार, बांग्लादेशी घुसपैठ बंद करो, मुस्लिम तुष्टीकरण नहीं चलेगा के नारे लगाए. हंगामें के बीच स्पीकर ने कहा कि 31 जुलाई को दूसरी पाली में भी ध्यानाकर्षण की सूचनाएं ली जाएंगी. इसके बाद स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी.

किताब वितरण पर तीखी बहस

नीलकंठ ने कहा-पुस्तक वितरण में हुआ घोटाला

- शिक्षा मंत्री ने कहा, गड़बड़ी का सवाल ही नहीं, एक सप्ताह में 100 परसेंट हो जाएगा किताबों का वितरण

प्रमुख संवाददाता । रांची

मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नीलकंठ सिंह मुंडा ने सवाल उठाया कि बच्चों को अब तक किताबें नहीं मिली हैं. सेशन भी समाप्त हो रहा है. राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने दो जुलाई को चिट्ठी जारी किया था कि जिसमें कहा था कि किताब बीआरसी ब्लॉक में रख दिया गया है. अब टीचर को पुस्तक ले जाने को कहा जा रहा है. अब तक 42 लाख किताबें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं. इसमें कहीं न कहीं वित्तीय अनियमितता या घोटाला हुआ है. इस पर शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम ने कहा कि पुस्तक वितरण का काम आचार संहिता के कारण बाधित हुआ, एक सप्ताह में शत-प्रतिशत पुस्तक वितरण का काम पूरा हो जाएगा.

सदन को गुमराह कर रहे शिक्षा मंत्री : सीपी सिंह ने पुस्तक वितरण को लेकर कहा कि शिक्षा मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का आदेश बताएं. फिर कहा कि जो कार्य योजना चालू रहती है, उस पर चुनाव आयोग कोई रोक नहीं लगाता. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि अब किताबों को जिला से स्कूल तक ले जाने के लिए कोई दर का निर्धारण ही नहीं हुआ है. सेशन भी खत्म हो रहा है. सरकार का न शिक्षक पर और न ही शिक्षा पर ध्यान है.

सरकारी नौकरी के विज्ञापन में एससी श्रेणी की सीट नहीं होने का मुद्दा : सदन में झामुमो विधायक मथुरा महतो ने कहा कि 24 साल बाद वन क्षेत्र पदाधिकारी के लिए वेकेंसी आई है. इस में अनुसूचित जाति के लिए एक भी सीट नहीं है. दलित छात्र इससे वंचित हो जाएंगे. वहीं विधायक केदार हाजरा ने भी सरकारी नौकरियों के विज्ञापन में एससी कैटगरी के लिए सीट नहीं होने का मुद्दा उठाया. सूचना के माध्यम से उन्होंने कहा कि सरकार को इसपर ध्यान देना चाहिए. नीलकंठ सिंह मुंडा ने भी केदार हाजरा के द्वारा उठाये गए मुद्दे पर सहमति जताई. जिसपर स्पीकर रबिन्द्रनाथ महतो ने संसदीय कार्य मंत्री रामेश्वर उरांव से कहा कि इस मुद्दे पर सरकार ध्यान दे. वहीं शून्य काल के दौरान विधायक विनोद कुमार सिंह ने पोषण सखियों को समायोजित करने की मांग की. सुनीता चौधरी ने भैरवा नदी के दोनों ओर नगर बनाने की मांग की. उमाशंकर अकेला ने रसोइया का मानदेय बढ़ाने की मांग की. लंबोदर महतो ने सहिया, पंचायत स्वयं सेवक संघ, मनरेगा कर्मियों के स्थायीकरण की मांग की.

सीएम हेमंत सोरेन से मिले रूहानी मर्कज के अध्यक्ष

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मंगलवार को रूहानी मर्कज के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक हसन रिजवी ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि रूहानी मर्कज, जमशेदपुर की ओर से 11 अगस्त को राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए दरगाह अजमेर शरीफ में चादरपोशी और दुआएं-ए-खास का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजमेर शरीफ भेजी जाने वाली चादर-ए-मुबारक का अनावरण किया. मौके पर रिजवी ने मुख्यमंत्री को अजमेर शरीफ की टोपी तथा साफा पहनकर सम्मानित किया. इस अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी, शोहदा-ए-कर्बला के महासचिव अब्बास अंसारी, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गुलरेज अख्तर सहित अन्य उपस्थित थे.

पत्नी कल्पना संग राज्यपाल से मिले सीएम, दी शुभकामनाएं

संवाददाता । रांची

- झारखंड से विदा हुए सीपी राधाकृष्णन, आज नए राज्यपाल गंगवार लेंगे शपथ

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गांडेय विधायक व अपनी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मंगलवार को राजभवन में मुलाकात की. मौके पर हेमंत सोरेन ने राज्यपाल राधाकृष्णन को सप्रेम पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनके सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन झारखंडवासियों को सदैव मिलता रहेगा. मालूम हो कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन मंगलवार को झारखंड से विदा हो गए. उन्हें महाराष्ट्र के नये राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है. वहीं झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार को राज्य के 12वें राज्यपाल

के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद संतोष गंगवार को पद की शपथ दिलाएंगे. नव नियुक्त राज्यपाल मंगलवार की शाम रांची पहुंच गए.

सीओ ने 4 लाख रुपये लिया, काम भी नहीं किया

विनीत आभा उपाध्याय । रांची

चतरा जिले के प्रतापपुर अंचल के निवर्तमान सीओ नित्यानंद दास पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाये हैं, प्रतापपुर इलाके की रहने वाली महिला ने सीओ नित्यानंद दास पर जमीन म्यूटेशन को लेकर 4 लाख घूस लेने का आरोप लगाया है. आरोप लगाने वाली महिला ने एक वीडियो जारी किया है. उस वीडियो में बताया कि जब सीओ नित्यानंद दास का ट्रांसफर हजारीबाग के विष्णुगढ़ कर दिया गया, तो सीओ ने बहुत मुश्किल से रिश्वत के पैसे वापस करने की हामी भरी. मामला तूल पकड़ता देख खुद के खाते से 50 हजार भी ट्रांसफर किये. फिर 80 हजार कैश अंचल के कर्मचारी नारायण झा के जरिये उनके घर भेजा. जब सीओ ने कर्मचारी को पैसे देने भेजा, उस समय महिला और उसके घर वालों ने अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया. यह वीडियो सोशल मिडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. हालांकि लगातार.इन इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है.

इस पूरे मामले पर निवर्तमान सीओ ने सफाई देते बताया कि महिला का आरोप निराधार है. यह वीडियो काफी पुराना है. वीडियो सामने आने के बाद चतरा जिले के एसडीओ इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं.

कर्मी पैसा देने आया तो पीड़ित ने बनाया वीडियो

पीएलवी का मानदेय बढ़ा कर 700 रुपये किया

संवाददाता । रांची

झारखंड में कार्यरत पारा लीगल वॉलेंटियर्स (पीएलवी) को अब 700 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय मिलेगा. झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की पहल पर इसकी स्वीकृति दे दी गई है. झारखंड में फिलहाल एक हजार से ज्यादा पीएलवी कार्यरत हैं. इससे पहले सभी पीएलवी को 500 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय का भुगतान किया जाता था. झालसा के निर्देश के मुताबिक, प्रत्येक पीएलवी को महीने में न्यूनतम आठ दिन का कार्य देने का प्रावधान है.

बालू का वैध खनन बंद होने के कारण बढ़ गया है संकट

विशेष संवाददाता । रांची

भाजपा विधायक विरंची नारायण ने सदन में बालू संकट का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि झारखंड में वर्तमान में झारखंड स्टेट सैंड माइनिंग पॉलिसी 2017 लागू है. जिसके तहत केटेगरी-1 में 235 बालू घाट और केटेगरी-2 में 444 बालू घाट हैं. जिसमें मात्र 44 बालू घाट ही वैध है जिसमें बालू का वैध खनन हो रहा है. शेष बालू घाटों में जेएसएमडीसी के माध्यम से टेंडर, माइनिंग प्लान की प्रक्रिया पूर्ण होने से इन बालू घाटों में वैध खनन बंद है जिसके कारण धड़ल्ले से बालू घाटो से अवैध खनन और भंडारण हो रहा है. उन्होंने मामले को उठाते हुए सरकार से मांग किया कि सरकार अनियमितता पर तत्काल राक लगाते हुए इसके अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन में शामिल व्यक्तियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करे.

छवि रंजन को जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

संवाददाता । रांची

जमीन घोटाला से जुड़े केस के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. अदालत ने बेल देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी. सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर सुनवाई की. छवि रंजन की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की. रांची के पूर्व डीसी ने जिस केस में डिफॉल्ट बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, वह चेशायर होम रोड स्थित भूखंड की खरीद-बिक्री में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है.

झारखंड केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है

जेलों में बंद 12397 कैदी अंडर ट्रायल

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड की जेलों में 70 फीसदी यानि 12397 कैदी ऐसे हैं, जो अंडरट्रायल हैं यानी जिनका मुकदमा चल रहा है. केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है, यानी वे कनविक्टेड इनमेट्स हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है. झारखंड में कुल 31 जेल हैं. जिनमें सेंट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17718 कुल कैदी बंद हैं. इनमें से 12397 अंडर ट्रायल और 5321 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं.

राज्य में 856 महिलाएं बंदी जेल में, एक भी महिला जेल नहीं

झारखंड में अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाया गया है, जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल, बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. तमिलनाडु जैसे राज्य में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं.

किस जेल में कितने कैदी अंडर ट्रायल व सजायाफ्ता

जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल	जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल
रांची	1340	1948	लातेहार	08	406
देवघर	124	319	लोहरदगा	28	240
दुमका	676	551	पाकुड़	27	271
जमशेदपुर	1045	756	साहिबगंज	27	252
हजारीबाग	1110	546	साकची	40	187
गिरिडीह	133	556	सरायकेला	11	392
पलामू	340	676	सिमडेगा	14	355
चाईबासा	73	813	बरही	00	06
चास	70	226	घाटशिला	07	175
चतरा	05	500	खूंटी	05	513
धनबाद	66	555	मधुपुर	27	136
गढ़वा	53	400	राजमहल	03	107
गोड्डा	08	323	रामगढ़	10	219
गुमला	38	443	तेनुघाट	18	155
जामताड़ा	01	140	ओपन जेल	05	66
कोडरमा	09	165	कुल 5321	12397	17718

क्लासिफाइड

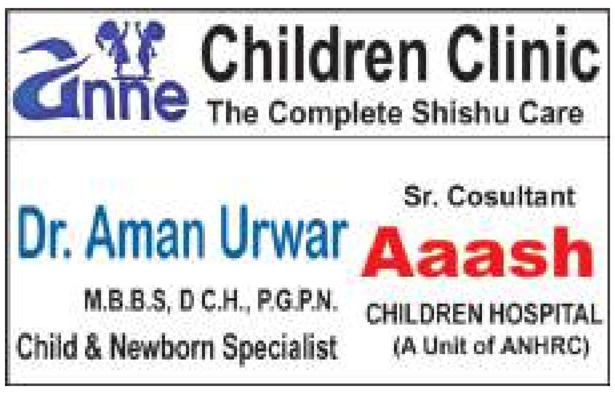

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~X~~ ● वर्ष : 2, अंक : 113 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ये कैसी विडंबना : पिता ने पूरी जिंदगी एसटी श्रेणी में रह कर गुजार दी, अब इनके बच्चे गैर आदिवासी बन कर रहे हैं संघर्ष

अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे पौने तीन लाख भुईंहर मुंडा

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में कम से कम पौने तीन लाख की आबादी वाले भुईंहर मुंडा अपनी जाति की पहचान कायम रखने के लिए 24 साल से संघर्ष कर रहे हैं. ये लोग अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते-लड़ते अब हताश हो चुके हैं, मगर अब भी हिम्मत नहीं हारी है. झारखंड में निवास करने वाले भुईंहरी मुंडा, मुंडा जनजाति की उपजाति हैं. मूलतः आदिवासी होने के बावजूद इन्हें पहले ओबीसी और बाद में सामान्य जाति की सूची में डाल दिया गया.

इसे विडंबना ही कहा जाए कि जिनके पिता ने पूरी जिंदगी आदिवासी श्रेणी में रह कर जीवनयापन और नौकरी की, उनके ही बच्चे राज्य गठन के बाद अचानक गैर आदिवासी हो गए. पिछले 24 सालों से जनजातीय पहचान नहीं मिलने के कारण भुईंहर मुंडा समाज के लोग आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ते जा रहे हैं. इस संबंध में एससी-एसटी कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा, पूर्व विधायक बंधु तिर्की को भी अवगत कराया गया. बंधु ने टीआरआई के उपनिदेशक मोनिका रानी टूटी से बात की और पूरे मामले को गंभीरता से लेने को कहा है.

एक सरकारी त्रुटि के कारण सामान्य जाति में चले गये : एक मामूली सरकारी त्रुटि के कारण भुईंहरी मुंडा एसटी से सामान्य जाति के श्रेणी में चले गए. खतियानी त्रुटि के कारण इस समुदाय को आज तक जनजातीय समाज का दर्जा नहीं मिल पाया है. जबकि एक पीढ़ी आदिवासी बन कर गुजार दिए. झारखंड में यह समाज गढ़वा, लातेहार, पलामू, गुमला जिले में है, जिनकी आबादी करीब पौने तीन लाख है. वर्ष 2000 से पहले इस समुदाय को आदिवासी का जाति प्रमाण पत्र दिया जा रहा था. परंतु राज्य गठन के बाद इन्हें 2018-2019 तक पिछड़ी जाति का प्रमाण दिया जाने लगे. इसके बाद इन्हें सामान्य श्रेणी-जनरल कैटेगरी में शामिल कर दिया गया. अब ये अपनी मूल जातीय पहचान से वंचित हो गए हैं.

पड़ोसी राज्य में जा कर बच्चे पा रहे एसटी का दर्जा : झारखंड के पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओड़िशा में भुईंहर मुंडा को जनजातीय श्रेणी में रखा गया है. इसलिए समाज के लोग पड़ोसी राज्य, विशेष कर छत्तीसगढ़ के रंका भंडरिया में वैवाहिक संबंध बनाते हैं. झारखंड के इस समुदाय की लड़कियां गैर आदिवासी बन कर पड़ोसी राज्य में विवाह करती हैं. वहां जाने के बाद वे आदिवासी बन जाती हैं और उनके बच्चे भी आदिवासी कहलाते हैं. वहीं पड़ोसी राज्य की लड़कियां, झारखंड में आदिवासी बन कर ब्याही जाती है और यहां आकर वे गैर आदिवासी बन जाती हैं.

- राज्य गठन के पूर्व एसटी में आती थी मुंडा जनजाति का उपजाति भुईंहर मुंडा
- झारखंड बनने के बाद पहले ओबीसी और बाद में सामान्य जाति में डाल दिया

आदिवासी श्रेणी में शामिल करने की मांग करते भुईंहर मुंडा समुदाय के लोग.

जनजातीय शोध संस्थान ने भी माना- ये आदिवासी हैं

भुईंहर मुंडा समुदाय मूलतः मुंडा जनजाति की उपजाति हैं. इनका रहन सहन, खानपान, पहनावा व भाषा जनजातीय समुदाय से मिलता हैं. ये भुईंहर मुंडा हैं, परंतु खतियानी त्रुटि के कारण इनके खतियान में भुईंहर लिखा हुआ हैं. इसके कारण इन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया. वर्ष 2018 और 2023 में डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान कल्याण विभाग द्वारा इन पर शोध किया गया था. यह शोध डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी विवि के मानवशास्त्री डॉ. एसएम अब्बास ने किया था. शोध में स्पष्ट रूप से भुईंहर-भुईंहर मुंडा को आदिवासी ही बताया गया था.

टीआरआई के कारण 15 माह से लटका हुआ है मामला

भुईंहर मुंडा उपजाति को एसटी सूची में शामिल करने के लिए पहल शुरू हुई. टीआरआई के माध्यम से इस उपजाति पर हुए शोध पर सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा भुईंहर मुंडा-भुईंहर जाति को झारखंड की एसटी सूची में शामिल करने की अनुशंसा का समर्थन नहीं किया गया. रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने राज्य सरकार को पांच बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा. सरकार ने इसकी जिम्मेवारी टीआरआई को सौंपी. पर 15 माह बीतने के बाद भी स्पष्टीकरण नहीं दिया गया. नतीजतन, भुईंहर मुंडा को एसटी सूची में शामिल करने का मामला अधर में लटक गया.

क्या कहते हैं भुईंहर मुंडा जनजाति के लोग

- सत्यप्रकाश हुरहुरिया बिहार सरकार में एसटी सूची से डीएसपी रहे. परंतु उनका बेटा प्राकृतिक हुरहुरिया अब गैर आदिवासी बन गया.
- बुधवा मुंडा एसटी थे. परंतु राज्य गठन के बाद बेटा सतीश मुंडा सामान्य जाति में आ गया. स्नातक तक उसका जाति प्रमाण पत्र नहीं बना.
- तिरिल टोप्पो एसटी कोटे से बैंक कर्मचारी रहे. परंतु अब उनका बेटा जातीय पहचान के लिए मोहताज हो गया है.
- अमृत टिटियो भी बैंक से सेवानिवृत हुए. उन्होंने एसटी सूची में रह कर नौकरी की, पर उनके बच्चे गैर आदिवासी हो गए.
- य प्रताप हुरहुरिया एसटी सूची में रहकर शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं, पर उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए जाति प्रमाणपत्र नहीं बन रहा है.

▼ ब्रीफ खबरें

45 करोड़ से बनेगा केतारी बागान का आरओबी

रांची। राजधानी रांची के चुटिया स्थित केतारी बागान में 45 करोड़ की लागत से आरओबी बनेगा. इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. आरोबी के लिए वहां के लोग लंबे समय से मांग कर रहे थे. यह आरोबी नामकुम रांची रेलवे स्टेशन के बीच केतारीबगान के पास होगा. इससे प्राक्कलन को पहले ही राज्य सरकार ने स्वीकृति दे दी थी. सात अगस्त तक टेंडर भरा जायेगा और सितंबर में टेंडर फाइनल कर दिया जायेगा.

अपराधियों ने मजदूरों को पीटा, गोली चलाई

सतबरवा (पलामू)। रजडेरवा में बीती रविवार की रात करीब 9: 30 बजे हथियारों से लैस लगभग अपराधियों ने एनएचएआई के मजदूरों की पिटाई कर दी. इतना ही नहीं, तीन राउंड गोलीबारी भी कर दी. जानकारी के मुताबिक, अपराधी 15 की संख्या में थे. मामला लेवी से जुड़ा बताया जा रहा है. घटना को लेकर एनएचएआई के सुधीर कुमार ने सतबरवा थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

लोकसभा चुनाव 2024 में पड़े वोटों पर एडीआर का चौंकाने वाला दावा

जितने वोट पड़े नहीं, उससे ज्यादा वोट गिन लिए गए

- 538 सीटों पर डाले गये वोट और गिने गये वोटों की संख्या में अंतर
- 362 संसदीय क्षेत्रों में पड़े कुल वोटों से 5,54,598 वोट कम गिने गये
- 176 संसदीय क्षेत्रों में डाले गये कुल वोटों से 35,093 वोट अधिक गिने

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने लोकसभा चुनाव 2024 में पड़े वोटों और उनकी गिनती को लेकर चौंकाने वाले दावे किये हैं. एडीआर के अनुसार, 538 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गये वोट और गिनती किये गये वोटों की संख्या में अंतर है. एडीआर के विश्लेषण पर नजर डालें, तो इस लोकसभा चुनाव में 362 संसदीय क्षेत्रों में पड़े कुल वोटों से 5,54,598 वोट कम गिने गये. 176 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गये कुल वोटों से 35,093 वोट अधिक गिने गये. एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, आम चुनाव 2024 के नतीजों की घोषणा करते समय डाले गये और गिने गये वोटों में अमरेली, अटिंगल, लक्षद्वीप और दादरा नगर हवेली और दमन दीव को छोड़ कर 538 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विसंगतियां नजर आयीं. बता दें कि इस मामले में चुनाव आयोग की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया जारी नहीं हुई है.

फाइनल पोलिंग डेटा रिलीज करने में ज्यादा देरी हुई : एडीआर के फाउंडर जगदीप छोकर ने कहा है कि फाइनल पोलिंग डेटा रिलीज करने में जरूरत से ज्यादा देर हुई. अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों और मतदान केंद्रों पर हुई वोटिंग के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराये गये. चुनाव परिणाम अंतिम मिलान किये गये डेटा के आधार पर घोषित किये गये. इसकी अस्पष्टता चुनाव परिणामों की प्रमाणिकता के बारे में चिंता और संदेह पैदा करने वाले हैं. हालांकि, एडीआर की रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि वोटों के इस अंतर से कितनी सीटों पर अलग नतीजे रहे.

एडीआर ने 2019 के लोस चुनाव का उदाहरण दिया : जगदीप छोकर ने लोकसभा चुनाव 2019 के चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि इस चुनाव में कई उल्लंघनों, अवैधताओं और अनियमितताओं की गंभीर घटनाओं को निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव 2024 में दोहराये जाने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने में विफल रहा है. इससे मतदाताओं के मन में संदेह पैदा हो गया है. इन आशंकाओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और इनके समाधान का प्रयास किया जाना चाहिए.

2019 में 347 सीटों पर विसंगतियां नजर आयी थीं : विशेषज्ञों और एडीआर की टीम द्वारा 2019 के लोकसभा चुनावों को लेकर किये गये रिसर्च के अनुसार, 542 निर्वाचन क्षेत्रों के विश्लेषण में 347 सीटों पर विसंगतियां नजर आयी थीं. विसंगतियां न्यूनतम एक वोट से लेकर 1,01,323 वोट, यानी कुल पड़े वोटों का 10.49 प्रतिशत (उच्चतम) तक थीं. यह सीटें ऐसी थीं, जहां पड़े वोटों और गिने गये वोटों का अंतर जीत के अंतर से ज्यादा था. डाले गए और गिने गये वोटों में 7,39,104 का अंतर था.

अब तक स्पष्टीकरण देने में विफल रहा चुनाव आयोग

एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग अब तक इस संबंध में उचित स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है. चुनाव आयोग स्पष्ट नहीं कर रहा है कि उसने वोटों की गिनती पर अंतिम और प्रामाणिक डेटा जारी करने से पूर्व चुनाव परिणाम क्यों घोषित किये? ईवीएम में पड़े वोटों, उनकी गिनती में अंतर, चुनाव संपन्न होने के कुछ दिन बाद अंतिम मतदान प्रतिशत में वृद्धि, बूथ वाइज डाले गये वोटों की संख्या का खुलासा न करना, डाले गये वोटों के आंकड़े जारी करने में अनुचित देरी के अलावा अपनी वेबसाइट से कुछ डेटा को हटाने को लेकर भी चुनाव आयोग ने अभी तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है.

आज शपथ लेंगे नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार

नवनियुक्त राज्यपाल को पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन करते सीएम हेमंत सोरेन.

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार यानी 31 जुलाई को राज्य के 12वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायेंगे. इससे पूर्व नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार मंगलवार की शाम रांची पहुंचे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बिरसा मुंडा एयपोर्ट पर उनका स्वागत किया. उन्होंने पुष्पगुच्छ देकर और शॉल ओढ़ा कर नये राज्यपाल गंगवार का अभिनंदन किया. कहा, भगवान बिरसा मुंडा और वीर शहीद सिदो कान्हू की पावन धरती पर आपका हार्दिक स्वागत, अभिनंइन और जोहार है. इस दौरान राज्य के नये राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया.

झारखंड से विदा हुए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन

झारखंड के निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन मंगलवार को झारखंड से विदा हो गये. उन्हें महाराष्ट्र के नये राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट परिसर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सीपी राधाकृष्णन को भावपूर्ण विदाई दी. मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता, सांसद नलिन सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कैबिनेट सचिव वंदना दादेल, डीसी एवं एसएसपी सहित राज्य सरकार वरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे. इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से राजभवन में मुलाकात की. सीएम ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी. विश्वास जताया कि सीपी राधाकृष्णन का स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन झारखंडवासियों को सदैव मिलता रहेगा.

चौपारण में पत्थर खदान में ड्रिल करने के दौरान दर्दनाक हादसा, दो बार चाल धंसा

चाल धंसने से दो मजदूरों की मौत, दो घायल

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के डेबो पंचायत के रेनबो कर्मा स्थित पत्थर खदान में मंगलवार की दोपहर चाल धंस गया. इस हादसे में दो मजदूरों का मौत हो गयी, जबकि दो मजदूर घायल हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पत्थर खदान में 20 से 25 मजदूर अलग-अलग जगह पर काम कर रहे थे. इसी बीच एक मजदूर, जो पत्थर खदान में ड्रिल का कार्य कर रहा था, अचानक उसके ऊपर खदान का चाल धंस गया.

उसे बचाने के लिए तीन मजदूर उसकी तरफ दौड़े और उसे निकालने का प्रयास करने लगे. इसी क्रम में दुबारा चाल धंस गया और तीनों मजदूर भी दब गए. इसके बाद अन्य मजदूरों की मदद से चारों को बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया. इनमें एक मजदूर की पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि एक और मजदूर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. वहीं, अन्य दो घायल मजदूरों की हालत स्थिर बतायी जा रही है. इस हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान रेनबो कर्मा गांव निवासी जाफर मियां का पुत्र मो समसुद्दीन अंसारी (45) और सोम भुइयां का पुत्र मनोज भुइयां (25) के रूप में हुई है. घटना के बाद ग्रामीणों में भारी रोष है. उनका कहना है कि खदान मालिक की लापरवाही से हादसा हुआ है. ग्रामीणों ने प्रशासन से न्याय संगत कार्रवाई की मांग की है. इधर घटना की सूचना पर सीओ संजय यादव, थाना प्रभारी दीपक सिंह, जिप सदस्य रवि शंकर अकेला मौके पर पहुंचे. सीओ ने बताया कि घटना की सूचना एसडीओ और डीसी को भी दे दी गयी है.

गुमला में ज्वेलर्स दुकान में की गोलीबारी

- आभूषण व्यवसायी के हाथ को छूकर निकली गोली
- दो बाइक पर सवार हो पांच की संख्या में आए थे अपराधी

संवाददता। गुमला

जिले के टावर चौक स्थित कनक ज्वेलर्स में मंगलवार दोपहर अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया. दिनदहाड़े हुई इस घटना में दुकान के मालिक प्रकाश कुमार के हाथ को छूकर गोली निकल गयी. जानकारी के मुताबिक, दो बाइक पर सवार होकर पांच अपराधी दुकान में घुसे और ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगे. वारदात के वक्त दुकान में ग्राहक भी मौजूद थे. गनीमत रही कि किसी ग्राहक को गोली नहीं लगी.

जांच करती पुलिस व मौजूद भीड़.

वारदात के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये. इसके बाद दुकान के कर्मियों ने घायल आभूषण व्यवसायी को सदर अस्पताल, गुमला में भर्ती कराया. इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. बताया जा रहा है कि अपराधी डकैती की मंशा से आए थे. इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों की पहचान और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है. इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. इस घटना के पीछे डकैती मकसद भी हो सकता है. फिलहाल, सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है.

सेना भर्ती | खेलगांव में शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थी

भर्ती कैंप में 1140 युवाओं ने लिया हिस्सा

संवाददाता। रांची

सेना भर्ती रैली के चौथे दिन मंगलवार को झारखंड के 1140 युवाओं ने हिस्सा लिया. अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए राज्य के गढ़वा, जामताड़ा, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम और पाकुड़ जिले के अभ्यर्थी खेलगांव के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए. इन जिलों के युवाओं ने अपने पूरे जोश और जुनून के साथ अग्निवीर जीडी श्रेणी में उपस्थिति दर्ज की.

प्रवेश गेट के बाद उम्मीदवारों को मार्शलिंग एरिया में लाने के बाद सेना की ओर से अभ्यर्थियों को बताया गया कि दलालों के बहकावें में ना आएं. दलाल कभी भी किसी का चयन नहीं करवा सकता है, वो सिर्फ आपके मेहनत की कमाई हड़प लेगा. सेना भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष और पूरी तरह कंप्यूटर आधारित है. इस दौरान यह भी बताया गया कि बोनस दिलाने वाले प्रणाम पत्र जैसे एनसीसी सर्टिफिकेट, खेलकूद का प्रमाण पत्र या अन्य कोई प्रमाण पत्र सही और प्रमाणित होना चाहिए, जैसा कि ऑनलाइन फॉर्म भरते समय दर्शाया गया हो.

अग्निवीर सेना भर्ती कैंप में शारीरिक दक्षता परीक्षा देते अभ्यर्थी.

जिला प्रशासन ने की थी हर संभव व्यवस्था : वैसे उम्मीदवार, जो किसी कारणवश एडमिट कार्ड नहीं निकाल पाए थे, उनको भर्ती स्थल पर सेना भर्ती कार्यालय, रांची के जरिये एडमिट कार्ड प्रदान किये गए. अग्निवीर सेना भर्ती के दौरान खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दौड़ने के लिए मिले ट्रैक की सभी अभ्यर्थियों ने प्रशंसा की और उत्साहित दिखे. वहीं, जिला प्रशासन की तरफ से भर्ती कैंप में आए अभ्यर्थियों को हर संभव सहायता प्रदान की गई. इनमें चिकित्सा, एम्बुलेंस, पानी जैसे तमाम सभी सुविधाएं शामिल थीं.

खास बातें

- सेना की अभ्यर्थियों से अपील- दलालों के बहकावें में ना आएं
- दौड़ने के लिए मिले ट्रैक की अभ्यर्थियों ने प्रशंसा की

चक्रधरपुर मंडल में नौ जोड़ी ट्रेनें आज रद्द रहेंगी

रांची। चाईबासा के चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाबांबो में हावड़ा-सीएसटीएम (मुंबई) मेल के डिरेल होने की वजह से 31 जुलाई को नौ जोड़ी ट्रेनें रद्द रहेंगी. जिन ट्रेनों को रद्द किया गया है, उनमें 08607/ 08608 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर, 08617/08618 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर, 13504/ 13503 हटिया-बर्द्धमान-हटिया मेमू, 18036/18035 हटिया-खड़गपुर- हटिया मेमू, बोकारो स्टील सिटी-रांची- बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर, 08641/ 08642 आद्रा-बरकाकाना -आद्रा पैसेंजर, 18175/18176 हटिया-झारसुगोड़ा - हटिया एक्सप्रेस, 08195/08196 टाटानगर-हटिया-टाटानगर पैसेंजर, ट्रेन संख्या 18601/18602 टाटानगर-हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस और 08151/08152 टाटानगर-बरकाकाना-टाटानगर पैसेंजर ट्रेन शामिल हैं.

रेंज डीआईजी ने पांच जिलों के एसपी के साथ की बैठक

नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई करें

- उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुरक्षा प्लान बनाने को कहा
- प्रवेश व निकासी मार्गों पर बैरेकेडिंग बैरियर लगाने का निर्देश

संवाददाता। हजारीबाग

उत्तरी छोटानागपुर रेंज के डीआईजी सुनील भास्कर ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिलावार अपराध की समीक्षा की. बैठक में हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा एवं रामगढ़ के एसपी शामिल रहे. समीक्षा बैठक के दौरान डीआईजी ने नक्सलियों और संगठित आपराधिक गिरोह के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए.

एसपी के साथ समीक्षा करते उत्तरी छोटानागपुर रेंज डीआईजी सुनील भास्कर.

इसके अलावा हत्या, डकैती, लूट, चोरी, गृहभेदन, आर्म्स एक्ट, फिरौती के लिए अपहरण, रंगदारी, बलात्कार, पॉक्सो एक्ट, एसटी-एससी एक्ट से संबंधित कांडों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई. डीआईजी ने इनने से कांडों का शीघ्र निष्पादन करने को कहा. वहीं, अपने-अपने जिले में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया. जिले में प्रवेश और निकासी के मार्गों को चिह्नित कर वहां बैरेकेडिंग बैरियर लगाने को भी कहा गया. इसके अलावा रात्रि गश्ती और वरीय पदाधिकारियों से चेकिंग करवाने का निर्देश दिया. वहीं विधानसभा चुनाव के दौरान उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुरक्षा प्लान बनाने को कहा गया.

ब्रीफ खबरें

मो. रफी की पुण्यतिथि मनाने की तैयारी

मेदिनीनगर। सांस्कृतिक संस्था गुलशन के बैनर तले फिल्म जगत के महान पार्श्व गायक मो. रफी साहब की पुण्यतिथि मनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है. इस कार्यक्रम में गुलशन के सभी सदस्य मो. रफी साहब के गाये गीतों को गाकर उन्हें श्रद्धांजलि प्रस्तुत करेंगे . कार्यक्रम पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन में 31 जुलाई संध्या 7 बजे से करने का निर्णय लिया गया है जिसका उद्घाटन मेदिनीनगर नगर निगम के नगर आयुक्त जावेद हुसैन एवं कार्यक्रम का मंच संचालन आकाशवाणी उद्घोषक एवं गुलशन के सदस्य संजय कुमार मिश्रा करेंगे.

एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता तीन से

मेदिनीनगर। पलामू जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वधान में पलामू जिलास्तरीय बालक/ बालिका, महिला/पुरुष सीनियर एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता 3 अगस्त से जीएलए कॉलेज स्थित एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित होगी. 3 अगस्त को 800 मी दौड़ ,10000 मी ,5 000 मी दौड़, 20 किमी रेस वॉक, शॉर्ट पुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो व 4 अगस्त को 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ ,1500 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप प्रतियोगिता आयोजित होगी.

अंचलाधिकारी ने योगदान दिया

गारू (लातेहार)। गारू में नये अंचलाधिकारी के रूप में दिनेश कुमार मिश्रा ने मंगलवार को योगदान दिया. उन्होंने निवर्तमान अंचल अधिकारी संतोष बैठा से प्रभार ग्रहण किया. प्रभार ग्रहण करने के बाद एक औपचारिक बैठक की और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया. उन्होंने कहा कि अंचल की समस्याओं को प्राथमिकता के तौर पर निपटाया जायेगा. जाति, स्थानीयता, आय और जमीन म्यूटेशन से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन उनकी प्राथमिकता होगी.

हुटाप पंचायत के हुटाप में प्लॉट एक दावेदार दो

चंदवा (लातेहार)। अंचल क्षेत्र के त हुटाप पंचायत के हुटाप गांव में एक मामला प्रकाश में आया है. हुटाप गांव के के सधन लोहरा पिता स्व मोहन लोहरा की खतियानी जमीन खाता नंबर 210, प्लॉट नंबर 2412 रकबा 73 डिसमिल है. सधना का कहना है कि अब प्लॉट एक है खाता बदल गया. प्लॉट दो लोगों के नाम आनलाइन हो गया है. इस कारण दो लोगों के बीच झगड़े का आसार बढ़ गया है. यह जमीन रांची-मेदिनीनगर के लिए बनने वाले फोरलेन में पड़ रहा है. इस कारण इस जमीन की कीमत भी बढ़ गयी है. अंचल कार्यालय को सुधार के लिए कई बार आवेदन के देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है.

सर्पदंश से महिला अचेत, रिम्स रेफर

बालूमाथ (लातेहार)। सर्पदंश से एक महिला अचेत हो गई. उसे बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों ने रिम्स रांची रेफर कर दिया है. थाना क्षेत्र के टोटी गांव के स्व जामुन साव की 65 वर्षीय पत्नी पार्वती मसोमात अपने खेत में कुछ काम कर ही थी. इसी दौरान जहरीले सांप ने उसे डस लिया. इसके बाद महिला अचेत हो गई. परिजनों ने आनन-फानन में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया. यहां चिकित्सक सुरेंद्र कुमार ने उसका इलाज किया. उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया.

पिटाई विवाद में आइसा की जांच टीम पहुंची सर्वोदय 2 हाईस्कूल सतबरवा

पीड़ित छात्र से मिले, गुस्साए परिजनों को समझाया

संवाददाता । सतबरवा (पलामू)।

सतबरवा सर्वोदय 2 के प्राचार्य प्रफुल्लित लकड़ा द्वारा ग्यारहवीं के छात्र समीर कुमार की बेरहमी से पिटाई किये जाने के बाद समीर कुमार गंभीर रूप से बीमार हो गया. आनन फानन में परिजन गांव के ही डॉक्टर से इलाज करवाया, मामला शनिवार का था.

इसकी शिकायत मिलते ही रविवार को आइसा के राज्य उपाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह और सतबरवा प्रभारी अभय सिंह दांगी पीड़ित छात्र से मिले. गुस्साए परिजनों को समझाया कि प्राचार्य से मिलकर मामला को समझने का प्रयास करेंगे. इसी कड़ी में अभिभावकों और छात्रों के साथ आरती कुमारी,नीरज कुमार सिंह के नेतृत्व में आइसा राज्य सचिव त्रिलोकीनाथ और अभय सिंह दांगी ने प्राचार्या से मुलाकात किया. प्राचार्या ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए अगली बार से ऐसा नहीं होने का आश्वासन दिया. वहीं छात्रों ने स्कूल में अवैध वसूली करने का आरोप लगाया है. लेकिन आइसा टीम के साथ प्राचार्य से वार्तालाप में सीधे तौर पर इसको झूठ बोला. जांच टीम ने अवैध वसूली का आरोप सही पाया है.

आइसा राज्य सचिव त्रिलोकीनाथ ने कहा कि अपने मनमाने तरीके से स्कूल न चलाए. ससमय अभिभावकों से राय सलाह लेते रहे. विद्यालय में छात्रों के साथ मार –पीट दुर्व्यवहार करना पूरी तरह से गलत है इससे छात्रों और समाज में अच्छा संदेश नहीं जाता है. वहीं अभय सिंह दांगी ने कहा कि जब छात्र मैडम का शिकायत ले कर थाना पहुंचे तो थाना कर्मी द्वारा एक छात्र को थप्पड़ मारते हुए बाहर कर दिया गया. पुलिस पब्लिक से समन्वय बना कर चले. आदिवासी छात्रों को डरा कर कानून व्यवस्था से दूर न किया जाए. हम उस दोषी थाना कर्मी के खिलाफ शिकायत जिले के प्रशासनिक अधिकारियों से करेंगे. बेहतर शिक्षा व्यवस्था और सर्वोदय 2 हाई स्कूल के विधि व्यवस्था को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी से मुलाकात करजानकारी देंगे आइसा मांग करती है कि जांच कर दोषियों पर करवाई करें.मौके रामसहाय सिंह,संतोष कुमार, अनिल कुमार, दीपक कुमार, बबलू कुमार, सुमंत कुमार समेत सैकड़ों अन्य छात्र -छात्राओं के साथ अभिभावक उपस्थित रहे.

अबुआ आवास में उगाही, मुखिया ने कहा बेबुनियाद

सतबरवा (पलामू)। अबुआ आवास में सरकारी गाईड लाईन का पालन सतबरवा प्रखंड क्षेत्र में नहीं हो रहा है ,साथ ही 10 हजार से लेकर 20 हजार रुपया उगाही की जा रही है,इसकी चर्चा हर जुबान पर है . हालांकि कई मुखिया ने इस बात का खंडन करते हुए कहा कि यह बेबुनियाद बात है . अबुआ आवास में पैसा लेकर सक्षम लोगों व पूर्व में जिस परिवार में इंदिरा आवास, प्रधानमंत्री आवास मिला है,उसे देने का मामला चर्चा में है . धावाडीह मुखिया रिकी यादव ने कहा कि जो लोग पद पर पंचायत द्वारा चयनित नहीं है,उनके द्वारा पैसा की उगाही का मामला आ रहा है . यहां गरीबों का नंबरिंग गलत हो गया है,जिसके कारण इनका नंबर बाद में आयेगा. यादव ने कहा कि मुखिया को यह पावर होना चाहिए था कि जो जरूरतमंद उसे पहले आवास मिले . बकोरिया मुखिया संतोष उरांव ने कहा कि अबुआ आवास में पैसा उगाही का मामला मेरे संज्ञान में नहीं है . जो आवास लाभुकों का नंबरिंग किया गया है,उसे आवास दिया जा रहा है .

भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर बवाल

भाजपा की मंशा झारखंड के टुकड़े करने की : राजेंद्र

संवाददाता । मेदिनीनगर

पलामू में निशिकांत दुबे के विरोध में रैली निकालते झामुमो कार्यकर्ता.

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा लोकसभा में केंद्रशासित प्रदेश बनाने के संबंध में दिए गए बयान के विरोध में झामुमो पलामू ने विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन का नेतृत्व झामुमो पलामू के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने किया. निशिकांत दुबे के बयान को झामुमो ने झारखंड विरोधी बयान बताया है और पूरे झारखंड में झामुमो इसका विरोध उग्र तरीके से कर रही है. झामुमो अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा ने कहा "निशिकांत दुबे द्वारा झारखंड तोड़ने की बात संसद में कहना दर्शाता है कि भाजपा की मंशा झारखंड के टुकड़े करने की है.

झामुमो ने झारखंड को बनाया है तो झामुमो झारखंड को बचाना भी जानती है. कार्यक्रम में सचिव मन्नू सिद्धिकी, केंद्रीय समिति सदस्य संजीव तिवारी, सुनील तिवारी, मुन्ना सिन्हा कोषाध्यक्ष रमेश सिंह उपाध्यक्ष राकेश सिन्हा, असफर रब्बानी, कमाल खान वरिष्ठ नेता देवेंद्र तिवारी, हाजी ललन, शाहनवाज बबलू, कलाम नेता नगर अध्यक्ष रंजीत जयसवाल, अध्यक्ष सुशीला मिश्रा, महिला मोर्चा सचिव संजू देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

भाजपा सांसद के बयान के विरोध में झामुमो ने निकाला आक्रोश रैली

संवाददाता । लातेहार

भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे के संथाल और बंगाल के कुछ इलाकों को मिलाकर केंद्र शासित बनाने की मांग के खिलाफ झामुमो कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जिला मुख्यालय में आक्रोश रैली निकाली. रैली का नेतृत्व झामुमो के जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने किया. रैली समाहरणालय परिसर से निकलकर मुख्य मार्ग होते हुए धर्मपुर चौक और जुबली चौक होते हुए थाना चौक चौक पर पहुंची. यहां आयोजन नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए झामुमो जिलाध्यक्ष श्री शाहदेव ने कहा कि भाजपा की सरकार झारखंड को तोड़ने और बांटने का काम कर रहा है. यह काफी निंदनीय है. किसी भी सूरत में झारखंड की एकता और अखंडता को बंटने नहीं दिया जाएगा. झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार को एकीकृत कर एक अलग राह पकड़ने की मांग की ओर अग्रसारित किया जा रहा है. उसे सफल नहीं होने दिया जाएगा.जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष अरुण दुबे ने कहा कि भाजपा अपने सिद्धांतों से हटकर झारखंड को बांटने का कार्य कर रही है. इस मंसूबे को कभी सफल नहीं होने दिया जाएगा. झामुमो नेता दीपू सिन्हा और आलोक कुमार मंटू ने संयुक्त रूप से कहा कि भाजपा की सरकार झारखंड की जनता को अलग करने का काम किया जा रहा है.

मौके पर झामुमो सचिव समशुल होदा, सुदामा प्रसाद गुप्ता, इंद्रदेव उरांव, गोपाल सिंह, मो मुस्तकीम अंसारी, अनील मनोहर, रिंकू कच्छप, आर्सेन तिर्की, अशोक पांडेय, मंजर हुसैन, रंजीत उरांव, वारिश अंसारी, परवेज आलम, शीतमोहन मुंडा, ममता देवी, रेखा देवी, पूजा देवी व शांति देवी समेत काफी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित थे.

विधायक ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

छतरपुर (पलामू)। विधानसभा सत्र के दौरान, जब सभी भाजपा विधायक सरकार की नीतियों का विरोध कर रहे थे, तब भी छतरपुर विधायक पुष्पा देवी अपने इलाके में रजिस्ट्री कार्यालय खोलने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया. उन्होंने मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत में कहा कि यह सरकार सिर्फ गरीबों को लूटने में लगी हुई है. उन्होंने मुख्यमंत्री जी से भी मिलकर छतरपुर में निबंधन कार्यालय खोलने की मांग की थी और इस मामले को विधानसभा में भी उठाया था . लेकिन यह सरकार सिर्फ ट्रांसफर पोस्टिंग और माफियाओं को बढ़ावा देने में मस्त है.

गहना चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार

पांकी (पलामू)। पुलिस मंगलवार को गहने चोरी करने के आरोप में महुगाई निवासी देवकरण विश्वकर्मा उम्र (20) वर्ष पिता मिथलेश विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 28 जुलाई को रात्रि में पांकी थाना क्षेत्र के महुगांई गांव में पार्वती देवी के घर में रखे गहने में से गले का चैन और पायल अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर लिया गया था. पांकी थाना प्रभारी उत्तम तिवारी ने उद्भेदन करते हुए चुराए गए आभूषण की बरामदगी की. आरोपी देवकरण विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

नौवें दिन भी हड़ताल पर रहे मनरेगाकर्मी, कार्य प्रभावित

मांगो को लेकर धरना देते मनरेगाकर्मी.

मेदिनीनगर। मनरेगाकर्मियों की हड़ताल मंगलवार को नौवें दिन भी जारी रही. इधर, मनरेगाकर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से पलामू जिले में मनरेगा का काम ठप हो गया है. एक ओर सुखाड़ जैसी स्थिति के कारण पलामू जिला के किसान त्राहिमाम कर रहे हैं. वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मूलाधार मनरेगा योजना का काम बंद होने के कारण मजदूरों को रोजगार भी नहीं मिल पा रहा है. धरना पर बैठे वक्ताओं ने कहा कि हम लोग 9 दिनों से हड़ताल पर हैं लेकिन सरकार हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है. हम लोगों के आंदोलन को कुचलना के लिए सरकार द्वारा किया गया वैकल्पिक व्यवस्था पूरी तरह से विफल है. देवेंद्र उपाध्याय ने कहा कि पलामू जिले में मनरेगा से औसतन तीस हजार मजदूर को प्रतिदिन रोजगार दिया जाता है लेकिन आज पलामू जिले में मात्र डेढ़ सौ मजदूर कार्य कर रहे हैं. केंद्र सरकार से प्राप्त राशि के प्रशासनिक मद से ही मानदेय दिया जा रहा है. मनरेगा में ही राज्य स्तर पर राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत मनरेगा कर्मियों को 196% महंगाई भत्ता के साथ ग्रेड-पे, चिकित्सा भत्ता एवं परिवहन भत्ता का लाभ दिया जा रहा है जबकि प्रखंड व पंचायत स्तर पर कार्यरत मनरेगा कर्मियों को इससे वंचित रखा गया है.

मध्याह्न भोजन बंद, तीन माह से एक भी बच्चे की उपस्थिति दर्ज नहीं

खास बातें

- जांच करने वाले अधिकारी भी हतप्रभ रह गये
- हाल उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुनकेरी टोला पहाड़ी का

उत्क्रमित मध्य विद्यालय का औचक निरीक्षण किया पदाधिकारी.

संवाददाता । छतरपुर (पलामू)

क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी रामनरेश राम ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुनकेरी टोला पहाड़ी का औचक निरीक्षण किया . इस संबंध में शुभम संदेश से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि सोमवार को समय 1:20 बजे अपराह्न में उन्होंने उक्त विद्यालय का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में एक भी छात्र-छात्रा उपस्थित नहीं पाए गए. इस विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक मो0 अख्तर हुसैन निरीक्षण के समय उपस्थित थे. वर्ग 1 से 5 तक का छात्र-छात्राओं की दैनिक उपस्थिति माह मई, जून और जुलाई 2024 की नहीं बनाई गई थी. वर्ग 1 से 5 तक कुल नामांकित छात्र-छात्राओं की संख्या 94 है. वर्ग 6 से 8 में कुल नामांकित संख्या 66 है. उक्त तिथि को मो0 अख्तर हुसैन के द्वारा किसी भी वर्ग की उपस्थिति नहीं बनाई गई थी, जिसे सहायक अध्यापक मो0 अख्तर हुसैन ने स्वीकारा है. प्रभारी प्रधानाध्यापक सह सचिव मो0 रमजान अली विद्यालय से बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए, और लगभग एक सप्ताह से मध्याह्न भोजन चावल के अभाव में बंद पाया गया है. मध्याह्न भोजन का रजिस्टर मांगने पर नहीं दिखाया गया.

क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी रामनरेश राम ने कहा कि विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सह सचिव का कार्यशैली ठीक नहीं है . विद्यालय कार्यों के प्रति घोर लापरवाही उजागर हुई है . रमजान अली के विरुद्ध दंडनात्मक कार्रवाई करते हुए माह जुलाई 2024 से मानदेय भुगतान पर रोक लगाते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है . दर्जनों शिकायतों के बाद भी जांच नहीं हो पाती . अगर जांच होती है तो कार्रवाई नहीं हो पाती .

न्यूज अपडेट

सदर थाना के पास एक ही रात में दो घरों में चोरी

चोरी कि घटना की जानकारी लेते पुलिस.

लातेहार। जिला मुख्यालय में इन दिनों चोरी की वारदात बढ़ गयी है. सोमवार की रात्रि शहर के शिवपुरी इलाके में दो घरों में चोरी की घटना को अज्ञात चोरों ने अंजाम दिया. पहली घटना शिवपुरी के सुरेश प्रजापति के घर में हुई. यहां चोरों ने घर का खिड़की तोड़ कर घर में प्रवेश किया और कमरे में रखे आलमीरा का लॉक तोड़ कर नगद रुपये ले गये. इस संबंध में सुरेश प्रजापति ने सदर थाना में एक आवेदन दिया है. दूसरी घटना शिवपुरी में ही संजय कुमार अग्रवाल के घर में हुई. यहां भी चोर खिड़की का ग्रील खोल कर घर के अंदर प्रवेश किया. चोरों ने एक कमरे में रखे बक्सा को अपने साथ ले गये. सदर थाना के पास से इस प्रकार एक ही रात में दो घटनाओं को अंजाम देने से स्थानीय लोगों में दहशत है.

समाजवादी नेता पूरनचंद की मनी 24वीं पुण्यतिथि

मेदिनीनगर। पूर्व मंत्री सह समाजवादी नेता पूरन चंद की मंगलवार को 24वीं पुण्यतिथि मनाई गई. इस अवसर पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा सदस्यों समेत अन्य संगठनों ने मेदिनीनगर के पंचमुहान चौक स्थित पूरनचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. कार्यक्रम का नेतृत्व मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने किया. माल्यार्पण के बाद श्री राम ने कहा कि पुरनचंद दलित व शोषितों की आवाज थे. उनका निधन 30 जुलाई 2001 ई को हुआ था. उन्होंने दलितों के हक अधिकार के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया. मौके पर जयपाल मोची, प्रवीण कुमार, सूरजमल राम, कृष्णा राम, उमेश पासवान, राजू राम, संदीप कुमार, अनिल राम, प्रेम कुमार, राम नरेश महतो आदि उपस्थित थे.

कोयल पुल का नाम पुरनचंद सेतु कर में धन्य हुई

मेदिनीनगर। एकीकृत बिहार के गांधी कहेजाने वाले पिछड़ों के मसीहा स्व पुरनचंद की पुण्यतिथि पर प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने मुख्य बाजार व चैनपुर में स्थापित पुरनचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. मौके पर श्रीमती शंकर ने उन्हें याद करते हुए कहा कि जिन्हें पूर्व में बार डाल्टनगंज विस क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और एकीकृत बिहार में कैबिनेट मंत्री भी रहने का अवसर मिला उनके नाम कोयल पुल का नामकरण कर में अपने को धन्य महसूस कर रही हूं. उन्होंने कहा कि वे अंतिम समय तक न तो अपने लिए एक वाहन खरीद सके और न ही एक मकान बना सके. उनकी पहचान बन गई थी "घसीटा साव का कोठा, धर्मशाला का कोठा और पिंटू होटल का ओटा". मौके पर माल्यार्पण करने पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर रामचंद्र केसरी, स्वर्गीय पुरण चंद के पोते अभिजीत कुमार, पुरनचंद ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश प्रसाद, प्रोफेसर युगल किशोर प्रसाद आदि उपस्थित थे .

विधायक ने सदन में उठाया पॉलिटेक्निक का मुद्दा

पांकी (पलामू)। झारखंड विधानसभा सत्र के तीसरे दिन पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सदन में नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड स्थित बसौरा में राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान का भवन के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया कहा पिछले कई महीनों पूर्व संस्थान बन कर तैयार है. इसके बावजूद भी विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी शिक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है. जिससे विद्यार्थियों का भविष्य खराब हो रहा है. बसौरा में राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान का भवन बन कर तैयार है. विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी शिक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है. क्षेत्र में संस्थान निर्मित होने बावजूद विद्यार्थियों को दूसरे स्थानों में जाकर पाठ्यक्रम की शिक्षा लेनी पड़ रही है. सरकार अविलंब राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान, बसौरा, पलामू में शिक्षण कार्य आरम्भ करें.

विधायक के प्रयास से पुल-पुलिया निर्माण की स्वीकृति

मेदिनीनगर । डाल्टनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक आलोक चौरसिया ने क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण की स्वीकृति दिलायी है . चैनपुर प्रखंड में तहले नदी पर 116.16 मीटर लंबा पुल बनेगा, जिसकी स्वीकृत राशि 500.15800 लाख रुपये है, जो ग्रामीण इलाकों में परिवहन सुविधाओं को बेहतर बनाएगा और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देगा. सतबरवा प्रखंड में गणपत चौधरी के घर के पास 67.08 मीटर लंबा पुल निर्माण होगा, जिसके लिए 336.46500 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे क्षेत्रीय सड़क नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा और लोगों का जीवन आसान होगा. मेदिनीनगर प्रखंड में मलय नदी पर 68.44 मीटर लंबा पुल बनाया जाएगा, जिसकी स्वीकृत राशि 346.05800 लाख रुपये है, जो दूरदराज गांवों की सड़क संपर्कता में सुधार लाएगा और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा.

भोलाटांड पहुंचे अभिमन्यु , ग्रामीणों से किया संवाद

भोलाटांड में ग्रामीणों के साथ अभिमन्यु सिंह.

उंटारी रोड(पलामू)। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के युवा समाजसेवी अभिमन्यु सिंह उर्फ बब्लू सिंह विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव का दौरा किया. इस दौरान श्री सिंह विश्रामपुर नगर परिषद के भोलाटांड गांव पहुंचे. इस दौरान उन्होंने लोगों से मिलकर उनकी जनसमस्याओं को सुना साथ ही समस्याओं को समाधान करने का आश्वासन दिया. मौके पर श्री सिंह ने कहा कि विश्रामपुर प्रखंड का विभिन्न गांव विकास से काफी दूर है. यहां किसी भी क्षेत्र में विकास नहीं की गई है. जिसके कारण यहां के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. वहीं उनकी समस्याओं को जनप्रतिनिधियों के द्वारा कभी नहीं सुना गया है. जिसके कारण यहां के लोग मूलभूत समस्याओं से लगातार जूझ रहे हैं. उन्होंने कहा कि अभी तक जनप्रतिनिधियों के द्वारा विश्रामपुर प्रखंड के लोगों को सिर्फ ठगने का काम किया गया है लेकिन जनता अब जग चुकी है आगामी विधानसभा चुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाएगी.

कार्यक्रम

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रशिक्षण का आयोजन, देबानजन बेनर्जी ने कहा

मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने फाइलेरिया होता है

खास बातें

- जागरूकता से ही इस बीमारी से बचा जा सकता है
- लक्षण एवं प्रभाव पाच से सात वर्षों में दिखाई देता है

संवाददाता । लातेहार

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर पदाधिकारियों की बैठक.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरवाडीह में फाइलेरिया उन्मूलन को ले कर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सीएचओ एवं एएनएम शामिल थे. प्रशिक्षण में आगामी 10 अगस्त से 25 अगस्त तक चलने वाले फाइलेरिया कार्यक्रम की जानकारी दी गयी. पीरामल फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक देबानजन बेनर्जी ने फाइलेरिया रोग की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने फाइलेरिया रोग होता है. इसका लक्षण एवं प्रभाव पाच से सात वर्षों में दिखाई देता है. उन्होंने बताया कि यह एक लाइलाज बीमारी है. जानकारी एवं जागरूकता से ही इस बीमारी से बचा जा सकता है. उन्होंने बताया कि फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन लक्षित समुदाय के लोगों को शत प्रतिशत खिलाई जानी है.

फाइलेरिया उन्मूलन में सहभागिता जरूरी : सुनील

गारू (लातेहार)। फाईलेरिया उन्मूलन को लेकर गारू प्रखंड सभागार में मलेरिया सलाहकार लातेहार सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में मुखिया, पंचायत सचिव तथा अन्य लोगों के साथ परिचर्चा किया गया . उन्होंने बताया कि मच्छर के बाइट से होने वाले इस बीमारी में हाइड्रोसील का बढ़ना व हाथी पांव आदि की समस्या हो सकती है . यदि किसी को भी इस प्रकार का लक्षण महसूस होता है तो तुरंत डॉक्टर से मिलें . घर के आसपास जल जमाव न होने दें तथा बरसात के दिनों में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें . मेडिकल टीम द्वारा फाईलेरिया प्रतिरोधी दवा खिलाई जायेगी . उन्होंने जन प्रतिनिधियों से सहयोग का अपील की . मौके पर प्रमुख सीता देवी, जेएसएलपीएस के आशीष कुमार, पंचायत सचिव राजेंद्र उरांव व सुनेश्वर सिंह आदि लोग मौजूद थे .

ठग महिलाओं को बना रहे शिकार

सोना चांदी लेकर हो जाते हैं फरार

आशीष टैगोर

लातेहार। अगर कोई अनजान आपके घर आ कर आपसे पानी मांगे और कुछ देर सुस्ताने की बात कहे तो आप सावधान हो जाये. ये ठग हो सकते हैं और महिलाओं को अपनी बातों में उलझा कर उनसे घर के जेवर आदि ले कर चंपत हो सकते हैं. दरअसल इन दिनों न सिर्फ शहरी वरन ग्रामीण क्षेत्रों में ठगों की टोली घुम रही है. ये ठग घरों में जाते हैं और महिलाओं को अपनी बातों से प्रभावित करते हैं. ठग खास कर उन घरों में जाते हैं, जहां पुरुष घर पर नहीं होते हैं. इसके लिए वे कुछ दिनों तक घरों की रेकी करते हैं, घर में कितने पुरुष हैं और वे कब-कब बाहर जाते हैं और कब आते हैं, इसकी पूरी जानकारी रखते हैं. पिछले दिनों ऐसे ही एक ठग की टोली ने एक महिला के सोने व चांदी के जेवर ले कर चंपत हो गये. उस महिला ने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया कि वह अपने दुकान में थी. इतने में वहां दो लोग आये और उनसे बातचीत करने लगे. उनकी बातों से वह काफी प्रभावित हुई. वे लोग अध्यात्म व धार्मिक बातें कर रहे थे. बातचीत के क्रम में उन्होंने दावा किया कि वे इश्वर से उसकी बात करा सकते हैं. महिला धार्मिक प्रवृति की थी सो उसकी बातों में आ गयी. ठगों ने कहा कि इसके लिए उसने अपने शरीर में जो भी सोने चांदी के जेवर हैं, उसके उतारना होगा. वह जेवर उतार कर अपने पास रख सकती है, वे लोग उस जेवर को हाथ तक नहीं लगायेंगे. इसके बाद महिला ने अपने जेवर उतार दिये. लेकिन ठगों ने उसे ऐसा प्रभावित किया था कि वह उन जेवरों को खुद नहीं रख कर उन ठगों को दे दिया. इसके बाद ठगों ने कहा कि पास में जो बरगद का पेड़ है उसे छू कर प्रणाम कर आये, लेकिन उसे पीछे की ओर नहीं देखना होगा. ठगों की बातों में आ कर वह पास के बरगद के पेड़ के पास गयी. लेकिन जब वह वापस लौटी तो देखा कि वे ठग वहां नहीं थे और ना ही उसके जेवर वहां थे. महिला ने आसपास के बहुत ढूंढ़ा लेकिन वे ठग कहीं दिखायी नहीं पड़े. हालांकि उन्होंने की सूचना पुलिस को नहीं दी है.

ब्रीफ खबरें

ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा, बच्चे की मौत

गुमला। गुमला के परसा गांव के समीप एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई. इस हादसे में 4 वर्षीय मासूम अश्विनी लकड़ा की मौत हो गई. जबकि उसके पिता मनोज लकड़ा और 2 वर्षीय भाई को गंभीर चोटें आई है. स्थानीय लोगों के द्वारा सभी को सदर अस्पताल पहुंचाया गया. जहां डॉक्टरों ने अश्विनी लकड़ा को मृत घोषित कर दिया. मृतक के पिता ने बताया कि वह खुद ऑटो चला रहा था और पत्नी को लाने के लिए बच्चों के साथ ऑटो से परसा जा रहा था. इसी दौरान अचानक बीच रास्ते में एक जानवर दौड़ पड़ा.

देश को तोड़ने वाले आज ज्ञान बांट रहे हैं : श्वेतांक

मेदिनीनगर। भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू के जिला महामंत्री श्वेतांक गर्ग ने बयान जारी कर कहा है कि झारखंड में जनता को बरगलाकर सत्ता पाने वाले महाठगबंधन वाली सरकार जब से सत्ता में आई है . तब से लगातार राज्य में आदिवासियों महिलाओं सहित संविदा कर्मियों के साथ लगातार छलावा किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार ने बंगलादेशियों का घुसपैठ कराकर झारखंड में आदिवासी मुलवासी का शोषण करने का काम किया है. सत्ता में बैठे लोग ही आदिवासियों की जमीन को हड़प रहे हैं.

समरसेबल मशीन खोलने के दौरान विस्फोट

भवनाथपुर। ब्लॉक गेट के समीप इलेक्ट्रीक दुकानदार सह मिस्त्री राजन मेहता एक समरसेबल मशीन खोलने के दौरान विस्फोट होने से गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसे घायलावस्था में भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया. जहां चिकित्सक इंद्रकिशोर विश्वकर्मा ने प्राथमिक उपचार किया. इस घटना में राजन मेहता को हाथ और पेट में गंभीर चोट लगी है. घटना के बारे में राजन ने बताया की खराब पड़े समरसेबल को खोलने के दौरान अचानक से मशीन में विस्फोट हो गया.

बाइक के आमने-सामने की टक्कर में दो घायल

भवनाथपुर। टाउनशिप मुख्य मार्ग में रेलवे साइडिंग में दो बाइक की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हे भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 108 एंबुलेंस से प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया. जहां चिकित्सा पदाधिकारी दिनेश सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर किया गया. घायलों में टाउनशिप निवासी पत्रकार संजय पांडेय और अरसली उतरी निवासी दीपक विश्वकर्मा का नाम शामिल है.

डीसी की अध्यक्षता में जिला योजना कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक

योजनाओं का लाभ जनता को शत-प्रतिशत मिले : डीसी

संवाददाता।लोहरदगा

जिला योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक करते उपायुक्त.

उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जिला योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई. बैठक में जिला अनाबद्ध निधि से संचालित योजनाओं एसएसीए से नई ली गई योजनाएं और नीति आयोग द्वारा प्रदत्त पुरस्कार राशि से ली गई योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गई. एससीए की नई योजनाओं में पेशरार में कालीन बुनाई प्लांट को सुचारू रूप से संचालित करने व उत्पादन करने के लिए जेएसएलपीएस की महिला स्वयंसहायता समूह को प्रशिक्षण दिये जाने का निदेश चयनित एजेंसी को दिया गया. किस्को के तिसिया में ब्रिकेटिंग प्लांट में उत्पादन व संचालन हेतु बनाये गये समिति की मॉनिटरिंग करने का निदेश जिला . सहकारिता पदाधिकारी को दिया गया. साथ ही 10 दिन के अंदर प्लांट में संधारित पत्तों का ब्रिकेटिंग के रूप में उत्पादन प्रारंभ करने का निदेश दिया गया. वहीं किस्को प्रखंड में दोना-पत्तल उद्योग में ट्रांसफार्मर की उपलब्धता के लिए कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल लोहरदगा से समन्वय करने का निदेश जिला सहकारिता पदाधिकारी को दिया गया. कुडू प्रखंड के कौवा खाप में सरसो तेल उत्पादन प्लांट में विद्युत कनेक्शन के लिए संबंधित उत्पादन समिति की ओर से प्रस्ताव अगले पांच दिनों के अंदर कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल लोहरदगा को भेजे जाने का निदेश दिया गया. प्रखंड कार्यालय परिसर किस्को में पूर्व संचालित औद्योगिक सिलाई केंद्र के दोनों यूनिट के लिए लिए अनापत्ति पत्र दिये जाने पर सहमति बनी. जिला के मोटरसाईकिल एवं रिपेयेरिंट ट्रेड, सीएनसी ऑपरेटर के प्रशिक्षण के लिए भेजे गये युवक-युवतियों और उनमें से नियोजन की समीक्षा की गई. बांस हस्तशिल्प उद्योग के बाजार के लिए उन उत्पादों को पलाश मार्ट में उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक निदेश डीपीएम, जेएसएलपीएस को दिये गये.जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी को कम्प्यूटर प्रशिक्षण में इंटर्नशिप का कार्यक्रम भी शामिल किये जाने का निदेश दिया गया. प्रखंडों में पुस्तकालयों का संचालन 10 दिन के अंदर प्रारंभ किये जाने का निदेश आइटीडीए परियोजना निदेश को दिया गया. नीति आयोग के पुरस्कार राशि से चयनित योजनाओं मिल्क एण्ड डेयरी प्रोडक्शन यूनिट के लिए प्रक्रिया पूरी करने का निदेश जिला गव्य विकास पदाधिकारी को दिया गया. बीएस कॉलेज में ई-लाईब्रेरी में क्रय किये गये उपकरणों को 10 दिनों के अंदर अधिष्ठापित किये जाने का निदेश दिया गया. बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, जिला योजना पदाधिकारी अरूण सिंह, डीपीआरओ आकाश सिंह, एडीपीओ अभिनीत सूरज, सभी कार्यपालक अभियंता, पीपीआइए फेलो हेमलता बजाज समेत अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

सिमडेगा के सभी जर्जर विद्यालय को दुरुस्त करने की मांग की

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने जिले के सभी विद्यालयो के जर्जर भवन दुरुस्त करने की मांग की विधानसभा में उठाया. उन्होंने वैसे विद्यालय जिनका अपना भवन नहीं होने के कारण पेड़ की छांव में पठन पाठन का कार्य संचालित हो रहा है.वैसे विद्यालयो की व्यस्था दुरुस्त करने की मांग विधानसभा के मॉनसून सत्र में सरकार से की. अपने प्रश्न के माध्यम से विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने सरकार से उदाहरण स्वरूप ये सवाल पूछा कि जलडेगा प्रखंड के कुटुंगिया पंचायत के लोमगा टोली में जो राजकियकृत विद्यालय संचालित है,वो विद्यालय भवन बिहीन है. वहां पढ़ने वाले छात्रों को पेड़ के नीचे पठन पाठन का कार्य करना पड़ता है.. सरकार ने संबंधित पदाधिकारी को विद्यालय के लिए भूमि की व्यस्था करते हुए अविलंब भवन का निर्माण कराने का आदेश जारी किया है. विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने इस मुद्दे पर बताया कि जिले के सभी पंचायतों में जितने भी विद्यालय हैं, उनकी संख्या करीब 964 हैं.

अनियमितता के खिलाफ सदन से कार्रवाई की मांग

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाडी ने सिमडेगा जिला में बन रहे निर्माणाधीन नये अनुमंडल भवन हुए भारी अनियमितता पर कार्रवाई करने की मांग सदन में की. उन्होंने ने सदन मेंर आवाज उठाते हुए कहा सिमडेगा में अनुमंडल भवन का निर्माण भवन निर्माण विभाग से किया गया है. विभागीय पदाधिकारी एवं संवेदक के मिली भगत से प्रकरण के अनुरूप और ना ही गुणवत्ता को ध्यान रखकर निर्माण कार्य किया जा रहा है. निर्माण कार्य काफी घटिया स्तर का हो रहा है . जिसके कारण कई जगहों पर सीपेज एवं दरार है .आने वाले दो ही तीन दिन में भवन की स्थिति जर्जर हो जाएगी. अतः सदन के माध्यम से सरकार से मैं मांग करता हूं नवनिर्मित अनुमंडल भवन की उच्च स्तरीय जांच कर विभागीय पदाधिकारी एवं संवेदक पर उचित कार्रवाई की जाए.

13 अगस्त को भाजपा राज्य सरकार के विरुद्ध करेगी प्रदर्शन

लोहरदगा। भाजपा जिला कार्यालय बख्शीडीपा में भाजपा जिला महिला मोर्चा के अध्यक्ष कलावती देवी की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में 13 अगस्त को झारखंड के हेमंत सोरेन सरकार के शासनकाल में महिलाओं पर हो रहे शोषण अत्याचार दुष्कर्म और हत्या के विरोध में समाहरणालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किए जाने की रणनीति बनाई गई. बैठक में मुख्य रूप से भाजपा के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर एवं बीजेपी झारखंड प्रदेश महिला मोर्चा महामंत्री मंजूलता दुबे उपस्थित थी. राज्य भर में महिला मोर्चा के माध्यम से जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम 13 अगस्त को आयोजित की जा रही है. जिसमें जिले की महिलाओं को आह्वान किया गया है कि ज्यादातर संख्या में शामिल होकर हेमंत सोरेन की सरकार को उखाड़ फेंकने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर लाभुकों में बढ़ी उत्सुकता

हरिहरगंज/पलामू । महिला आत्म सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर 21 से 50 वर्ष की योग्य महिलाओं में उत्सुकता देखी जा रही है. जिसके लिए इस योजना के लाभुक महिलाएं अभी से ही जरूरी कागजातों की छायाप्रति इकट्ठा करने में जुटे हैं. बता दें कि सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत 21 से 50 वर्ष उम्र के महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जानी है.कोई भी योग्य लाभुक इस योजना के लाभ से वंचित न रहे इसके लिए सरकार ने अधिकारियों को भी निर्देशित किया है. विदित हो कि योजना से लाभुकों को जोड़ने के लिए आगामी 3 से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन भी किया जाना है. जानकारी के अनुसार शिविर की सफलता के लिए व्यापक तौर पर प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया है. इसके लिए सभी आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं, सहायिकाओं के माध्यम से योग्य लाभुकों को चिन्हित कर घर घर जाकर सरकार प्रदत निःशुल्क फॉर्म भी उपलब्ध कराएंगे.

संघ ने फूंका राज्य सरकार और पाकुड़ प्रशासन का पुतला

पुतला दहन करते एसीएस के लोग.

लोहरदगा। विगत दिनों 27 जुलाई को झारखंड प्रदेश अंतर्गत पाकुड़ में स्थित केकेएम कॉलेज के आदिवासी कल्याण बालक छात्रावास में पाकुड़ प्रशासन द्वारा आधी रात को छात्रावास में घुसकर छात्रों के साथ अमानवीय व्यवहार करते हुए मार-पीट की घटना को अंजाम दिया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिवासी छात्र संघ के अवधेश उरांव ने कहा कि केकेएम पाकुड़ कॉलेज के आदिवासी कल्याण छात्रावास में पाकुड़ प्रशासन ने आधी रात में छात्रवास में घुसकर छात्रों के साथ अमानवीय व्यवहार किया .इस दौरान आदिवासी छात्र संघ जिला समिति के कार्यकारी अध्यक्ष विजय प्रकाश उरांव, सचिव पंकज भगत,उपाध्यक्ष महादेव उरांव, विनोद उरांव, महासचिव फूलचंद उरांव, प्रवक्ता अमित लोहरा आदि शामिल थे.

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

लोगों के जागरूक होने पर कम होंगी दुर्घटनाएं: उपायुक्त

संवाददाता।गढ़वा

जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक करते डीसी.

जिले में सड़क हादसों को नियंत्रित करने समेत अन्य संबंधित विषयों को लेकर डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय के सभागार में जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गई. बैठक में डीसी ने सड़क सुरक्षा के नियमों का अक्षरशः अनुपालन कराने के साथ विगत दिनों में सड़क दुर्घटना के रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्य करने के लिए दिशा निर्देश दिया. बैठक में डीसी ने सर्वप्रथम हिट एंड रन मामलों की समीक्षा की. उन्होंने हिट एंड रन तथा गुड सेमेरिटन पॉलिसी का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने तथा हिट एंड रन से संबंधित लंबित मामलों का निपटारा कर पीड़ित को शीघ्र मुआवजा दिलाने का निर्देश दिया.

बैठक में डीसी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-75 पर गढ़वा से नजदीक के सभी मुख्य स्थान की दूरी से संबंधित साइनेज गति सीमा से संबंधित साइनेज एवं रोड सेफ्टी से संबंधित उपकरणों को अधिष्ठापित करने का निर्देश दिया. इस दौरान कार्यपालक अभियंता ने बताया कि जिले के कई स्थानों पर साइनेज का अधिष्ठापन कर लिया गया है एवं शेष बचे स्थान पर जल्द ही साइनेज लगाने की कार्रवाई की जा रही है. डीसी ने जिले में अवस्थित तीन ब्लैक स्पॉट मुख्यतः अन्नराज घाटी, गुलरिया ढोड़ा एवं बुढ़ापरास के कार्य प्रगति के संबंध में जानकारी लिया एवं अन्नराज घाटी के घुमाव को सीधा करने के कार्य मे तेजी लाने एवं कार्य को युद्धस्तर पर पूर्ण करने का निदेश दिया. साथ ही जिले में रोड किनारे सूखे पड़े वृक्ष, जिनसे आये दिन सड़क दुर्घटना हो रही हैं, वैसे वृक्षों का आकलन कर वन विभाग से अनुमति लेते हुए वृक्षों के कटाई का निर्देश दिया. उन्होंने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी से शहर के मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी के अधिष्ठापन एवं स्ट्रीट लाइट मरम्मती की जानकारी लिया. कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व बैठक में प्राप्त निर्देश के आलोक में शहर के सभी मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी का अधिष्ठापन एवं स्ट्रीट लाइट की मरम्मती कर किया गया है.

मौके पर डीसी श्री जमुआर ने कहा कि दो पहिया वाहन चालक अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करें, जिसे लेकर उन्होंने नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान के तहत सभी पेट्रोल पंप संचालकों को बिना हेलमेट फ्यूल नहीं देने का अपील किया एवं इस अनिवार्य रूप से लागू करने की भी बात कही. वहीं बैठक में सड़क हादसों के पश्चात उनकी सहायता के लिए आगे आने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने की भी बात कही गई. डीसी ने कहा कि लोगों में ऐसा भय है कि जो सड़क दुर्घटना में दूसरों की सहायता के लिए आगे नहीं आएगा उन्हें कानूनी रूप से फंसने का भय होता है, लेकिन ऐसी बात नही है, ऐसे लोगों को किसी भी कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा. वे बिना किसी भय के लोगों की सहायता जरूर करें. उन्होंने विभिन्न विद्यालयों एवं शहर के विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाते हुए लोगों को यातायात नियमों की संपूर्ण जानकारी देने एवं उन्हें इन नियमों का पूर्ण रूप से अनुपालन करने के लिए प्रेरित करने की बात कही. बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के सुझाव दिए गए, जिससे सड़क हादसों में नियंत्रण लाया जा सके. उन्होंने सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार से ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति करने एवं एंबुलेंस की उपलब्धता की जानकारी ली. सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में कई नए चिकित्सकों की नियुक्ति हुई है,

जिन्हें जल्द ट्रॉमा सेंटर समेत अन्य जरूरी स्थान पर चिकित्सकों को प्रतिनियुक्त किया जाएगा. सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में कुल 26 एम्बुलेंस वर्तमान में उपलब्ध है. मरीज जरूरी सहायता हेतु 108 नंबर पर संपर्क कर एंबुलेंस सेवाओं का लाभ ले सकते हैं. बैठक में एसपी दीपक कुमार पांडेय, डीएसपी हेडक्वार्टर यशोधरा, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश, एनएचएआई कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ, पथ प्रमण्डल, मेदिनीनगर, पलामू लोकसभा क्षेत्र सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, विधायक प्रतिनिधि विश्रामपुर भोला चंद्रवंशी, विधायक प्रतिनिधि भवनाथपुर राजीव रंजन तिवारी समेत अन्य सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

विधायक भानु के प्रयास से छह पुल की स्वीकृति

केतार। भाजपा मंडल केतार ने क्षेत्रीय विधायक भानु प्रताप शाही को बधाई दिया है. मंडल अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद एवं जिला परिषद सदस्य ज्वाला प्रसाद ने संयुक्त रूप से कहा कि पुल स्वीकृत हो जाने से लोगों में काफी खुशी का माहौल है. इस पुल का लोगों द्वारा काफी वर्षों से मांग किया जा रहा था. विधायक भानु के अथक प्रयास के बाद केतार प्रखंड में पहला मोटंगवा और दूसरा चौरा पंडा नदी पर पुल की स्वीकृति बहुत कड़ी संघर्ष के बाद प्राप्त हुआ है. कहा कि विपरीत परिस्थिति में भी विधायक लगातार प्रयासों से अपने विधानसभा क्षेत्र में छह पुल की स्वीकृति दिलाया. मौके पर पूर्व मुखिया गुड्डन पासवान, उपेंद्र बैठा, अजय गुप्ता, विजय गुप्ता, जोखू राम, बीसीसी राजकुमार पासवान, रामा बैठा, प्रहलाद बैठा, उदय विश्वकर्मा आदि मौजूद थे.

कोचेडेगा पंचायत भवन में ज्ञान केंद्र का हुआ उद्घाटन

सिमडेगा। सदर प्रखंड कोचेडेगा पंचायत के पंचायत भवन में ज्ञान केंद्र लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया मौके पर कोचेडेगा पंचायत मुखिया श्री शिशिर टोप्पो ने कहा कि पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार के द्वारा हर पंचायत भवन में ज्ञान केंद्र का स्थापित होना है जिससे गांव के युवक युवती पढ़ सके और आपने आपको शिक्षित करे जब तक शिक्षा नही मिलेगा तब तक अपना और गांव का विकास नही होगा इसलिए आज कोचेडेगा पंचायत भवन में ज्ञान केंद्र स्थापित कर उसका उद्घाटन किया गया . धीरे धीरे पंचायत को मॉडल पंचायत भवन में बदलेंगे. सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे मौके उपस्थित पंचायत सचिव धनेश्वर साहू पंसस ,वार्ड सदस्य और ग्रामीण आदि उपस्थित थे.

युवा कांग्रेस ने लांच किया हर घर खटाखट कार्यक्रम की रूपरेखा

सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जनता होंगे लाभान्वित : नेसार अहमद

संवाददाता।लोहरदगा

लोहरदगा में युवा कांग्रेस का हर घर खटाखट कार्यक्रम लांच करते हुए.

कांग्रेस कार्यालय राजेन्द्र भवन लोहरदगा में युवा कांग्रेस के हर घर खटाखट कार्यक्रम को लांच किया गया. इस मौके पर जिला युवा कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष गुलाम जिलानी और विधानसभा अध्यक्ष संजर अंसारी की संयुक्त अध्यक्षता में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक सत्यव्रता दास एवं भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अभिनव भगत प्रदेश डेलिगेट नेसार अहमद की उपस्थिति थे.

कार्यक्रम को लांच करते हुए राष्ट्रीय समन्वयक सत्यव्रता दास ने कहा कि हर घर खटाखट कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को झारखंड सरकार की 10 महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी जनता को देंगे. राष्ट्रीय सचिव अभिनव भगत ने कहा कि हर घर खटाखट कार्यक्रम लांच होने से जनता को इसका लाभ की जानकारी प्राप्त होगी और उन्हें सरकार की योजनाओं से अच्छादित करने का कार्य किया जाएगा. प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद ने कहा कि झारखंड सरकार ने सर्वजन पेंशन मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना, राज्य के लोगों को 200 यूनिट बिजली फ्री, दो लाख तक कृषि ऋण माफी, अबुआ आवास योजना, सावित्री बाई फुले योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे. **लांच कार्यक्रम में इन्होंने की शिरकत :** कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हर घर खटाखट कार्यक्रम में विधानसभाध्यक्ष संजर अंसारी, उपाध्यक्ष विकास लाल नाथ सहदेव, आउटरीच सेल जिलाध्यक्ष सैफ अहमद, जिला सोशल मीडिया कॉर्डिनेटर अमस अंसारी, मनीष शर्मा, नकिब अंसारी, सुहैल अख्तर, इमरोज अंसारी, अल्ताफ राजा, नौशाद अली, राजकुमार उरांव व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

नंदनी डैम स्थित सैलानी शेड के बने एक वर्ष भी पूरे नहीं हुए हैं

नंदनी पिकनिक स्पॉट पर बने सैलानी शेड से सामानों की चोरी

संवाददाता।भंडरा/लोहरदगा

जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत में स्थित नंदनी जलाशय डैम किनारे सैलानियों के लिए बनाई गई सैलानी सेड को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने रेलिंग,छत के उपर रखी दो सिंटेक्स,बोरिंग में लगी मोटर सहित कई अन्य कीमती सामग्रियों पर हाथ साफ कर दिया. यहां पर सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक चोर घटना को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गए. इधर सुबह होने पर कुम्हरिया निवासी जाबिर अंसारी ने जब नंदनी डैम स्थित पानी टंकी में पानी चलाने के लिए गया तो देखा की रेलिंग, सिंटेक्स सहित कई अन्य सामान को चोरी कर लिया गया है.

देख-रेख नहीं होने के कारण हुई समान चोरी : भंडरा प्रखंड क्षेत्र के नंदनी डैम मशीन चालक वर्कर जाबिर अंसारी से पूछे जाने पर बताया कि सुनसान जगह होने के कारण चोरों द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है. रहीं इदरीस अंसारी ने बताया कि सरकारी भवन बने तो हैं पर देख-रेख सही तरीके से नहीं होने के कारण बार-बार इस तरह की चोरी की घटनाएं नंदनी जलाशय पर्यटन स्थल पर होते रहता है. उन्होंने बताया कि नियमित देखभाल नहीं किए जाने से चोरी को अंजाम देने में चोर गिरोह को आसानी होता होगा. सूत्रों ने बताया कि चोरों को पता था कि इस सैलानी सेड में कोई नहीं है चोरों ने छत के उपर रखी दो बड़े सिंटेक्स व मोटर एवं निचले तल्ले पर बोरिंग और स्टिल रेलिंग में बोरिंग में लगी मोटर को चोर आसानी से चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए. इधर घटना की सूचना मिलते ही तत्काल भंडरा थाना पुलिस घटनास्थल का मुआयना कर बारीकी से जांच पड़ताल में जुट गई है.

मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना मील का पत्थर: ऐनुल अंसारी

कुड़ू/लोहरदगा। कुड़ू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने सीएम हेमंत सोरेन के द्वारा बेटियों और महिलाओं केलिए मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना काफी अहम फैसला है. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस सराहनीय फैसले को स्वागत किया है और कहा है कि राज्य के बेटियों को इस योजना से अपने कैरियर निर्माण को बढ़ावा मिलेगा. साथ ही गृहणियों को इससे अपनी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी. उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस ऐतिहासिक फैसले से हर वर्ग के बहन बेटियों और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में लाभकारी सिद्ध होगा. उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने अपने चुनावी एजेंडे से हटकर नई-नई योजनाएं राज्य की जनता के हित में धरातल पर उतारकर विपक्षियों के मूंह पर ताला जड़ने का कार्य कर दिखाया है. ऐनुल अंसारी ने आगे सीएम हेमंत सोरेन की प्रशंसा करते हुए कहा कि 21 से 50 वर्ष की महिलाओं के लिए महीने में 01 हजार रुपये आर्थिक सहायता प्रदान किया जाना .

भाजपा के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी

सिमडेगा में झामुमो ने निकाला भाजपा सांसद के खिलाफ आक्रोश मार्च

आक्रोश मार्च निकालते कार्यकर्ता.

संवाददाता।सिमडेगा

झामुमो सिमडेगा जिला कमेटी ने भाजपा सांसद निशिकांत दूबे का पुतला फूंका और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. इससे पूर्व झामुमो जिला कमेटी के सदस्यों काकचहरी के पास जुटान हुआ. जिला कमेटी के नेताओं ने भाजपा के झारखंड विरोधी मानसिकता का जोरदार विरोध करते हुए, आक्रोश पूर्वक कचहरी से लेकर भट्ठी टोली तक पैदल मार्च करते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया. इस अवसर पर झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कांडूलना, जिला सचिव मो सफीक खान, केंद्रीय सदस्य मो शहीद, बिरजो कंडुलना, फिरोज अली, राकेश लकड़ा जिला कोषाध्यक्ष नोवस केरकेट्टा, जिला संगठन सचिव कल्याण मिंज, बुद्धिजीवी मोर्चा अध्यक्ष मो इरशाद, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष संजू डांग, जिला युवा मोर्चा सचिव राजेश टोप्पो, जिला किसन मोर्चा अध्यक्ष सुनील सुरीन,जिला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मो साबिर,छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष पुनीत तिर्की, व्योसाई मोर्चा अध्यक्ष मो रुफी, छात्र मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष प्रफुल कीड़ो,युवा मोर्चा कोषाध्यक्ष प्रदीप कुजूर सभी पदाधिकारी गण आदि थे.

उपलब्धि

नव निर्मित समाहरणालय भवन के निर्माण कार्य में 50 करोड़ 80 लाख रुपये हुए खर्च

नव निर्मित समाहरणालय भवन बहुत बड़ा एचीवमेंट: दिलीप टोप्पो

हुसैन अंसारी।लोहरदगा

जहां 150 रूम होंगे, डीसी, एसपी, डीडीसी के अलग-अलग कॉन्फ्रेंस हॉल होंगे

लोहरदगा नव निर्मित समाहरणालय भवन.

जिले के पूर्व उपायुक्त दिलीप कुमार टोप्पो के सार्थक प्रयासों से नव निर्मित समाहरणालय भवन जो लगभग 7 एकड़ भूमि पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है. उक्त भवन लगभग बनकर तैयार हो गया है. पूर्व डीसी दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि मेरा एक छोटा सा प्रयास आज रंग लाया लोहरदगा वासियों के लिए यह बहुत बड़ा एचीवमेंट है. उन्होंने बताया कि पुराने समाहरणालय भवन का उपरी भाग छत जर्जर हो चुकी है, नये भवन निर्माण को लेकर मेरे कार्यकाल में जमीन की तलाश की गई. तत्पश्चात बरही में जमीन मिली, लेकिन कलेक्ट्रेट भवन को इतनी दूर में बनाए जाने से कुड़ू, किस्को और पेशरार प्रखंड क्षेत्र के लोगों को काफी दिक्कत होती. इसलिए वर्तमान में बन रही नये समाहरणालय भवन की जमीन को चयनित किया गया एवं सभी विभागों को बैठक बुलाकर शीघ्र प्राक्कलन तैयार करने का निदेश दिया गया. उन्होंने बताया कि इस बीच उक्त भूमि पर संचालित विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत कराई गई और समाहरणालय भवन का निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव पारित किया गया, तब जाकर नये समाहरणालय भवन निर्माण कार्य को मूर्त रूप दिया गया. उन्होंने बताया कि नये समाहरणालय भवन में आधुनिक सुविधाएं भी बहाल किया गया है. बता दें कि नव निर्मित समाहरणालय भवन में 150 रूम होंगे. जहां पहले तल्ले पर डीसी और एसपी और दूसरे तल्ले में डीडीसी का कार्यालय होगा. साथ ही कॉन्फ्रेंस रूम भी होंगे, जहां अपना-अपना डाइनिंग रूम तथा किचन रूम भी रहेगा. उक्त बिल्डिंग का निर्माण कार्य प्रसाद कंस्ट्रक्शन कंपनी रांची द्वारा कराया गया है, यहां अद्भुत इंजीनियरिंग का कमाल है, जहां आधुनिक तकनीकी सुविधाएं लैस. इधर प्रसाद कंस्ट्रक्शन कंपनी के लोहरदगा प्रतिनिधि संतोष सिंह एवं कार्यपालक अभियंता रामपद हांसदा और कनीय अभियंता बसंत कुमार ने बताया कि समाहरणालय भवन चार तल्ला में निर्मित है, जहां नीचे प्रथम तल्ला में इलेक्शन रूम तथा कन्ट्रोल रूम, द्वितीय तल्ला में डीसी और एसपी का कार्यालय होंगे. साथ ही तीसरे तल्ले मे डीडीसी एवं अन्य विभाग होंगे तथा चौथे तल्ला में शिक्षा विभाग एवं अन्य विभाग का कार्यालय हो सकते हैं. यहां पर नीचे बिल्डिंग में जाने पर लोहरदगा पुलिस का बैरक रूम रहेगा जो सभी आने-जाने वालों की तलाशी लेने के बाद अंदर जाने की अनुमति देंगे.

झामुमो ने समाहरणालय के समक्ष भाजपा के विरुद्ध किया धरना प्रदर्शन

भाजपा के नापाक इरादों को सफल नहीं होने देंगे: मोजम्मिल

संवाददाता।लोहरदगा

समाहरणालय मैदान में झामुमो का आक्रोश धरना प्रदर्शन.

झारखंड मुक्ति मोर्चा लोहरदगा जिला समिति जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के अनर्गल बयानबाजी के विरुद्ध समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय आक्रोश धरना प्रदर्शन किया गया. यहां पर जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने आक्रोश धरना प्रदर्शन के माध्यम से भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हर नापाक इरादों को कभी भी सफल नहीं होने दिया जाएगा.झामुमो जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने कहा कि भाजपा की अनर्गल बयानबाजी से यह स्पष्ट मंशा प्रतीत होता है कि झारखंड की एकता और अखंडता को खंडित कर यहां की आपसी भाईचारा को तोड़कर लोगों को लड़वाया जाए. उन्होंने कहा विधानसभा चुनाव में भाजपा को झारखंड में एक सीट हासिल करने में पसीने छूट जाएगी. इधर कार्यक्रम को जिला सचिव अनिल उरांव, जिप सदस्य सेन्हा सह झामुमो नेत्री राधा तिर्की, झामुमो युवा जिलाध्यक्ष अजय उरांव, जिला उपाध्यक्ष अख्तर अंसारी, साकिर हुसैन अंसारी, परवेज अंसारी, शंकर उरांव ने भी संबोधित किया.

चौकीदार बहाली के तहत आयोजित की गई शारीरिक दक्षता परीक्षा का परिणाम हुआ जारी

शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल घोषित हुए 58 अभ्यर्थी

संवाददाता। रामगढ़

चौकीदार बहाली के तहत मंगलवार को हुई शारीरिक दक्षता परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है. साथ ही दौड़ में सफल सभी अभ्यर्थियों का फोटोग्राफ भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है. चौकीदार बहाली के तहत 28 जुलाई को हुई लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर कुल 248 अभ्यर्थियों का शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए चयन किया गया था, जिसमें 21 अभ्यर्थी शारीरिक जांच के दौरान अयोग्य पाए गए.

वहीं छह अभ्यर्थी दौड़ में अनुपस्थित रहे. इस तरह कुल 221 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में हिस्सा लिया, जिनमें 58 अभ्यर्थी 42 पुरुष एवं 16 महिलाएं शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल हुए. बता दें कि 28 जुलाई 2024 को हुई लिखित परीक्षा के परिणाम के संबंध में अगर किसी भी अभ्यर्थी को दावा और आपत्ति देनी हो तो उन्हें जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा पूर्व में ही सूचित गया गया है कि वैसे अभ्यर्थी 31 जुलाई संध्या 5:00 बजे तक जिला समाहरणालय अंतर्गत जिला सामान्य शाखा में आकर दावा आपत्ति दे सकते हैं. इसके लिए पूर्व में निर्धारित 500 रुपये के शुल्क को जिला प्रशासन, रामगढ़ द्वारा घटकर 200 रुपये कर दिया गया है. वहीं सभी अभ्यर्थियों को यह भी सूचित किया गया है कि अगर किसी भी अभ्यर्थी का दावा आपत्ति से संबंधित आवेदन सही पाया जाता है तो जिला प्रशासन द्वारा उनके लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन 1 अगस्त प्रातः 6:00 बजे से रजरप्पा मुख्य मार्ग फोरलेन पर आयोजित किया जाएगा.

चौकीदार बहाली के तहत शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थी.

चौकीदार बहाली परीक्षा का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

रामगढ़। चौकीदार बहाली के तहत 28 जुलाई को हुई लिखित परीक्षा के उपरांत मंगलवार को चितरपुर वाया रजरप्पा मंदिर बाईपास सड़क में आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा का उपायुक्त चंदन कुमार ने निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने शारीरिक दक्षता परीक्षा के तहत चल रहे कार्य लंबाई जांच, रेस ट्रैक आदि का जायजा लेते हुए शारीरिक दक्षता परीक्षा कार्य में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को चौकीदार बहाली के तहत निर्धारित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही उपायुक्त ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग ले रहे सभी अभ्यर्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी. मौके पर नजारत उप समाहर्ता रविंद्र कुमार गुप्ता, चितरपुर बीडीओ ज्ञानमनी एक्का, सीओ दीपक मिंज, रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय सहित कई अधिकारी मौजूद थे.

पौधे लगाएं और पेड़ों को करें संरक्षित : मुकेश कश्यप

रामगढ़। मारंगमरचा स्थित ऑक्सफोर्ड एकेडमी स्कूल परिसर में सोमवार को वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें चौथी कक्षा से लेकर नवमी कक्षा तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. इस दौरान विद्यालय के सचिव मुकेश कश्यप ने बच्चों को वनों की रक्षा एवं प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ लगाने का संदेश दिया. वहीं प्रधानाध्यापिका उमा कश्यप ने भी बच्चों को पौधों के महत्व के बारे में बताया. इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा चौथी एवं पांचवीं के बच्चों द्वारा प्राकृतिक गीत के साथ किया गया. वहीं कक्षा छठवीं के बच्चों ने "न कांटो मुझे" गाने पर नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि कक्षा आठवीं के बच्चों ने "वन सिर्फ मनुष्य की सम्पत्ति नहीं है" पर नुक्कड़ नाटक एवं नवमी के बच्चों ने "वृक्ष लगाव पर्यावरण बनाव" पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया. मौके पर शिक्षकों के अलावे बच्चे मौजूद थे.

सांसद जायसवाल ने लोस में उठाया किसानों से जुड़ा मुद्दा

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को लोकसभा में किसानों से जुड़ी समस्याओं को रखा. उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से हजारीबाग समेत झारखंड के लाखों किसानों के लिए कोल्ड स्टोरेज की उपलब्धता, उनका विस्तार और कुसुम योजना के अंतर्गत बोरिंग को भी जोड़े जाने की अति महत्वपूर्ण मांग सरकार के समक्ष रखा. कहा कि कृषि मंत्री और प्रधानमंत्री ने कृषि आधारभूत संरचना योजना के तहत देश के किसानों को बड़ी राहत दिया है लेकिन मेरा एक सुझाव है, जो कृषि मंत्री तक पहुंचाना चाहता हूं. कुछ सिलेक्टिव एरिया जैसे हमारे झारखंड में टमाटर की खेती बहुतायात होती है. विशेषकर हजारीबाग में टमाटर और धनिया की खेती बहुत होती है. टमाटर की सेल्फ लाइफ बहुत कम है. ऐसे में व्यक्तिगत किसान और किसानों के छोटे समूह को छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज का इनकॉरपोरेशन किया जाय तो किसानों को फ़ायदा होगा. साथ ही कुसुम योजना में सोलर पंप का प्रोविजन किया गया है लेकिन इसके साथ यदि बोरिंग का प्रोविजन किया जाए तो किसानों के लिए हितकर साबित होगा.

ब्रीफ खबरें

बच्चे सड़क सुरक्षा के नियमों हुए से अवगत

हजारीबाग। माउंट एगमाउंट स्कूल हज़ारीबाग में सड़क सुरक्षा टीम तथा यातायात पुलिस ने मंगलवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रावधानों से अवगत कराया गया. छात्र-छात्राओं को वीडियो के माध्यम से सड़क सुरक्षा, गुड सेमेरिटन, हिट एंड रन मामले में मुआवजा आदि के बारे में बताया गया. कार्यक्रम में शारिक इक़बाल, अरविंद कुमार,जीतेंद्र सिंह, शशिकांत तिर्की मौजूद रहे.

स्थायी वाइस चांसलर की नियुक्ति की मांग

हजारीबाग। संत विनोबा भावे विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर का पद खाली रहने की वजह से छात्र एवं छात्राओं को पठन-पाठन पूरा करने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है,.वर्तमान में संत विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर का प्रभार उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा को दिया हुआ है. बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता बटेश्वर मेहता ने राज्यपाल से मांग की है कि जल्द से जल्द विश्वविद्यालय में स्थायी वाइस चांसलर की नियुक्ति कराई जाए.

वज्रपात की चपेट में चार मवेशियों की मौत

केरेडारी। प्रखंड में मंगलवार को दोपहर बाद तीन बजे के आसपास हुई बारिश और वज्रपात के कारण चार मवेशियों की मौत हो गई. एक घटना केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के गरी कलां में हुई, जिसमें बिरजू साव के दो बैलों की मौत वज्रपात के कारण हो गई. बिरजू साव भी आंशिक रूप से वज्रपात की चपेट में आ गया. वहीं एक अन्य घटना प्रखंड क्षेत्र के ग्राम जोरदाग में घटी, जिसमें सुरेश महतो की एक गर्भवती गाय और छोटेलाल महतो की एक गाय की मौत वज्रपात से हो गई. मवेशी स्वामियों ने सीओ से आपदा प्रबंधन के तहत मुआवजा की मांग की है.

मुखिया की पहल पर कब्रिस्तान में बोरिंग

चौपारण। मुखिया संघ अध्यक्ष सह बच्छई पंचायत के मुखिया बिरेंद्र रजक की पहल पर मालिकाना के कब्रिस्तान में पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए बोरिंग कराई गई. मुखिया ने कहा कि कब्रिस्तान में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने के कारण मुस्लिम समुदाय के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था. लोगों ने कई बार स्थानीय विधायक एवं पूर्व सांसद से भी कब्रिस्तान में बोरिंग कराने का आग्रह किया था, परंतु इस पर कोई पहल नहीं हुई.

नूतन नगर बाईपास में नाली का निर्माण कार्य तीन महीने से बंद

नाली निर्माण को अधूरा छोड़ फरार हुआ ठेकेदार

खास बातें

- सड़क पर जमा गंदे पानी से हो लोग करते हैं आना-जाना
- नाके पर नाक बंद कर ड्यूटी करने को मजबूर जवान

प्रमोद उपाध्याय /रंजना कुमारी। हजारीबाग

नगर को स्वच्छ रखने के लिए जहां सरकार तरह-तरह की मुहिम चला रही है, वहीं बीएसएफ, सीआरपीएफ झारखंड पुलिस के अलावे स्कूल, जिला प्रशासन, समाजसेवी इस दिशा में उल्लेखनीय काम रहे हैं. इससे धीरे-धीरे आम लोग भी जागरूक होने लगे हैं और जिले को स्वच्छ रखने में सहयोग कर रहे हैं. वहीं नगर निगम की ओर से लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद शहर के अपार्टमेंटों की नालियां सड़क पर बह रही हैं, जिससे राहगीरों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

नूतन नगर स्थित बाईपास नगर निगम में आता है. इस सड़क के किनारे नगर निगम द्वारा बनाई जा रही नाली तीन महीना से अधूरी है, जबकि इसी नाली के बगल में बड़े-बड़े अपार्टमेंट बने हुए हैं, जिनका पूरा गंदा पानी और मलबा सड़क पर बह रहा है और इसी को लांघ कर लोग आवाजाही कर रहे हैं. इसको लेकर मोहल्लावासी काफी परेशान हैं. बताते चलें कि यह सड़क धनबाद रोड से शहर की तरफ से जाती है. इसी सड़क से आसपास के लोग शहर में प्रवेश करते हैं. आम लोगों की सुरक्षा को देखते हुए वहां झारखंड पुलिस का चेक नाका भी लगाया गया है, एक जवान को तैनात किया गया है. लेकिन उस स्थान पर ड्यूटी करने वाला जवान काफी परेशान है. वह नाली के बदबूदार पानी के कारण नाक पर रूमाल रखकर ड्यूटी करने को मजबूर है.

अधूरा पड़ा नाली का निर्माण कार्य और गंदे और बदबूदार पानी से होकर गुजरने को मजबूर एक महिला.

नाक पर रूमाल रखकर ड्यूटी करने को मजबूर जवान

इस संबंध में नूतन नगर बाईपास के पास ड्यूटी पर तैनात जवान महेंद्र कुमार ने बताया कि आठ घंटे की ड्यूटी है और उस स्थान पर अपार्टमेंट का पूरा गंदा पानी और मलबा सड़क पर आ रहा है, जिसके बदबू से आसपास के लोग भी परेशान हैं. यही कारण है कि उसे नाक पर रूमाल रखकर ड्यूटी करना पड़ रहा है. वहीं कॉलोनी में रहने वाले महेंद्र कुमार, रेखा देवी ने बताया कि नगर निगम द्वारा नाली का निर्माण किया जा रहा है, जिसको बाईपास होते हुए

सुरक्षित स्थान पर ले जाना है, लेकिन ठेकेदार तीन महीने पहले आधी अधूरी नाली बनाकर भाग गया है. सड़क किनारे कई बड़े अपार्टमेंट हैं और उनकी पूरी गंदगी सड़क पर बह रही है. ऐसे में लोगों को मजबूर होकर गंदे पानी में पैर रखकर आना-जाना पड़ता है. लोगों ने यह भी बताया कि नगर निगम को इसका संज्ञान लेना चाहिए और अगर ठेकेदार काम नहीं करवा पा रहा है तो नगर निगम का यह दायित्व बनता था कि उस नाली पूरा करे ताकि आम लोगों को परेशानी नहीं हो और बरसात में बीमारी के खतरे से भी बचा जा सके. इस संबंध में नगर सहायक आयुक्त ने पूछे जाने पर कहा कि इसकी जानकारी मुझे नहीं है. पता करवा कर मामले को संज्ञान में लिया जाएगा.

डीएवी बरकाकाना में हुई अंतर सदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

संवाददाता। रामगढ़

डीएवी स्कूल बरकाकाना में अंतर सदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसका संचालन वीणा सिंह ने किया. प्रमिला सिंह, एएनबी तिर्की और पारितोष बर्णवाल ने सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. प्रतियोगिता में परशुराम सदन 150 अंक के साथ प्रथम स्थान पर रही, जबकि द्रोण सदन ने 107 अंक लेकर दूसरा स्थान हासिल किया. अगस्त्य सदन 41 अंक के साथ तृतीय और वशिष्ठ सदन 30 अंक लेकर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया. प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने कहा कि बच्चों को

प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे.

पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की भी जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे विश्व के विकास में योगदान कर सकें. डीएवी बरकाकाना बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, और खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित करता है, ताकि वे वेद के रास्तों पर चलते हुए विज्ञान, संस्कृति, और समाज की जानकारी से परिपूर्ण हो सकें.

मानव जीवन की रक्षा के लिए जरूरी है पौधरोपण

रामगढ़। मुस्कुराहटें संस्था की ओर से सुकरीगढ़ा स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रांगण में मंगलवार को वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष विवेकानंद वर्मा उपस्थित थे. उन्होंने 50 फलदार एवं छायेदार पौधों का रोपण एवं वितरण किया. मौके पर विवेकानंद वर्मा ने कहा कि मानव जीवन के संरक्षण में पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है. सभी लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगा कर उसे संरक्षित करना चाहिए. हमारी संस्था विगत सात वर्षों से पौधरोपण करते हुए लोगों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक कर रही है. कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय की प्रभारी मंजुषा क्लेमी खलखो ने संस्था के प्रति धन्यवाद प्रकट किया.

झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ की हड़ताल 9वें दिन भी रही जारी

मांग पूरी होने तक करेंगे आंदोलन

संवाददाता। रामगढ़

17 साल तक मनरेगा कर्मियों ने हर स्तर पर जी-तोड़ मेहनत की. सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने में खुद को झोंक दिया. बावजूद इसके सरकार मनरेगा कर्मियों की अनदेखा कर रही है. ये बातें झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के रामगढ़ जिला सचिव कुमार विवेक ने कहीं. उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मनरेगा कर्मियों की मांग को जायज बता रहे थे, इसे लागू करने की बात कर रहे थे. लेकिन साढ़े चार साल से अधिक वक्त गुजर जाने के बाद भी सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं कर रही है, हमें अनदेखा किया जा रहा है. रामगढ़ जिले के मनरेगा कर्मियों की हड़ताल के कारण विकास की कई योजनाएं ठप हैं. अबुआ आवास निर्माण की गति पर ब्रेक लग गया है. सरकार वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है, लेकिन मनरेगा कर्मियों की मांग पर ध्यान नहीं दे रही है. उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती, हड़ताल जारी रहेगी. मौके पर दीपक कुमार गुप्ता, शत्रुधन सिन्हा, प्रसादी महतो, विजय कुमार, सुनील कुमार, ललीत कुमार, सूरज राम दांगी, आरिफ अंसारी, विनय प्रकाश, महेंद्र नायक, संगीता बेदिया, बिनोद कुमार, विजय कुमार, रूपेश कुमार, दिलदार महतो, शिव शंकर, रणजीत आदि मौजूद थे.

मनरेगा कर्मियों के पिछले नौ दिन से लगातार हड़ताल पर रहने की वजह से कई योजनाओं के काम प्रभावित हो गये हैं. बिरसा हरित ग्राम, पशु शेड योजना, कूप निर्माण, मिट्टी खुदाई सहित सारे कामकाज प्रभावित हो रहे हैं. मजदूरों का पेमेंट भी फंस रहा है.

मांग पूरी कराने के लिए धरने पर बैठे मनरेगा कर्मी.

नागीटांड़ के प्रवासी मजदूर का शव छह दिन बाद भी नहीं आया

शोकाकुल परिवार से मुलाकात करते भाजपा नेता चंद्रनाथ भाई पटेल.

संवाददाता। विष्णुगढ़

झारखंडवासी सरकारी नीतियों के कारण संपन्न राज्य होने के बावजूद विपन्नता झेलने के लिए अभिशप्त हैं. यहां के युवा रोजगार नहीं मिलने के कारण पलायन करने को विवश हैं. शोकाकुल परिवार से मिलने प्रखंड अंतर्गत बलकमक्का के नागीटांड़ पहुंचे अधिवक्ता सह भाजपा नेता चंद्रनाथ भाई पटेल ने उपरोक्त बातें कही. बता दें कि नागीटांड़ के प्रवासी मजदूर नारायण महतो की मौत बेंगलुरु में हो गयी है. मौत की वजह अबतक साफ नहीं है. बीती 24 जुलाई से उनका पार्थिव शरीर बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में पड़ा हुआ है. नारायण पिछले चार वर्षों से वहां एक कंपनी में कार्यरत था. घर वाले शव को पैतृक गांव भेजवाने की गुहार कंपनी से लगा रहे हैं. भाजपा नेता पटेल ने इस संबंध में जब कंपनी के साइट इंचार्ज से बात की तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला. घटना के संदर्भ में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई.

कांग्रेस का मिलन समारोह सह बूथ कमेटी का पुनर्गठन कार्यक्रम संपन्न

बचरा पंचायत में आजसू को झटका

संवाददाता। हजारीबाग

पिपरवार- पिपरवार क्षेत्र के बचरा में कांग्रेस पार्टी का मिलन समारोह सह बूथ कमेटी पुनर्गठन कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुआ. इसमें बतौर मुख्य अतिथि इंटक प्रदेश सचिव सह विधायक अंबा प्रसाद के भाई अंकित राज शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता पिपरवार क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता ने की. इस दौरान बचरा के आजसू पंचायत अध्यक्ष किशनदेव सिंह ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा. उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी परिवारवाद व जातिवाद की पार्टी है. दिन-ब-दिन आजसू के कार्यकर्ताओं का पार्टी से मोह भंग हो रहा है. आने वाले दिनों में और भी लोग आजसू की सदस्यता छोड़ेंगे. वहीं अंकित राज ने कहा कि संगठन के माध्यम से विकास कार्यों को धरातल पर उतारने का कार्य किया जा रहा है. इसी कड़ी में बूथ कमेटी का पुनर्गठन किया गया है. वहीं विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिपरवार क्षेत्र की सभी पंचायतों में सर्वांगीण विकास हुआ है.

कांग्रेस के मिलन समारोह सह बूथ कमेटी पुनर्गठन कार्यक्रम में मौजूद नेता.

चूल्हा प्रमुखों को चुनाव तैयारियों में जुटने का निर्देश

रामगढ़। सेवई उत्तरी पंचायत में मंगलवार को आजसू की बैठक हुई. इसमें मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर नायक मौजूद थे. इस दौरान उन्होंने सभी चूल्हा प्रमुखों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का निर्देश दिया. मौके पर उन्होंने कहा कि सेवई उत्तरी पंचायत में आजसू पार्टी को सशक्त बनाया जाएगा ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में रामगढ़ वमें दोबारा आजसू की जीत हो सके. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष भानुप्रकाश महतो ने की, जबकि संचालन प्रयाग मांझी ने किया.

बैठक में महिला मोर्चा की पंचायत कमिटी का गठन

संवाददाता। केरेडारी

बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का बैठक किचटो बन्हे हाई स्कूल में हुई. इसमें महिला मोर्चा की पंचायत कमिटी गठित करने का निर्णय लिया गया. इसकी अध्यक्षता किचटो मुखिया संगीता देवी ने की और संचालन रूपलाल महतो ने किया. इसमें अध्यक्ष करुण ज्योति तिर्की, उपाध्यक्ष कंचन देवी, उर्मिला देवी सचिव, बबिता देवी उपसचिव, सोनी देवी कोषाध्यक्ष, काजल देवी मीडिया प्रभारी, द्रोपती देवी प्रवक्ता, विद्या कुमारी, अंकिता कुमारी संगठन मंत्री, संगठन सचिव देवती देवी व चिंता देवी को सर्व सहमति से चुना गया. मौके पर केंद्रीय संगठन सचिव विकाश महतो, केंद्रीय संगठन मंत्री राज किशोर चौधरी प्रखंड अध्यक्ष संतोष महतो, अनिल मुंडा, राजेश साव, आंगद महतो, राम कुमार महतो, राजेश उरांव, गणेश महतो, नरेश महतो, विजय महतो, राजेश्वर महतो, अजीत उरांव, वीरेंद्र किस्पोट्टा, कामेश्वर् गंझू, करुणा ज्योति तिर्की, सोनी देवी, इन्ना कुमारी, काजल कुमारी, कंचन देवी, देवंती देवी, सुनीता देवी, मलती देवी, सीमा देवी, उर्मिला देवी, क्रांति पटेल, सुराजमानी, पिंटू महतो, सहदेव, प्रकाश महतो, प्रेम लकडा, यदुनाथ महतो, टिकेश्वर् महतो, अनुज महतो, कालेश्वर् महतो, दीपक महतो, दिनेश महतो, अनिल महतो, देवनाथ महतो, सुकर तना भगत, मनोज महतो, संगीता देवी, द्रोपती देवी, बबिता देवी, मनसो देवी, सुनीता देवी, सहोदारी देवी, तालेश्वर् गंझू, महेंद्र गंझू, पवन महतो, गोविंद उरांव, विकाश महतो, प्रियंका देवी, चिंता देवी, मुंशी तना भगत, बिराज तना भगत आदि उपस्थित थे.

नाराजगी अंतर्राज्यीय बस अड्डे के निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन के रेट का मामला

मुआवजा भुगतान नोटिस पर रैयतों ने जताई आपत्ति

संवाददाता। हजारीबाग

अंतर्राज्यीय बस अड्डा निर्माण के लिए भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारा जारी मुआवजा भुगतान नोटिस पर रैयतों ने आपत्ति जताई है. इस संबंध में सभी रैयातों ने अवर सचिव रांची, हजारीबाग सांसद, उपायुक्त हजारीबाग, अपर समरहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भू अर्जन पदाधिकारी को पत्र लिखकर उक्त भूमि अधिग्रहण का भुगतान 30 लाख रुपये प्रति कट्ठा की दर से करने की मांग की है. अंतर्राज्यीय बस अड्डा के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के संबंध में रैयतों को नोटिस भेजा गया है. उक्त मामले में अंचल सदर हजारीबाग की कुल जमा 8.10 एकड़ है. भू-अर्जन पदाधिकारी के द्वारा मुआवजा भुगतान प्राप्त करने के दबाव से रैयतों में घोर विरोध एवं असंतोष व्याप्त है. ज्ञात हो कि कुद नं० 1 हजारीबाग शहर के चौहदी बिल्कुल सटा हुआ मौजा है, जहां हजारीबाग रेलवे जंक्शन अवस्थित है. साथ ही हजारीबाग चतरा एनएच 100 पर अवस्थित है. कुद नु० 1 की जमीन आवासीय और बहुमूल्य है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य तीस लाख रुपये प्रति कट्ठा है. आवेदन में भू-अर्जन वाद के व्ययगत अभिलेख के आधार पर मुआवजा भुगतान नोटिस निरस्त करने की मांग की है.

प्रभावित रैयतों ने सांसद व विभिन्न अधिकारियों को आवेदन दिया है.

क्या है नया भू-अर्जन अधिनियम

बता दें कि 1 जनवरी 2014 से परे देश में नये भू-अर्जन अधिनियम प्रवृत हो गया है. उक्त अधिनियम की धारा 24 (2) में स्पष्ट प्रावधान है कि अधिनियम की लागू होने की तिथि से 5 वर्ष पूर्व या इससे पूर्व के भू-अधिग्रहण मामलों में यदि भूमि अधिग्रहण के 5 वर्ष के अंदर अध्याची विभाग द्वारा भूमि का उपयोग नहीं किया गया हो या मुआवजा राशि भू-स्वामी को प्रदान ना की गई हो तो वैसी स्थिति में अधिग्रहण अवैध माना जायेगा.

भुगतान नोटिस में गलत दर्शाया

भुगतान नोटिस में यह गलत दर्शाया गया है कि 6 मई 2013 एवं 15 जून 2015, 28 अगस्त 2015 को अर्जित जमीन का मुआवजा भुगतान का नोटिस दिया गया था. रैयतों का कहना है कि भू-अर्जन अधिनियम के दफा 24 (2) के तहत अधिग्रहण की अभिलेख व्ययगत हो गया है. इसके बावजूद पुराने अधीनस्थ अधिनियम 1894 के तहत मुआवजा प्राप्ति हेतु जबरन नोटिस दिया गया है. अग्रसर कार्रवाई की धमकी दी जा रही है.

स्वच्छ व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए संस्थाएं आगे आएं : उपायुक्त

नशामुक्ति जागरूकता वाहन रवाना

संवाददाता। हजारीबाग

सद्भावना विकास मंच एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में जिला समाहरणालय भवन परिसर से मंगलवार को नशा उन्मूलन हेतु दो जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह तथा सद्भावना विकास मंच के सदस्यों के सामूहिक प्रयास से नशा उन्मूलन अभियान की शुरुआत की गई है.

यह अभियान निरंतर 14 अगस्त तक चलाया जाएगा, जिसमें हजारीबाग के प्रत्येक मोहल्ले, कस्बे, गांव और गलियों में नशा उन्मूलन को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा. उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सद्भावना विकास मंच के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए इसे एक सराहनीय पहल बताया. उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सभी संस्थाओं को एक सकारात्मक उद्देश्य के लिए आगे आना चाहिए. नशा एक अभिशाप है जिसे जड़ से खत्म किया जाना चाहिए. मौके पर विकास मंच के अध्यक्ष इरफान अहमद उर्फ काजू, उपाध्यक्ष दीपक कुमार, नौशाद, महताब आलम, जेपी जैन, मकसीर आलम, परवेज, सोहेल खान, शोएब मुस्तर, शिवली अहमद, मोहम्मद शाहिद, अली खान, सरफराज, कमरुद्दीन, रोशन, सुनील गुप्ता, सोहेल अहमद इत्यादि मौजूद रहे.

नशामुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाते अधिकारी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — गुरु मंगल के साथ चंद्रमा उच्च के हैं. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. मंदिर में घी का दीपक दिखावें.

वृषभ — बाहरी लोगों से पूछ परख बढेगी. पर रोग पर या गलत जगह खर्च होगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी.

मिथुन — खर्च अधिक होगा पर आय के लिए दिन उत्तम है. दिखावा में ज्यादा खर्च हो सकता है. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आय होगी.

कर्क — किसी पुराने मित्र से मुलाकात से मन प्रसन्न होगा. आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह — पिता से लाभ का योग है. नए कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे.

कन्या — धर्म में मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा. मेहंदी का दान करें.

तुला — मानसिक तनाव होगा. आपके कार्यों के कारण कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

वृश्चिक — व्यापारिक मित्र या पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु — समय सामान्य है. नेत्र रोग या रक्त संबंधित बाधा से बचे. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा.

मकर — संतान की देखभाल करें. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ — कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. चोट व रोग से बचें. काला वस्तु का दान करें.

मीन — भाई बहन से मतभेद हो सकता है. जुबान पर कन्ट्रोल रखना आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नहीं करे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा.

ग्रामीणों को दी योजनाओं की जानकारी

लातेहार। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वाधान में लातेहार प्रखंड के तरवाडीह ग्राम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप, लातेहार के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक एवं गीत संगीत के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वास से दूर रहने का अपील की. संस्था के कलाकारों ने नाटक के माध्यम से बताया कि सरकार के द्वारा समाज के तबके के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है. मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष से कम आयु की महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रूपये दी जायेगी.उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है. आगे बताया कि सरकार ने हड़िया एवं दारू बेचने वाले महिलाओं के लिए फूलों झानो आशीर्वाद योजना लाई है. इसके अलावा उन्होंने पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार योजना, मुख्यमंत्री हरित योजना आदि की जानकारी.

सुल्लतानगंज में कांवरिया की मौत

सगमा (गढ़वा)। धुरकी थाना क्षेत्र के शारदा गांव निवासी 55 वर्षीय बच्चन पासवान अपने गांव से तीन दिन पूर्व ग्यारह सदस्यों के साथ बाबा धाम के लिए निकला था. इस क्रम में बीते सोमवार की अहले सुबह जल भरने के पूर्व सीढ़ी पर अपने सहयोगियों के साथ स्नान कर रहा था कि अचानक गिर गया. जिससे उसके सर में गंभीर चोट आयी. स्थानीय प्रशासन तथा सहयोगियों की मदद से रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज में भर्ती कराया. जहां चिकित्सकों ने बच्चन पासवान को मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर दूरभाष के माध्यम से इनके स्वजन को दिया गया. इस घटना के बाद साथ में निकले बाबा धाम जाने वालो साथियों ने बीच रास्ते से ही मृतक का शव लेकर निवास स्थान शारदा गांव मंगलवार लौट गए और मृतक का शव स्वजनों को सुपुर्द कर दिया. शव के देखते ही पूरे घर में कोहराम मच गया. सूचना मिलते ही मृतक के घर सांत्वना देने पहुंची पंचायत के मुखिया कलावती देवी ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि मृतक मेहनत मजदूरी कर पूरे घर का भरण पोषण करता था. मुझे इसके लिए भारी दुख है.

विधानसभा चुनाव : लोकसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद भाजपा आलाकमान के निर्णय पर टिकी है अर्जुन मुंडा की नजर

खरसावां विस से अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा लड़ सकती हैं चुनाव

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव होने में अब कुछ ही महीने शेष बचे हैं. इसको लेकर राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की भी गतिविधियां तेज हो गयी हैं. खूंटी लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की करारी हार के बाद राजनीतिक गलियारों में इस बात के कयास लगने शुरू हो गये हैं कि भाजपा, अर्जुन मुंडा को विस चुनाव में उतार सकती है.

गौरतलब है कि हाल के लोस चुनाव में राज्य की सभी पांच आदिवासी आरक्षित सीटों पर भाजपा को मुंह की खानी पड़ी थी. इससे सबक लेते हुए भाजपा आगामी विस चुनाव में पार्टी के

दिग्गज आदिवासी नेताओं को मैदान में उतारने की रणनीति बना रही है. इसके अनुसार, विस चुनाव में अर्जुन मुंडा के अलावा सुदर्शन भगत, अरुण उरांव और गीता कोड़ा को पार्टी उम्मीदवार बना सकती है. हालांकि, अर्जुन मुंडा अपने गृह विस इलाके में अपने करीबियों को कह चुके हैं कि पार्टी जो जिम्मेवारी देगी, उसे पूरा करेंगे. लेकिन टिकट नहीं मांगेंगे.

अर्जुन आजमा सकते हैं किस्मतः मुंडा को इस बात का भी डर है कि कहीं लोस चुनाव की तरह ही विस चुनाव में भी परिस्थिति अनुकूल नहीं बनी, तो उनके राजनीतिक भविष्य पर बड़ा डेंट लगेगा. ऐसे में मीरा को खरसावां विस से चुनाव लड़वाया जा सकता है. दूसरी ओर अगर अर्जुन विस का चुनाव लड़ेंगे, तो उनकी प्रथामिकता सरायकेसा विस हो सकती है.

कुर्मी वोटरों की नाराजगी बढ़ा सकती हैं मुश्किलें

लोकसभा चुनाव के पूर्व भाजपा के सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष विजय महतो के हटाये जाने का असर भी लोकसभा चुनाव में पड़ा था. विजय महतो कुर्मी समुदाय से आते हैं. जिले में कुर्मी वोटरों की सख्या 55000 से अधिक है. महतो वोटरों के बिखराव के कारण लोकसभा चुनाव में खरसांवा विधानसभा से भाजपा पिछड़ गयी थी. वहां के दर्जनों कुर्मी बहुल बूथों में भाजपा 100 वोट भी नहीं ला सकी थी. वहीं, चार बूथों में 10 का आकड़ा भी पार नहीं कर सकी थी.

खरसावां से कौन-कौन संभावित उम्मीदवार

खरसावां विस सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए प्रमुख तौर पर तीन उम्मीदवारों के नाम की चर्चा तेज हैं. इनमें मीरा मुंडा. मीरा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में रह चुकी हैं. अर्जुन मुंडा के चुनाव नहीं लड़ने की सूरत में पार्टी मीरा मुंडा को आगे ला सकती है. वहीं दूसरे दावेदारों में भाजपा एसटी मोर्चा के कोषाध्यक्ष गणेश महली हैं. वह खरसावां विस क्षेत्र के प्रमुख और सक्रिय भाजपा नेताओं में गिने जाते है. वहीं, पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय भी टिकट के दावेदारों में से एक हैं.

मुंडा ने कहा है-पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय

भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव कहते है अर्जुन मुंडा से उनके चुनाव लड़ने को लेकर कई बार बात की. उन्होंने साफ कहा है कि पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय है. वे खुद टिकट की मांग नहीं करेंगे. वहीं, दूसरे दावेदारों के संबंध में कहा की पार्टी जिसे टिकट देगी, उसके लिए पूरा संगठन काम करेगा. पार्टी में कई नेता हैं, जिनमें मीरा मुंडा, जंयती सोय, मंगल सिंह मुंडा, लाल सिंह मुंडा आदि का नाम शामिल है, लेकिन किसी ने भी अब तक टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं की है.

मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

लाभुकों के चयन को लेकर तीन से पंचायतों में लगेगा शिविर

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जानी है. प्रत्येक माह की 15 तारीख तक सरकार बहनों के एकल लिंक्ड बैंक खाते में राशि क्रेडिट करेगी. यह सरकार की बेहद ही महत्वाकांक्षी योजना है . पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी लाभुक इस योजना के लाभ से वंचित न रह पाये. यह निर्देश उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठक में सभी पदाधिकारियों को दिया.

उपायुक्त ने कहा कि योजना से लाभुकों को जोड़ने के लिए आगामी 3 से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन होना है. शिविरों के सफल संचालन के लिए सभी जरूरी कार्य समय पर निष्पादित और योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा विक्रम आनंद ने कहा कि योजना के लिए आंगनबाड़ी के माध्यम से निःशुल्क आवेदन पत्र उपलब्ध कराया जाएगा. इसका वितरण, जमा करने एवं स्वीकृति तक की सारी कार्रवाई निःशुल्क होगी. आंगनबाड़ी सहायिका,सेविका अपने-अपने क्षेत्र के घर-घर जाकर 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को चिन्हित कर आवेदन उपलब्ध करायेंगी .

लाभुकों को आवेदन जमा करने के लिए पंचायतों में लगने वाले शिविर में आना होगा. आवेदनों को पोर्टल में इंट्री करने के लिए वीएलई रहेंगे. आवेदन की स्वीकृति पदाधिकारी के रूप में अधिकृत बीडीओ/सीओ आवेदनों का सत्यापन तीन दिनों के अंदर करके स्वीकृति प्रदान करेंगे.

लाभुकों के लिए पात्रता को सरल रखा गया है. आवेदिका झारखंड की निवासी हों . उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम हो. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता हो. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसम्बर 2024 तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो. आवेदिका का परिवार झारखण्ड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/हरा रंग का पृथक राशन कार्डधारी हो.

डीसी गरिमा सिंह ने पांच जागरूकता रथ रवाना किये

कार्यशाला भी आयोजित किया गया

लातेहार। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय परिसर से पांच रथ रवाना किया गया. उपायुक्त गरिमा सिंह, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया. इस जागरूकता रथ के माध्यम से जिला में योजना का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा. उपायुक्त ने कहा कि यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है. राज्य सरकार द्वारा 21-50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रत्येक माह एक हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. आवेदिका झारखंड की निवासी होनी चाहिए और उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम होनी होनी चाहिए. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता होना आवश्यक है. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसंबर तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो.आवेदिका का परिवार झारखंड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/ हरा रंग का पृथक राशन कार्ड धारी होना चाहिए. इससे पहले समाहरणालय के सभागार में इस योजना को ले कर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका उदघाटन उपायुक्त ने दीप जला कर किया.

अवैध खनन के कारण कई पहाड़ों का अस्तित्व खतर में

विशेष संवाददाता। रांची

अवैध खनन के कारण राजधानी रांची समेत कई पुराने एवं ऐतिहासिक पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है. यह सवाल भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने सदन में अल्पसूचित प्रश्न में उठाया. उन्होंने मामले को उठाते हुए कहा कि संथाल के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, राजधानी रांची, रामगढ़ और पलामू सहित झारखंड के अधिकत्तर जिलों में साढ़े चार साल से अवैध खनन जारी है. इसके कारण इन पहाड़ों का अस्तित्व खत्म सा हो गया है. इन पहाड़ो की जगह अब बड़े-बड़े गढ्ढे बचे हैं. विधायक ने जानना चाहा कि क्या सरकार व्यापक स्तर पर जनहित में ऐसे पहाड़ों को अवैध खनन और परिवहन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पत्थर माफियाओं और इसमें संलिप्त पदाधिकारियों के विरूद्ध कठोर कारवाई करेगी.

इन पहाड़ों का अस्तित्व हो चुका है खत्म

विधायक ने बताया कि साहिबगंज का नींबू पहाड़, रांची का नामकुम राजाउलातु, उनीडीह, महादेव टोली पहाड़, बजरा पहाड़, ओरमांझी-रामगढ़ रोड स्थित चुटूपालू घाटी के खिराबेड़ा पहाड़, बहरागोड़ा का ज्योति पहाड़ आदि शामिल हैं. यहां से अरबों रूपए के पत्थर-स्टोन चिप्स की सरकारी झारखंड के विभिन्न जिलों सहित पड़ोसी राज्यों में की गयी तथा अब इन पहाड़ों के गायब होने पर पहाड़ों की उक्त खाली जमीन को समतल कर कई लोग अवेध कब्जा कर घर और कॉलोनियां बना रहे हैं. सरकार की ओर जवाब दिया गया कि राज्य में पत्थर सहित सभी खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला स्तर पर खनन टॉस्क फोर्स गठित है.

दबंगों की ग्रामीणों ने की पिटाई रास्ता रोके जाने से बढ़ा विवाद

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत में मध्य विद्यालय, गनियारी के रास्ते को गांव के ही कुछ दबंगों ने मिलकर गड्ढा खोदकर बंद करने का प्रयास किया. इस घटना से गांव के लोगों में आक्रोशित हो गये. ग्रामीण विद्यालय स्थल पर जमा होने लगे. ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन गैर मजरूआ भूमि है. इसे हम लोग विद्यालय के बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाना चाहते हैं. जबकि गांव के दबंग किस्म के लोग जमीन को अपने निजी उपयोग में लेना चाहते हैं. इसी मुद्दे पर सोमवार की देर शाम विवाद बढ़ा. इसके बाद ग्रामीणों ने कुछ दबंगों की पीटायी कर दी. मंगलवार को गांव के ग्रामीण विद्यालय परिसर में बैठक कर उपयुक्त लातेहार के नाम एक ज्ञापन देने का निर्णय लिया. विद्यालय प्रबंधन समिति को भी इस घटना का लिखित शिकायत की गयी है ताकि विभाग के अधिकारियों को सूचित किया जा सके.

डीसी ने जनता दरबार में सुनी शिकायतें

लातेहार । समाहरणालय में आयोजित मंगलवारीय जनता दरबार में उपायुक्त गरिमा सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं उसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आये ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त ने क्रमवार तरीके से सभी की शिकायतों को सुना और शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया. जनता दरबार में कुल 19 आवेदन प्राप्त हुए. इनमें मुआवजा, नियोजन, जमीन रसीद, वृद्ध पेंशन, अबुआ आवास, ग्रीन कार्ड और पीला कार्ड आदि से संबंधित आवेदन शामिल थे. उपायुक्त ने आवेदनों को संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया. उन्होने कहा कि जनता दरबार में आये मामलों को अधिकारी गंभीरता से ले और प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निष्पादन करें.

रेल जीएम ने पत्रकारों को किया संबोधित, बोले-

घटना में आठ लोग घायल हो गए हैं रेलवे अस्पताल में 23 लोग इलाजरत

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां व बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के समीप पोटोबेड़ा गांव के समीप मंगलवार सुबह लगभग 3.45 बजे 12810 हावड़ा-मुंबई मेल ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इसके बाद दोपहर लगभग 12.30 बजे दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि घटना में दो लोग मारे गये हैं, जबकि आठ लोगों को हल्की चोटें आयी हैं, लेकिन स्थिति कुछ और थी. इस घटना के बाद चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में ही 23 घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया. इसमें अधिकांश यात्री हावड़ा से मुंबई के लिए यात्रा कर रहे थे. रेल जीएम के पत्रकारों को दिया गया बयान चर्चा का विषय बना रहा.

रेलवे अस्पताल में इलाजरत घायलों की सूची : ट्रेन दुर्घटना के बाद घायल यात्रियों को इलाज के लिए चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सभी घायलों को एम्बुलेंस व रिलिफ ट्रेन से चक्रधरपुर लाया गया था. इसमें चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में इलाजरत घायलों में 52 वर्षीय निमाय प्रमाणिक, 40 वर्षीय राजू शेख, 66 वर्षीय बादल कुमार दास, 47 वर्षीय रश्मि बन्सोल, 36 वर्षीय प्रदीप अग्रवाल, 67 वर्षीय आशा कराकर, 23 वर्षीय सुमन देवनाथ, 34 वर्षीय साहेब आलम, 36 वर्षीय सुजय दास, 29 वर्षीय हारुल शेख, 50 वर्षीय नसीमउद्दीन हक, 57 वर्षीय सबिता दास, 55 वर्षीय एके अनिल, 41 वर्षीय कमलेश साव, 40 वर्षीय आफताब अंसारी, 34 वर्षीय कमल किशोर होरो, 35 वर्षीय अंशु राज पासवान, 49 वर्षीय सरस्वती मंडल, 54 वर्षीय सुभाशीष मंडल, 48 वर्षीय मुकनंता पांडेय, 32 वर्षीय प्रसन्नजीत दत्ता, 43 वर्षीय विश्वनाथ मैती शामिल हैं. सभी घायलों के सिर व शरीर के अन्य हिस्से में चोटें पहुंची हैं.

ज्योति आईटीआई में टाटा मोटर्स ने किया अप्रेंटशिप का आयोजन

मेदिनीनगर । कांदू मोहल्ला स्थित ज्योति आईटीआई में देश की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स जमशेदपुर ने अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया. साक्षात्कार में आईटीआई उत्तीर्ण पलामू प्रमंडल व निकटवर्ती कई जिलों के लगभग 400 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 120 प्रशिक्षणार्थियों का टाटा मोटर्स जमशेदपुर में अप्रेंटिसशिप के लिए चयन किया गया. कंपनी के साक्षात्कार अधिकारियों ने ज्योति आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों और संस्थान के अनुदेशक गण की सराहना करते हुए कहा कि यहां के अनुशासन, कार्य व्यवस्था और पूरे संस्थान का मैनेजमेंट बहुत ही सराहनीय है. यहां के प्रशिक्षणार्थियों की जानकारी और गुणवत्ता इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के लिए अति उत्तम है. मौके पर संस्थान के सचिव ज्योति पांडे ने बताया कि अप्रेंटिसशिप बच्चों को जीवन की वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है.

सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल है जारी है : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की झामुमो कांग्रेस सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल बड़े पैमाने पर जारी है. सरकार चुप है, प्रशासन मौन धारण किए हुए है, जनता परेशान है और झारखंड में मतांतरण को रोकने का नहीं कोई समाधान है. जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार में मतांतरण के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं. झारखंड में जबरन धर्म परिवर्तन कराना एक प्रथा बन गई है. वोटबैंक की राजनीति करने के लिए एक खास समुदाय को हेमंत सरकार ने हिम्मत दे रखी है, डराने की, धमकाने की और जान लेने की.

घर में घुसकर महिला से की जा रही छेड़छाड़ : मरांडी ने कहा कि धनवार प्रखंड के गुआखंडहर ग्राम से ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां विकास रविदास और उनकी पत्नी को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया जा रहा है. मना करने पर राज्य सरकार के संरक्षण में पल रहे गुंडों द्वारा घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ की जा रही है,जातिसूचक गलियां दी जा रही है तथा धमकी दी जा रही है कि तुमलोग इस्लाम कुबूल नहीं करोगे तो जान से मारकर, तुम्हारे बच्चों को इस्लाम कुबूल करवाएंगे. पहले आदिवासी परिवार की महिलाओं से जबरन शादी और फिर धर्म परिवर्तन कराया गया, मना करने पर हत्या कर टुकड़े टुकड़े करके फेंका गया, अब दलित परिवारों के साथ भी यही हो रहा है। वोटबैंक की राजनीति करने वाली इस सरकार में प्रदेश का कोई भी आदिवासी, कोई भी हिन्दू सुरक्षित नहीं है.

वारदात

हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद में चली गोली

पिता-पुत्र पर रिश्तेदारों ने चलाई गोली, पिता को लगी गोली, पुत्र घायल

संवाददाता। पलामू

जिले के हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद को लेकर गोली चल गई, जिसमें पिता के हाथ में गोली लग गई. पुत्र भी जख्मी है. दोनों पर उनके रिश्तेदारों द्वारा हमला किया गया. शुरुआती मारपीट में गोली मारने की पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन बाद में इसकी जानकारी हुई. इसके बाद एफआईआर भी बदल गया. बताया जाता है कि दरुआ गांव निवासी संतोष कुमार सिंह अपने खेत में काम कर रहे थे, उसी क्रम उनके चाचा और चचेरे भाई वहां पहुंचे और उन पर लोहे के पाइप से हमला कर दिया. इस हमले में संतोष कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. गोली भी चली. गोली हाथ में लगी. खबर मिलने पर संतोष कुमार सिंह के पुत्र आयुष्मान सिंह ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी लोहे के पाइप और रामी से हमला कर दिया. इस बीच, गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और झगड़ा शांत कराया. ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए संतोष कुमार सिंह और आयुष्मान सिंह को घायल अवस्था में अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में भर्ती कराया. सूचना मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस अस्पताल पहुंची और दोनों घायलों का बयान दर्ज किया. आयुष्मान सिंह ने थाने में आवेदन देकर गांव के अंजनी सिंह, विजय सिंह, प्रिंस सिंह, और उपेंद्र सिंह पर सामूहिक रूप से पिटाई करने एवं गोली मार देने का आरोप लगाया है. पुलिस ने आवेदन के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया है. संतोष कुमार सिंह और उनके पुत्र आयुष्मान सिंह को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया. यहां संतोष कुमार सिंह की गंभीर हालत को देखकर रांची रिम्स रेफर किया गया. घटना के पीछे भूमि विवाद बताया जा रहा है. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

पलामू में नाबालिग को भगा ले जाने के आरोपी को भेजा जेल

पलामू। जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के पाठक पगार पंचायत क्षेत्र की 14 वर्ष की नाबालिग लड़की को प्रेम प्रसंग में शादी की नियत से भगा ले जाने के आरोप में चैनपुर के झरिवा का युवक महफूज अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. गत 27 जुलाई की रात में महफूज पाठक पगार की 14 वर्षीया किशोरी को उसके घर से भगा ले गया था.

परिजनों की खोजबीन के क्रम में पता चला कि महफूज अंसारी नाबालिग को भगा ले गया है और इस घटना की जानकारी आरोपित के पिता, मां, बहनोई को भी है. किशोरी का भाई गांव के कुछ लोगों के साथ खोजबीन के क्रम में चैनपुर से झरिवा पहुंचा और आसपास खोजबीन की तो रानीताल डैम के समीप से किशोरी को महफूज के साथ एक ऑटो में पकड़ा और उन्हें लेकर वापस लौट गया. थाने को सुर्पुद कर दिया. किशोरी के पिता ने थाने में महफूज के अलावा अन्य लोगों पर मामला दर्ज कराया था.

पेज एक का शेष...

जिनकी जाति का पता नहीं...

जिस पार्टी ने अपने अध्यक्ष को धोती खींच कर बाहर निकाल दिया हो, जो एक पिछड़े समाज से आते थे, उनके शहजादे हमें ज्ञान बांट रहे हैं. उन्होंने कहा, जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना की बात करते हैं. अनुराग के इस बयान से विपक्षी सांसद बेहद नाराज होकर हंगामा करने लगे. हालांकि अनुराग ठाकुर ने अपने बचाव में कहा कि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया. अनुराग ने कहा कि एक नेता ने यहां खड़े होकर कमल पर कटाक्ष किया. न जाने कमल से उनको क्या विरोध है? कमल का पर्यायवाची राजीव है. कमल को बुरा दिखाने का प्रयास किया गया. चूंकि कमल से जुड़ा हुआ नाम राजीव भी है और आप सब जानते हैं कि राजीव किसका नाम है. अनुराग ने सीधे-सीधे राहुल गांधी के पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी की ओर इशारा किया. आप सिर्फ रील का नेता मत बनिए, मीम्स आपके खूब बनते हैं. रीयल नेता बनने के लिए सच बोलना पड़ता है. उन्होंने आगे राहुल को उनका नाम लिए बिना एक्सिडेंटल हिंदू भी कहा. कुछ लोग एक्सिडेंटल हिंदू हैं और महाभारत का ज्ञान भी एक्सिडेंटल है.

आप मुझे गाली दें...

राहुल गांधी ने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि, स्पीकर सर, जो भी दलितों की बात उठाता, उसे गाली खानी ही पड़ती है. मैं ये सब गालियां खुशी से खाऊंगा. महाभारत की बात हुई, तो अर्जुन को सिर्फ मक्खी की आंख दिख रही थी, तो हमें जातीय जनगणना चाहिए, वह हम करा के रहेंगे. इसके पीछे चाहे मुझे कितनी भी गाली दी जाए. राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर जी ने मुझे गाली दी है, लेकिन मुझे उनसे कोई माफी नहीं चाहिए.

कब थमेगा हादसों का सिलसिला ?

रेल हादसों का सिलसिला आखिर कब थमेगा? बारबार हो रहे रेल हादसों ने लोको पाइलटों के उन सवालों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल दिया है, जिसे राहुल गांधी से दो मुलाकातों में उठाया गया है. रेल हादसे केवल मानवीय भूल नहीं हैं. इसलिए जरूरी है कि इसकी उच्च स्तरीय जिम्मेदारी भी तय की जाए. रेल मंत्रालय को अपनी खामियों को भी गंभीरता से स्वीकार करने की जरूरत है और रेल यात्रियों में भरोसा पैदा करने की भी. देश में लगातार हो रहे रेल हादसों को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किया कि आखिर भारत सरकार की संवेदनहीनता का अंत कब होगा? वहीं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार रेल हादसों का रिकॉर्ड बना रही है. झामुमो और शिवसेना ने भी सरकार पर हमला किया. हर हफ्ते घटनाएं हो रही हैं. विपक्ष का सवाल है कि क्या यही शासन है? हावड़ा-मुंबई मेल झारखंड के चक्रधरपुर डिवीजन में पटरी से उतर गई. कई मौतें और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं. यह बेहद दुखद है. विपक्ष सवाल पूछ रहा है कि रेलवे ट्रैक पर मौत और यात्रियों के घायल होने का यह सिलसिला कब तक चलेगा? सुरक्षा और संरक्षा का इतना बड़ा बजट होने के बाद भी इतने रेल हादसे क्यों हो रहे हैं? आम लोगों को सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. आगे ऐसे हादसे न हों, उसके पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है. झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के ट्रेन नंबर 12810 मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए. घटना में दो लोगों की मौत की खबर है. वहीं, 20 यात्री घायल हो गए. कुल घायलों में पांच लोगों को हल्की चोटें आई हैं और उनका घटनास्थल पर ही इलाज कर दिया गया. 2014 से ले कर अब तक 643 रेल हादसे हो चुके हैं. आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि रेल संरक्षा में कुछ गंभीर कमियां हैं. इसके साथ ही लोको पाइलटों के काम के घंटे और उनकी सुविधाओं की कमी का सवाल भी है. रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है. 2 जून 2023 को बालासोर, ओडिशा में हुआ भयावह हादसा देश के हाल के इतिहास में सबसे बड़ा है. यहां तीन ट्रेनों की भीषण टक्कर में 300 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 1000 से ज़्यादा लोग घायल हुए थे. 29 अक्टूबर 2023 को आंध्र प्रदेश के अलमांडा-कंथकपल्ली में दो पैसेंजर ट्रेनों की टक्कर में 14 यात्रियों की मौत हो गई और कई घायल हुए. हादसे का कारण एक ट्रेन का दूसरी ट्रेन को पीछे से टक्कर मारना बताया गया था. इन बड़ी रेल दुर्घटनाओं से भी सबक नहीं सीखा जा सका है. आमतौर पर हादसों के लिए ड्राइवरों की गलती, रेलवे ट्रैक पर तोड़फोड़, सिग्नलमैन की लापरवाही और मशीनी खराबी बता कर मंत्रालय अपना बचाव कर लेता है. मूल् सवाल पीछे रह जाते हैं.

> रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है.

सुभाषित

माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम्।
कार्यकारणश्चान्ये भवन्ति हितबुद्धयः॥

माता, पिता और मित्र तीनों ही स्वभावतः ही हमारे हित के लिए सोचते हैं, वे हमारे हित करने के बदले में किसी प्रकार की अपेक्षा नहीं रखते. इन तीनों के सिवाय अन्य लोग यदि हमारे हित की सोचते हैं तो वे उसके बदले में हमसे कुछ न कुछ अपेक्षा भी रखते हैं.

दमदार है राहुल का नया अवतार

भाजपा ने जिस शिद्दत के साथ राहुल गांधी को पप्पू की छवि में कैद कर रखा था, राहुल ने उसे फाड़ कर रख दिया है. नये अवतार वाले राहुल गांधी को देखना सुखद है. वह मोदी के सामने ही कहते हैं कि मोदी जी जन्म हुआ ही नहीं, उनका अवतार हुआ है, उनका संबंध सीधे भगवान से है. वह बायोलॉजिकल नहीं हैं. इस अवतार में दम दिखता है.

देश-काल

आनंद सिंह

आज से दो साल पहले जब मैंने कहीं लिखा था कि राहुल गांधी बदल रहे हैं तो लोगों को मेरी समझ पर शक होने लगा था. एक ने तो यहां तक कहा था कि थोड़ा गांधी खानदान को दोबारा पढ़ लें. अब यह देख कर सुकून हो रहा है कि सावरकर की विचारधारा को मानने का दावा करने वाले वह शख्स राहुल गांधी के वीडियोज को बड़े ध्यान से देख रहे हैं, लेकिन उसमें कहां नुक्स निकालें, ये उनकी खोपड़ी में आ ही नहीं रहा. शायद आइंदा वह गांधी खानदान के योगदान को फिर से पढ़ने का प्रयास करेंगे. तो, राहुल गांधी की इमेज बदल रही है. यह मैं ही नहीं कह रहा. दृष्टि आईएएस कोचिंग के कर्ताधर्ता विकास दिव्यकृति भी कह रहे हैं. विकास दिव्यकृति न तो कांग्रेसी हैं, न भाजपाई और न ही सितारा-हंसिया-धान छाप वाले. वह शुद्ध रूप से शिक्षक हैं, मोटिवेटर हैं. विकास दिव्यकृति ने राहुल गांधी को देखा है, पढ़ा है, जाना है, समझा है. राहुल ही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, योगी आदित्यनाथ आदि को भी गंभीरता से देखा, पढ़ा, समझा और सुना है. तो, सिर्फ विकास दिव्यकृति ही नहीं, दुनिया भर के टिप्पणीकारों का यह मानना है कि राहुल गांधी की जो पप्पू वाली छवि मोदी सरकार के चंद मंत्रियों-कारपोरेट ने करोड़ों रुपये खर्चने के बाद बनाई थी, वह भारत जोड़ो यात्रा पार्ट वन में बुरी तरह धराशायी हो गई और भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू अथवा न्याय यात्रा में राहुल एक नई छवि के साथ भारत के नौजवानों को लुभा रहे हैं. यह याद रखने वाला तथ्य है कि आइएसडीएस के सर्वे में यूपी में लोकसभा चुनावों के दौरान किये गए सर्वे में उन्हें देश के प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा वोट मिले थे. वह प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता से भी आगे निकल चुके थे. इससे यह पता चलता है कि उनकी पहले वाली इमेज टूट-फूट कर कबकी बिखर चुकी है और अब एक नई, बहुत ही अग्रेसिव छवि के साथ वह कांग्रेस पार्टी को अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ चला रहे हैं. दरअसल, राहुल कभी पप्पू थे ही नहीं. भाजपा ने उन्हें पप्पू के चोले में कैद किया था. अन्यथा, लोगों को मालूम है कि इधर से आलू डालो और उधर से सोना निकलेगा, किसने कहा था और उसके आगे-पीछे को कैसे कट-पेस्ट करके राहुल गांधी पर चिपकाया गया था. जिन्हें नहीं पता उन्हें अब तो पता हो ही जाना चाहिए कि वह अपने माननीय प्रधानमंत्री का ही स्टेटमेंट था. प्रधानमंत्री पहले भी नाले के गैस से चाय बना कर गुजरातियों को पिलाते रहे हैं, इस तथ्य से शायद ही आप नावाकिफ हों. तो, इस नए राहुल गांधी के अंदर डर नाम की कोई चीज नहीं है. कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत हों या फिर उत्तर प्रदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, इनके डीपी को देखें तो वहां साफ लिखा है-डरो मत. यानी, डरना नहीं है. इसी लोकसभा सत्र में, जब राहुल गांधी को नेता विपक्ष चुना गया तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संबंध सीधे भगवान से है... वह बायोलॉजिकल नहीं हैं... उनका जन्म हुआ ही नहीं...उनका तो अवतरण हुआ है. लोकसभाध्यक्ष ने जब उन्हें टोका तो राहुल गांधी ने उन्हें भी टका सा जवाब दिया कि आप मुझे टोकिये मत. मैं तो वही कह रहा हूं, जो मोदी जी ने अपने श्रीमुख से कहा है. वह यहीं नहीं रुके. उन्होंने लोकसभाध्यक्ष को भी लपेटे में लिया और कहा कि आप डबल स्टैंडर्ड करते हैं. आप मोदी जी के सामने झुकते हैं और मेरे सामने सीना तान कर खड़े हो जाते हैं. प्रधानमंत्री के सामने किसी लोकसभाध्यक्ष को 45 डिग्री तक झुकते देखना बेहद दुखद है. नेता विपक्ष के सामने आप जिस तरीके से सीना तान कर, खड़े होकर हाथ मिलाते हैं, आई टू आई कनेक्ट करते हैं, वैसा ही आपको मोदी जी के साथ भी करना चाहिए. इससे लोकसभाध्यक्ष तिलमिला कर रह गए. हालांकि उन्होंने जवाब भी दिया कि वह बड़ों की इज्जत करते हैं और छोटों से समानता का व्यवहार. ये दो वाकये सिर्फ इसलिए आपको बता रहा हूं, ताकि आप समझ सकें कि राहुल गांधी किसी नशे की हालत में नहीं, अपितु होशो-हवाश में और पूरी जिम्मेदारी के साथ, बिना डरे बोल रहे थे. सत्ता पक्ष की तरफ से थोड़ा विरोध जरूर हुआ, लेकिन बाकी का काम राहुल गांधी के माइक ने किया-सत्ता पक्ष को ठोक कर जवाब दिया गया.

महज 240 सीटें लाने वाली भाजपा का आत्मविश्वास पहले से ही जमीन टेक गया था. उस पर राहुल गांधी ने जिस बेहद तीखे अंदाज में सरकार पर, मोदी पर, अमित शाह पर हमला किया, वह सत्ता पक्ष के पांव उखाड़ने के लिए पर्याप्त था. जो कसर बची, उसे सांसद मनीष तिवारी ने पूरा कर दिया. 10 साल में पहली बार गृहमंत्री अमित शाह को लोकसभाध्यक्ष के सामने घिघियाते हुए देखा गया. उनके बोल अक्षरशः इस प्रकार थेः अध्यक्ष महोदय, मैं इस तरह से नहीं बोल सकता. मुझे इनसे (मनीष तिवारी से) संरक्षण चाहिए. महोदय मुझे व्यवस्था बना करके दीजिए ताकि मैं जवाब दे सकूं. मैं ऐसे इनका जवाब नहीं दे सकता. आपको बता दें कि कांग्रेस के मनीष तिवारी संसद में लगातार बोले जा रहे थे और लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला उन्हें चुप कराकर केंद्रीय गृहमंत्री की ओर बोलने का इशारा कर रहे थे, लेकिन मनीष तिवारी पर इसका कोई असर नहीं हुआ. इसका मतलब क्या हुआ? इसका मतलब यह हुआ कि सरकार में नंबर दो यानी अमित शाह से भी लोकसभा में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेसी सांसद दो-दो हाथ करने को तैयार थे. अब लगभग पूरी कांग्रेस राहुल के रंग में रंगती जा रही है. यह जरूरी भी है. तो, यह सब हुआ कैसे? यह सब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत और उनकी कोर टीम के प्रयासों का प्रतिफल है. पुराने, डरपोक, दकियानूस विचारों वाले कांग्रेसी नेताओं से राहुल एंड कंपनी ने निजात पा ली है. यह तय हुआ है कि कांग्रेसी आईटी सेल दिन-रात हाई अलर्ट मोड पर रहेगी. रेफरेंस सेक्शन को बेहद मजबूत किया गया है. बाजार के वे लोग, जो कांग्रेस की विचारधारा से रत्ती भर भी जुड़े हुए हैं और आईटी को समझते हैं, उन्हें इस दस्ते में शामिल किया गया है. पहले यह होता था कि भाजपा के आईटी सेल वाले कांग्रेस पर बमबारी करते थे, फिर कांग्रेस वाले जवाब देते थे. अब सीन उल्टा हो गया है. अब कांग्रेस बमबारी करती है और सामने वाला कभी जवाब देता है, कभी नहीं. इसी टीम ने राहुल का मेकओवर किया है, उनकी छवि को सुधारकर रख दिया है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

समाज सुधार और सदाचार

उपदेश मत दो, स्वयं का सुधार कर लो दुनिया स्वतः सुधर जाएगी. हमें जब किसी उपदेशक को टोकना होता है तो प्रायः ऐसे कुटिल मुहावरों का प्रयोग करते है. इस वाक्य का भाव कुछ ऐसा निकलता है जैसे यदि सुधरना हो तो आप सुधर लें, हमें तो जो है वैसा ही रहने दें. उपदेश ऐसे प्रतीत होते है जैसे उपदेशक हमें सुधार कर, सदाचारी बनाकर हमारी सदाशयता का फायदा उठा लेना चाहता है. यदि कोई व्यक्ति अभी पूर्ण सदाचारी न बन पाया हो, फिर भी नैतिकताओ को श्रेष्ठ व आचरणीय मानता हुआ, लोगो को शिष्टाचार आदि के लिए प्रेरित क्यों नहीं कर सकता? ₹पहले स्वयं सुधरो, फिर दुनिया को सुधारना₹ एवं ₹क्या करें दुनिया ही ऐसी है₹. वस्तुतः यह दोनों कथन विरोधाभासी है. या यह कहें कि ये दोनो कथन मायावी बहाने मात्र है. स्वयं से सुधार इसलिए नहीं हो सकता कि दुनिया में अनाचार फैला है, स्वयं के सदाचारी बनने से कार्य सिद्ध नहीं होते और दुनिया इसलिए सदाचारी नहीं बन पा रही कि लोग व्यक्तिगत रूप से सदाचारी नहीं है. व्यक्ति और समाज दोनों परस्पर सापेक्ष है. व्यक्ति के बिना समाज नहीं बन सकता और समाज के बिना व्यक्ति का चरित्र उभर नहीं सकता. ऐसी स्थिति में व्यक्तिगत सुधार के लिए सुधरे हुए समाज की अपेक्षा रहती है और समाज सुधार के लिए व्यक्ति का सुधार एक अपरिहार्य आवश्यकता है. ऐसी परिस्थिति में सुधार की हालत यह है कि 'न नौ मन तैल होगा, न राधा नाचेगी'. तो फिर क्या हो? निस्संदेह सदाचारी के कथनों का अनुकरणीय प्रभाव पडता है. लेकिन यदि कोई मनोबल की विवशता के कारण पूर्णरूपेण सदाचरण हासिल न कर पाए, उसके उपरांत भी वह सदाचार को जगत के लिए अनुकरणीय ग्रहणीय मानता हो. दुनिया में नैतिकताओं की आवश्यकता पर उसकी दृढ आस्था हो, विवशता से पालन न कर पाने का खेदज्ञ हो, नीतिमत्ता के लिए संघर्षरत हो और दृढता आते ही अपनाने की मनोकामना रखता हो, निश्चित ही उसे सदाचरण पर उपदेश देने का अधिकार है. क्योंकि ऐसे प्रयासों से नैतिकताओं का औचित्य स्थापित होते रहता है. वस्तुतः कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के प्रति आदर, आस्था और आशा का बचे रहना नितांत ही आवश्यक है. आज भले एक साथ समग्रता से पालन में या व्यवहार में न आ जाय, यदि औचित्य बना रहा तो उसके व्यवहार में आने की सम्भावना प्रबल बनी रहेगी. समाज से आदर्शों का विलुप्त होना, सदाचारों का खण्डित होना या नष्ट हो जाना व्यक्तिगत जीवन मूल्यों का भी विनाश है.

रोजगार सृजन और बैंकों का फीलगुड

आर्थिकी

टी.देवीदास

रोजगार सृजन और मध्यम व छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को रोजगारों का प्रमुख प्रदाता बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में कहा गया कि 'पीएसयू बैंक बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋण देने के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करेंगे.' यह स्पष्ट है कि बैंकों पर एमएसएमई को ऋण देने में वृद्धि करने का दबाव होगा; उन्हें नए ऋण मूल्यांकन मॉडल बनाने के लिए कहा गया है, जैसा कि वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में उल्लेख किया है. इसके अलावा सरकार चाहती है कि बैंक बढ़ी हुई सीमा के साथ मुद्रा ऋण दें. हालांकि इस योजना ने खुद कई सवाल खड़े किए हैं और इसके परिणामों को संदिग्ध माना जाता है.यह हमें उस लंबी कहानी की ओर ले जाता है कि सरकार को बैंकिंग प्रणाली, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की किस प्रकार आवश्यकता है और वह उनका किस प्रकार उपयोग करती है तथा उसने इन बैंकों के साथ क्या किया है. बैंकों को मुनाफा कमाना चाहिए, लेकिन मुनाफा ही बैंकिंग का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता. हमें सामाजिक लाभ को मापना भी सीखना होगा. अभी भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग 'फील गुड' के दौर से गुजर रही है. 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है. पिछले वर्ष की तुलना में 2020 में कारोबार में वृद्धि 5.46 प्रतिशत थी, जबकि 2024 में यह 2023 के मुकाबले 12.06 प्रश है. एकमात्र चिंता बाजार हिस्सेदारी है, जो 2019 में 71.1 प्रतिशत थी और 2024 में घटकर 64.40 फीसदी हो गई है.इसका मतलब है कि निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 28.90 फीसदी से बढ़कर 35.60 प्रतिशत हो गई है और इसके भीतर नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 2019 में 23.78 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 31.02 फीसद हो गई है. इस अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 6.70 प्रतिशत कम हो गई है, जो बैंक ऑफ बड़ौदा की बाजार हिस्सेदारी से अधिक है- 6.49 प्रतिशत. इस प्रकार स्पष्ट है कि किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का निजीकरण किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा के आकार के बराबर बैंकिंग व्यवसाय का निजीकरण हो गया है. 2020 में भारतीय स्टेट बैंक को नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के यस बैंक को संकटग्रस्त बैंक में 11,760 करोड़ रुपए यानी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी डालकर उसे बचाने के लिए कहा गया था. 2017-18 में, इसने 6,547 रुपए करोड़ का घाटा और 2018-19 में 862.23 करोड़ रुपए का मामूली लाभ दर्ज किया था. 2020 में यस बैंक में 11,760 करोड़ रुपए का निवेश करने के बावजूद, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 14,487 करोड़ रुपए का प्रभावशाली लाभ दर्ज करने में सक्षम था. सरकार ने, जो निजीकरण की वकालत कर रही थी और बाजार अर्थशास्त्र की भाषा बोल रही थी, स्वयं स्टेट बैंक को बीमार यस बैंक को बचाने के लिए मजबूर किया लेकिन स्टेट बैंक को 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए थोड़ा और निवेश करने की अनुमति नहीं दी. सरकार के विचार में यह कदम अनुत्पादक तथा आत्मघाती साबित होता क्योंकि सरकार तथाकथित सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक सीधे उधार देने के बजाय सह-उधार या अप्रत्यक्ष उधार का सहारा लेने के लिए प्रेरित होते हैं. उत्पादों और सेवाओं में नवाचार के नाम पर, एसबीआई ने ऋण का असाइनमेंट पोर्टफोलियो की बिक्री-खरीद आदि जैसे विभिन्न उपकरण पेश किए हैं ताकि बैंक ओवरहेड लागतों को बचाने के लिए प्रत्यक्ष उधार से बच सकें. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है, लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. इस प्रकार अब कम निवल मूल्य वाले ग्राहक जिन्हें जन धन के कार्यान्वयन के साथ बैंकिंग के दायरे में लाया गया था, उन्हें सेवाओं के लिए लागत का भुगतान करना पड़ रहा है और परिणामस्वरूप अब वे इसे छोड़ रहे हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है.

विविधता ही है भारत की मूल चेतना

विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा. उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवरियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवरियों की आस्था की शुचिता का है !लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवरियों को लेकर यह विवाद क्यों? प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है. तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए. लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है. ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है. सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है. उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती. अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है. उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं. उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए. यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है.प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया. बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए. यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवरियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है. न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया. लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं. हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिह्नित किए जाने का कोई स्थान नहीं है. यही हमारा वह संविधान भी कहता है, जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते. शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है. यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है. संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है. धार्मिक त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की हमारी लंबी परंपरा रही है. हम ईद और दिवाली मिलकर मनाने में विश्वास करते हैं. एक-दूसरे की आस्था-परंपरा का सम्मान करना इसी विश्वास का एक हिस्सा है. रहा सवाल सामिष और निरामिष भोजन का तो यह काम खाने-पीने की जगह पर स्पष्ट सूचित करने से हो सकता है. 'हिंदू पानी और मुस्लिम पानी' जैसी कोई व्यवस्था रिश्तों को बिगड़ने का काम ही करेगी. जरूरत देश की जनता के बीच रिश्तों को मज़बूत बनाने की है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है.

मीडिया में अन्यत्र

शांति के लिए तरस रहा है पश्चिमी एशिया

गोलान की पहाड़ियों में स्थित मजदल शम्स के एक फुटबॉल मैदान पर एक रॉकेट हमले में 12 युवा मारे गए. इस हमले ने पश्चिम एशिया को एक व्यापक युद्ध के कगार पर पहुंचा दिया है. इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित लेबनान के शक्तिशाली शिया मिलिशिया हिजबुल्लाह को दोषी ठहराया है. हिजबुल्लाह, जिसने शुरू में निकट के माउंट हर्मन में एक इजराइली सैन्य चौकी पर रॉकेटों से हमला करने का दावा किया था, ने बाद में इस घटना में किसी भी भूमिका से इनकार किया. लेकिन इजराइल ने हिजबुल्लाह के दावों को स्वीकार नहीं किया है और वह जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है. दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 से, जिस दिन हमास ने इजराइल में सीमा पार से हमला किया था और जिसमें अनुमानित रूप से 1,200 लोग मारे गए थे, हिजबुल्लाह के साथ इजराइल की उत्तरी सीमा पर धीमी गति से एक युद्ध चल रहा है. जब हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा युद्ध शुरू किया, तो हिजबुल्लाह ने अपने गढ़ दक्षिणी लेबनान से रॉकेट हमले शुरू कर दिए और इन हमलों में ज्यादातर इजराइल के कब्जे वाले शेबा फार्म्स या उत्तरी इजराइल के ऊपरी गलीली क्षेत्र में इजराइल की सैन्य चौकियों को निशाना बनाया गया. हिजबुल्लाह के हमलों ने लगभग 60,000 इजरायलियों को ऊपरी गलीली इलाके से भागने के लिए मजबूर किया. जवाबी कार्रवाई में, इजरायली बलों ने लेबनान के अंदर हवाई हमले किए. हिजबुल्लाह ने दावा किया कि वह फिलिस्तीनियों के साथ "एकजुटता में" इज़राइल से लड़ रहा है, जबकि इजराइल के नेतृत्व ने कहा कि हिजबुल्लाह के किसी भी हमले को बख्शा नहीं जाएगा. हालांकि, दोनों पक्ष, हाल तक, इस बात को लेकर सतर्क थे कि संघर्ष को पूर्ण युद्ध में तब्दील न होने दिया जाए. लेकिन ऐसा लगता है कि मजदल शम्स के हमले ने युद्ध के उन अलिखित नियमों को तोड़ दिया है.हिजबुल्लाह का यह दावा कि वह उक्त हमले में शामिल नहीं था, को हल्के में नहीं लिया जा सकता. यह संभव है कि इस समूह ने 1967 से इजराइल के अवैध कब्जे वाले गोलान की पहाड़ियों में स्थित आईडीएफ की चौकियों को निशाना बनाया हो और रॉकेट फुटबॉल मैदान पर गिरा हो, लेकिन फिर भी जिम्मेदारी मिलिशिया की है. इजराइल के हाथ भी पाक-साफ नहीं हैं. आईडीएफ, जिसके गाजा अभियान में हजारों फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं, ने लेबनान के नागरिक इलाकों में भी हमले किए हैं. हिजबुल्लाह और इजराइल ने आखिरी बार 2006 में एक पूर्ण युद्ध लड़ा था और इसका अंजाम यहूदी राष्ट्र के लिए अच्छा नहीं रहा था. हिजबुल्लाह 18 साल के कब्जे के बाद इजराइल को दक्षिणी लेबनान से हटने के लिए मजबूर करने का श्रेय भी लेता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

निसार/निस्सार/निस्तार

फिल्म दुश्मन का यह गाना आपने जरूर सुना होगा-सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, के खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से, मैं इंतजार करूं ये दिल निसार करूं....इस गाने में एक शब्द को छोड़कर कोई ऐसा शब्द नहीं है, जिसका मतलब आपको समझ में नहीं आया होगा. वह शब्द है निसार. संकोचवश यह कहने में दिक्कत हो रही है कि मैं भी लंबे समय तक इसका मतलब समझ नहीं पाया था. तब इतना ही जानता था कि मुस्लिम समाज में लड़कों का नाम निसार रखा जाता है. गांवों से लेकर शहरों तक सैकड़ों की संख्या में निसार भाई मिल जाते हैं. उनमें जन साधारण से लेकर ऊंचे पदों पर राज करने वाले निसार भाई भी हैं. तो मैंने जब कोशिश की तो शब्दकोशों से पता चला कि निसार हिंदी भाषा का भी शब्द है और अरबी का भी. दोनों स्थितियों में निसार संज्ञा पुल्लिंग ही है. हिंदी वाले निसार का मतलब समुदाय या समूह होता है, जबकि अरबी भाषा मूल के निसार का मतलब है बलि, कुर्बानी, सदका, न्योछावर, मुग्ध, मुगलकालीन एक सिक्का जो रुपये के चौथे हिस्से के बराबर होता था. संस्कृत भाषा से हिंदी में आया एक शब्द है निस्सार. यह दो शब्दों के संयोग से बना है-निः+सार. इसमें निः उपसर्ग है. यह उपसर्ग जिस शब्द के साथ जुड़ता है, उसका अर्थ नकारात्मक हो जाता है.निस्सार शब्द का मतलब है, वह जिसका कोई सार न हो. यानी बेकार हो, जो किसी काम का नहीं हो. हिंदी में संस्कृत से आया एक ऐसा ही शब्द है निस्तार. यह संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका मतलब है तैर कर पार होने की क्रिया या भाव, बंधन या संकट से बचकर निकलने की क्रिया, छुटकारा, उद्धार, मुक्ति, काम पूरा करके उससे छुट्टी पाना, अभीष्ट की प्राप्ति या सिद्धि, शौच आदि के लिए जाना, उपाय, ऋण आदि से छुटकारा. बंधनों से छुटकारा दिलानेवाले को निस्तारक कहते हैं.

एक बेचारे लेखक का सम्मान

तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

जितने लोग भी संसार में चतुर हैं, उन सबको पता है कि आजकल सम्मान का मतलब अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र होता है. किसी के भी ऊपर एक सौ बीस रुपए खर्च करके आप उसका सम्मान कर सकते हैं. आयोजक बजट के हिसाब से दो, चार या कई बार दस-बीस लोगों को भी सम्मानित कर देते हैं. जिसको सम्मानित किया जाता है वह क्योंकि लेखक होता है, अतः संवेदनशील प्राणी होता है. जब उससे कहा जाता है कि हम आपको सम्मानित करना चाहते हैं, तब उसका ध्यान मात्र एक सौ बीस रुपए के खर्च की तरफ नहीं जाता. वह स्वयं को सम्मानित होते हुए देखना अपने जीवन की एक अमूल्य निधि समझता है. वह इसे अनमोल वस्तु मानता है. उसकी समझ में ही नहीं आता कि आयोजक उसे चार घंटे बिठाकर सिर्फ एक सौ बीस रुपया खर्च करना चाहते हैं. दिहाड़ी का मजदूर भी एक सौ बीस रुपए में चार घंटे बैठने के लिए नहीं मिलेगा. लेकिन लेखक की नजर में क्योंकि सम्मान ग्रहण करना जीवन की अनमोल वस्तु होती है; वह अत्यंत भावुक भाव-मुद्रा में चार घंटे बैठा रहता है. सम्मान प्रदान करने में चार घंटे नहीं लगते, लेकिन आयोजक सम्मानित लेखक को समय से दस मिनट पहले बुलाते हैं. कहते हैं -"आपको मंच पर बैठाना है. आपका सम्मान होना है . अतः आपको समय पर आना ही पड़ेगा." जैसा कि आमतौर पर होता है, आयोजन के ठीक समय पर बैनर लगना शुरू होता है. अगर कुर्सियां आ गई हैं तो उनकी धूल साफ करके बिछाने का कार्य होता है . कई बार कुर्सियां आयोजन के ठीक समय पर टेलीफोन से तकादा करके टेंटवाले से मंगवाई जाती है. अनेक बार माइक की समस्या आती है. कार्यक्रम रुका रहता है. कई बार जब तक सारे सम्मानित व्यक्ति एक साथ इकट्ठा न हो जाएं, तब तक कार्यक्रम रुका रहता है. सबसे ज्यादा कार्यक्रम इस कारण से देर होता है कि समारोह के अध्यक्ष महोदय देर से पधारते हैं. उनका इंतजार करना आयोजकों की विवशता होती है. अनेक बार आयोजन का सारा खर्चा अध्यक्ष जी के भारी भरकम व्यक्तित्व से ही व्यय होता है. कई बार अध्यक्ष जी स्वयं में इतना भारी-भरकम व्यक्तित्व होते हैं कि उनके बगैर आयोजन एक कदम आगे नहीं बढ़ सकता. कारण कुछ भी हो, आयोजन एक घंटे विलम्ब से पहले शुरू नहीं होता. दो घंटे विलंब से शुरू होना भी कोई असामान्य बात नहीं होती. शुरू होने के बाद भी आधे घंटे तक अध्यक्ष और मुख्य अतिथि आदि को माल्यार्पण चलता रहता है. जिस व्यक्ति के कर-कमल से फूलमाला अध्यक्ष जी को पहनाई जाती है, उसके कर-कमल भी धन्य हो जाते हैं. घंटों इंतजार के बाद जब कार्यक्रम समाप्ति की ओर होता है और मुश्किल से जितने लोग मंच पर बैठे होते हैं उससे भी कम लोग सामने श्रोताओं के रूप में उपस्थित रह जाते हैं; तब जाकर लेखन का सम्मान किया जाता है अर्थात उनके गले में अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र थमा दिया जाता है.

कहानियों से कितनी अलग है प्रेमचंद की लमही

जिस मिट्टी ने दुनिया के महान कथाकार को गढ़ा, वहां की आबोहवा में साहित्य की खुशबू फ़ैल पाती तो आज लमही एक तीर्थ से कम न होता. सरकारी प्रयास सिर्फ सड़क, भवन और स्वागत द्वार बनाने तक सिमित न होकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति जिज्ञासा और रुचि पैदा करने तक जाते तो लमही अपने वास्तविक अर्थ को हासिल कर पाती. सरकारी प्रयासों के साथ-साथ देश के साहित्य जगत की भी जिम्मेवारी है कि लमही को साहित्य का तीर्थ कैसे बनाया जाए, इस दिशा में मंथन एवं सार्थक प्रयास हो. कम से कम लमही तो एक ऐसा गांव जरूर बन सकता है, जहां हर घर में किताबों की अलमारियां हों, हवाओं में साहित्य का रस घुला हो और जहां की मिट्टी से कलम के नवांकुर फूटते हुए दृष्टिगोचर हों.

लमही से लौटकर सुशील स्वतंत्र की खास रिपोर्ट...

सुशील स्वतंत्र
रामगढ़

आज अगर आप प्रेमचंद के गांव लमही जाते हैं तो गांव में प्रवेश करने से पहले ही प्रेमचंद स्मृति स्वागत द्वार पर आपको उनकी कहानियों के चर्चित पत्रों घीसू, होरी, माधो और धनिया की प्रतिमाएं अपने किरदार वाली मुद्राओं में आपका स्वागत करते हुए मिल जाएंगीं. लमही गांव कितना बदला है, या गांव की हकीकत प्रेमचंद की कहानियों के गांव से कितनी जुदा है, यह सब आपको लमही में घूमने से पता चल जाएगा. गांव में आज भी एक तरफ प्रेमचंद की कहानियों की सामाजिक विषमता की झलक देखने को मिल जाएगी तो दूसरी तरफ आधुनिकता की बयार भी आपको छूते हुए गुजर जायेगी. उत्तर प्रदेश सरकार ने लमही को बनारस जिले का पहला ई-विलेज घोषित किया था. सरकार का दावा था कि लमही में हर परिवार का पूरा विवरण डाटा बैंक में होगा. आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र हो या खसरा-खतौनी जैसे अन्य सरकारी दस्तावेज के लिए किसी बुधिया, होरी, धनिया, घीसू, माधो को तहसील और कलेक्ट्रेट का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा. सारी सुविधाएं ग्राम पंचायत भवन से ही उनको मिल जाएंगीं. इसके लिए वहां जाकर सिर्फ अपना नाम बताना होगा और तुरंत सारा विवरण प्रिंट करके और हस्ताक्षर करके तत्काल उपलब्ध करा दिया जाएगा. सरकारी दावों पर यकीन करें तो लगता है कि अब लमही के दिन भी फिरने वाले हैं.

प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय

गांव में घुमने पर आपको आज आधुनिक घर भी देखने को मिलेंगें और फूस की झोंपड़ी भी, जिसे स्थानीय लोग मड़ई कहते हैं. कुछ खपरैल मकान अब भी यहां दिख जाते हैं. गांव में प्रवेश करते ही रोज सुबह लगने वाली स्थानीय सब्जी मंडी दिखेगी और कुछ दूर चलते ही आएगा मुंशी जी का पोखरा यानी तालाब. इसी पोखरे के पास दिखाई देगा मुंशी प्रेमचंद का पैतृक आवास, जहां से उन्होंने न जाने कितनी कालजयी कृतियों की रचना की. आज इस स्थान पर मुंशी प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय का परिसर बना है, जिसमें कुछ पुस्तकें रखी गई हैं और प्रेमचंद की एक पाषाण प्रतिमा लगाई गई है. लंबी प्रतीक्षा के बाद गांव में मुंशी प्रेमचंद शोध एवं अध्ययन केंद्र की इमारत भी बनकर तैयार हो गया है. आमतौर पर साल भर यहां सन्नाटे जैसा माहौल रहता है. इस पूरे परिसर की देखभाल और रखरखाव एक समर्पित प्रेमचंद प्रेमी सुरेश चन्द्र दुबे नाम के सज्जन करते हैं. अगर वे न हों, तो प्रेमचंद स्मारक में कोई आने-जाने वाला भी न बचे. प्रेमचंद स्मारक की गतिविधियों को लेकर सुरेश चन्द्र दुबे का साक्षात्कार अनेक चैनलों, अखबारों और वेब पोर्टल्स पर प्रकाशित हो चुका है.

एक दिन का मेला, शेष दिन साहित्यिक सन्नाटा

पूरे लमही में आमतौर पर कायम रहने वाला साहित्यिक सन्नाटा साल में एक दिन उत्सव में बदल जाता है. वह विशेष दिवस होता है 31 जुलाई, मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती. इस दिन लमही में मेला लगता है. इस भव्य मेले में देश-दुनिया से साहित्यकार, रंगकर्मी, गायक, कवि, पत्रकार, चित्रकार, बुद्धिजीवी और शोधकर्ताओं की भारी भीड़ जुटती है. इस दिन लमही में महानुष्ठान जैसा माहौल होता है. प्रेमचंद जयंती पर लमही में रंगकर्मियों का भी विशेष मज़मा लगता है. कलाकार और साहित्यकार अपने प्रिय कथाकार को याद करने के लिए नाटक, गोष्ठी और परिचर्चाएं आयोजित करते हैं.

जयंती से चार दिन पहले कट गई थी उनके घर की बिजली

उस एक दिन के बाद फिर लमही को पूरे साल उसी के हाल पर हाल पर छोड़ दिया जाता है. यह एक रवायत की तरह पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है. यह कहा जा सकता है कि तमाम घोषणाओं के बावजूद मुंशी प्रेमचंद का घर और गांव आज भी उपेक्षा का शिकार है. मुंशी जी की जयंती पर उनके पात्र होरी, माधो, धनिया, घीसू की गहरी संवेदना से जुड़े कलाकार नाटक के जरिए उन्हें याद कर करते हैं और सरकारी महकमों द्वारा फ़र्ज़ अदायगी के लिए टेंट भी लगा दिया जाता है लेकिन जयंती के बाद लमही के लोगों की सुध लेने कोई नहीं पहुंचता है. एक बार तो प्रेमचंद जयंती के चार दिन पहले ही प्रेमचंद जी के घर की बिजली इसलिए काट दी गई क्योंकि चौदह साल से बिल का भुगतान नहीं हुआ था. जब यह खबर मीडिया में आई तो आनन-फानन में बिजली जुड़वा दी गई. कोई विभाग इसकी जिम्मेदारी नहीं ले रहा था. पहले यह मकान और प्रेमचंद जी का स्मारक नागरी प्रचारिणी सभा के पास था. फिर उसने नगर निगम को दे दिया. नगर निगम ने भी बाद में यह भवन वाराणसी विकास प्राधिकरण को देकर अपना पल्ला झाड़ लिया. अब जब यह विवाद सामने आया है तो इसे जिलाधिकारी ने इस परिसर को संस्कृति विभाग को सौंप दिया. अब इस गांव को गोद लेकर इसे देश के बड़े फलक पर लाने की योजना बनाई जा रही है.

यहां की नई पीढ़ी में नहीं दिखते प्रेमचंद के संस्कार

मड़ई (फूस की झोपड़ी) और पोखर (तालाब) वाली लमही में दो-तीन मंजिला मकानों और दुकानों ने भी अपनी जगह बना ली है. घरों में मार्बल और टाईल्स के फर्श बनने लगे हैं. पांडेपुर से लमही तक की सड़क पर नज़र डालें तो बाज़ारवाद के पसराव (फैलाव) का आभास हो जाता है. गांव में लिट्टी-चोखा और गोलगप्पे के साथ-साथ चाउमीन, मोमोज और एगरोल के फ़ूड स्टाल भी खूब फल-फूल रहे हैं. एक महान साहित्यकार की जमीन से साहित्य की कोई कलकल धारा आज फूट रही हो, ऐसा लमही में घूमने से महसूस नहीं होता है. वहां के निवासियों के बीच साहित्य बातचीत और विमर्श का केन्द्रीय बिंदु नहीं है और न ही नई पीढ़ी में कोई लिखने-पढ़ने वाला साहित्यकार लमही की उर्वरक जमीन से अंकुरित हो पाया है. वहां बच्चों को प्रेमचंद के बारे में बहुत ही सतही जानकारी है और बहुत कम बच्चों ने प्रेमचंद के समृद्ध साहित्य को पढ़ा है. लमही के आस-पास अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय खुल गए हैं. लमही नाम से ही हिंदी की एक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन होता है लेकिन इसका प्रकाशन, मुद्रण और सम्पादकीय कार्य लमही से नहीं होता है.

साहित्यिक हलचल से बेखबर

लेखन-पठन के क्षेत्र में अब लमही में कोई क्रांतिकारी या आशान्वित करती ही तस्वीर नज़र नहीं आती है. नया लमही बाजारवाद और चमकदार भौतिकतावाद के गहरे प्रभाव से ग्रसित दिखता है. युवाओं में साहित्य को लेकर सामान्यतः अरुचि ही देखने को मिलती है. बहुत ढूंढने पर एक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रीता गौतम के बारे में पता चला, जो लमही गांव की ही निवासी हैं. वे 'बेड़ियाँ तोड़ती औरतें' शीर्षक से एक पुस्तक का लेखन कर रही हैं, जिसमें साधारण महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों की कहानियों को संकलित किया जा रहा है. उन्होंने बातचीत के दौरान कहा - "वर्तमान में लमही में कोई साहित्यिक समूह सक्रिय नहीं है. एक प्रेमचंद जी के आवास से संचालित पुस्तकालय है जो नियमित तौर पर खुलता है, बस, इसके अलावा कहीं कोई विशेष साहित्यिक हलचल गांव में देखने को नहीं मिलती है."

प्रासंगिक प्रेमचंद

प्रेमचंद जयंती (31 जुलाई) पर विशेष

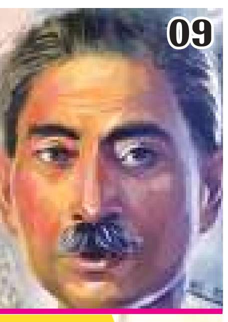

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की मृत्यु के करीब नौ दशक गुजरने वाले हैं. पर उनकी कालजयी रचनाएं आज भी चर्चा में हैं और प्रासंगिक भी. हिंदी साहित्य पढ़ने की शुरुआत करने वाली नई पीढ़ी आज भी ज्यादातर प्रेमचंद के उपन्यासों को ही अपनी पहली सूची में शामिल करती हैं. वक्त के साथ तमाम बदलाव के बावजूद इस पसंद और प्रासंगिकता का रहस्य कहानी के कथ्य, शैली, भाषा आदि के साथ उसके चरित्रों के चित्रण में भी है जो हमारे मन-मस्तिष्क को झकझोरते हैं, उद्वेलित करते हैं और किताब के पन्नों को बंद कर देने के बाद भी अरसे तक दिल के कोने में अपनी जगह बनाए रखते हैं. आज हमने कुछ साहित्यकारों से प्रेमचंद्र के ऐसे ही चरित्र पर की चर्चा.

> “मेरे अधिकांश पात्र यथार्थ जीवन से लिए गए हैं. जब किसी पात्र का यथार्थ में अस्तित्व नहीं होता, तब वह छाया मात्र, अनिश्चित व अविश्वसनीय हो जाता है.”
>
> - प्रेमचंद

> “मैं अपने उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र मात्र समझता हूं. मानव चरित्र पर प्रकाश डालना और उनके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मूल तत्व है.”
>
> - प्रेमचंद

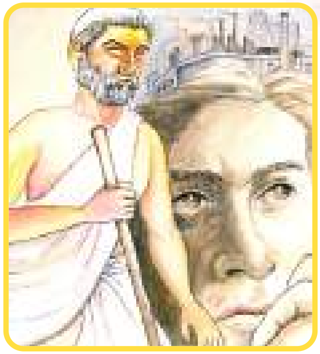

कालजयी हैं प्रेमचंद के सूरदास होरी, हामिद, मंजुला, हीरा, मोती

मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास 'रंगभूमि' का अमर पात्र "सूरदास"

डॉ संगीता नाथ
धनबाद

चरित्र निर्माण के संबंध में प्रेमचंद की कला प्रायः यथार्थवादी रही है. ग्रामीण पात्रों का सजीव उद्घाटन और उनका सृजन प्रेमचंद की कला का विशिष्ट गुण है. विशेषकर उनके ' होरी' और सूरदास आदि पात्र साहित्य जगत के वो यादगार पात्र हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता.

प्रेमचंद कृत 'रंगभूमि ' उपन्यास का पात्र सूरदास एक ऐसा अद्वितीय अविस्मरणीय पात्र है जो औदात्य मानवीय गुणों से परिपूर्ण है. वह एक खिलाड़ी है, जो निर्भीक, अपनी धुन का पक्का, सत्यनिष्ठ, न्यायप्रिय, निःप्रिय, शान्त, सेवात्याग-परोपकार आदि स्वभाविक मानवीय गुणों का स्वामी है. यद्यपि वह दृष्टिहीन है पर उसकी अंतःदृष्टि पूर्ण रूपेण जागृत थी. वह शारीरिक दुर्बलता के बावजूद अनुराग पूर्ण हृदय रखता है. वह सच्चे अर्थों में बैरागी है. सत्य अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह का साक्षात रूप है. वह अशरण-शरण, दीन दुखियों की सहायता करने वाला शत्रु मित्र सभी को एक दृष्टि से देखने वाला है. वह एक फरिश्ता के समान है. वह भगवान कृष्ण के गीता के निष्काम कर्म और प्रज्ञा का व्यवहारिक रूप है. इसीलिए शत्रु हो या मित्र सभी उसकी साधुता और दार्शनिकता को पसंद करते हैं. उसमें प्रतिशोध या वैमनस्य की भावना बिल्कुल नहीं है. वह खेलने आया था और सच्चे एवं पवित्र मन से खेल कर चला जाता है. सूरदास गरीब था, भौतिक साधनों से दूर था पर गुणों से अमीर था. उसकी मृत्यु भी अलौकिक और यादगार बन जाती है. वास्तव में सूरदास की गरीबी में आत्मिक विजय का गौरव था. सूरदास का चरित्र उन मानवीय गुणों का अथाह सागर है जिसकी गहराई की माप कदाचित संभव नहीं है.

(संदर्भ- हिंदी साहित्य कोश भाग-2, वृहत साहित्यिक निबंध)

समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला

डॉ. कल्याणी कबीर
जमशेदपुर

प्रेमचंद की रचनाओं में स्त्री पात्र की अगर बात करें तो इन्होंने हमेशा स्त्रियों के अस्तित्व और संघर्ष को समय से आगे जाकर समझा है और लिखा भी है. इनकी स्त्री पात्र अपने समय की संकुचित सोच और परिधि से बाहर जाकर अपनी भूमिका को विस्तार देती दिखाई देती हैं. प्रेमचंद रचित हर कहानी और उपन्यास ने इस सत्य को मजबूती प्रदान की है कि समाज में स्त्रियों का स्वतंत्र अस्तित्व है. गंभीर और ईमानदार दृष्टि से इन्होंने स्त्रियों के जीवन संघर्ष को देखा है.

हम बात अगर उनकी लिखी कहानी ₹रहस्य₹ की स्त्री पात्र मंजुला की करें तो मंजुला एक बिंदु पर तो काफी उलझी हुई, शांत और समझदार महिला है पर इसके साथ ही पूरी कहानी में गाहे बगाहे विद्रोह के स्वर भी उसके व्यवहार में नजर आते हैं.

अपने पति मिस्टर मेहरा के साथ रहते हुए विचारों में बेमेल होने के कारण जीवन से उसका मन विरक्त होता जा रहा था और जिस संबंध में मन न हो वहां उत्साह और उल्लास भी नहीं दिखाई देता. इस दिखावे को ढोने के बजाय वह अपने पति से अलग होकर जीवन यापन का लक्ष्य तलाशने लगती है. अपने अंदर उपज रहे मानसिक विद्रोह को दबाकर मंजुला अपने अंदर की ऊर्जा और उद्देश्य को ढूंढने के क्रम में सेवाश्रम से जुड़ती है जहां महिलाओं की देखभाल की जाती है. वहीं उसकी मुलाकात विमल से होती है. दोनों सेवाश्रम के लिये साथ काम करते हुए एक दूसरे को सम्मान भी देते हैं और एक दूसरे की चिंता भी करते हैं.

पर मंजुला और विमल के संबंध में भी आत्म स्वाभिमान और अन्य विषयों को लेकर उतार-चढ़ाव का सिलसिला चलता रहता है. एक मोड़ ऐसा आता है जब मंजुला सेवाश्रम का भी त्याग कर देती है और फिर एक नई दिशा की ओर निकल पड़ती है. दरअसल मंजुला को किसी पुरुष के साथ की तलाश नहीं रहती बल्कि वह एक शांत और संतुष्ट जीवन जीना चाहती है.

मंजुला का सशक्त व्यक्तित्व निश्चित रूप से परंपरा या पितृसत्ता के हाथों अपने अस्तित्व को मिटाने के लिए तैयार नहीं है. कदाचित इसलिए वह कहीं भी गलत समझौते के लिए तैयार नहीं होती और अपनी दिशा मोड़ कर अपनी राह चल पड़ती है. स्त्रियों के धैर्य, त्याग, सहनशीलता, क्षमा, दया इत्यादि गुणों को स्त्रियों के खिलाफ ही ट्रंप कार्ड बनाकर खेलने वाले समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला.

मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं हीरा और मोती

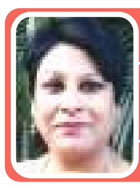

डॉ कविता विकास
धनबाद

कथा सम्राट प्रेमचंद द्वारा रचित कहानियों और उपन्यासों की एक बृहद श्रृंखला है और हर कहानी के कोई न कोई पात्र दिल के इतने करीब होते हैं कि आदमी चाह कर भी नही भूल सकता है. ' दो बैलों की कथा ' कहानी में हीरा और मोती दो बैल पशु रूप में भी मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं और अपने मालिक के प्रति निष्ठा, साहस और अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने की प्रेरणा देते हैं. ये दोनो मेरे प्रिय पात्र हैं. मुझे इनमें से मोती अपने उग्र और विद्रोही स्वभाव के कारण ज्यादा प्रिय है क्योंकि वह यातनाओं को सहने के बदले प्रतिकार के माध्यम से एक बदलाव लाने की चेष्टा करता है. इसी कहानी में एक पात्र है गया, जो झुरी का साला है. इसके घर उन्हें खाने को रुखा - सुखा मिलता है और कभी - कभी तो खाना भी नही मिलता, तब गया की छोटी लड़की जिसकी मां सौतेली होती है वह रात को चुपके से इन्हें रोटी खिला देती है और एक रात उनकी रस्सी खोल देती है ताकि और अत्याचार उनपर न हो सके. पशु होकर भी इस लड़की के प्रति उन्हें सहानुभूति होती है और वहां से भागने के बाद इस लड़की पर क्या गुजरी होगी, सोचकर वे चिंतित हो जाते हैं. यही तो प्रेमचंद की कहानियों की विशेषता है. मानवीय संवेदनाओं को उकेरना, भावनात्मक जुड़ाव, सहज - सरल आत्मीय वर्णन और कथ्य की आकर्षक शैली प्रेमचंद की कहानियों की विशेषताएं हैं और उनके पात्र अपनी अमिट छाप छोड़ देते हैं.

भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है हामिद के चरित्र में

हिमकर श्याम
रांची

प्रेमचंद अपने पात्रों का चरित्र चित्रण बड़े मनोवैज्ञानिक ढंग से करते हैं. प्रेमचंद के पात्र सहज ही पाठक से जुड़ जाते हैं. यही कारण है कि गोदान का होरी, नमक का दारोगा का वंशीधर, गबन का रमानाथ, पूस की रात का हल्कू, कफन का घीसू, ईदगाह का हामिद, सेवासदन की सुमन, निर्मला की निर्मला आदि पात्र काल्पनिक नहीं वास्तविक लगते हैं. इनमें हामिद का पात्र मुझे विशेष रूप से पसंद है. प्रेमचंद्र ने हामिद के जरिए बड़ी कुशलता के साथ बाल्यावस्था की निर्मल, सहज भावनाओं को उकेरा है. हामिद के चरित्र में भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है. हामिद पाठकों की चेतना को झकझोड़ता है और पाठक सहज ही उसके साथ भाव यात्रा करने लगते हैं.

हिंदी में बाल मनोविज्ञान से संबंधित बहुत कम लिखी गई हैं. 'ईदगाह' प्रेमचंद्र की बाल मनोविज्ञान संबंधित उत्कृष्ट रचना है. हामिद इस कथा का नायक है. अन्य बालकों की तरह भोला और सरल तो है, पर उसकी बुद्धि की परिपक्वता विलक्षण है. ईद के मेले में अपने दोस्तों की तरह खिलौना या मिठाई खरीदने की बजाय, दादी के लिए चिमटा खरीदता है जिससे उसकी दादी अमीना रोटी बना सके और उसका हाथ न जले.

चरित्र-चित्रण की दृष्टि से ईदगाह एक श्रेष्ठ कहानी है. यह हामिद और दादी अमीना के भावनात्मक लगाव एवं सरोकार की कहानी है. इसमें हामिद के मनोभावों और परिस्थितियों का सूक्ष्म चित्रण किया गया है. हामिद की सोच, उसकी भावनाएं उसे विशिष्ट बनाती हैं. एक छोटा सा बालक विषम परिस्थितियों में समय से पहले परिपक्व हो जाता है. हामिद का अपनी दादी के प्रति सम्मान है, फिक्र है. वह ईद की खुशी अपनी दादी के साथ बांटना चाहता है और मेले में वह अपनी इच्छा पर संयम रखने में विजयी होता है. हामिद का कार्य कहानी को विशिष्ट कहानी बनाता है और एक आदर्श रचता है. उसके चरित्र में दया, करुणा, सेवा भाव, संवेदनशीलता और परिपक्वता का समावेश है. हामिद का चरित्र कहीं से भी बनावटी या काल्पनिक नहीं लगता. हर बच्चे में हामिद की तरह ही विवेक होना चाहिए ताकि वे हर एक काम के गुण-दोष को देख सकें.

बाजारवाद के खिलाफ खड़ा है प्रेमचंद का हामिद

अनुराग अन्वेषी
रांची

प्रेमचंद की कहानी ईदगाह में खूब सजे हुए बाजार हैं. मोहसिन, नूरे, सम्मी, महमूद जैसे बाल चरित्रों को यह बाजार लुभा रहा है, हर बच्चा उत्साहित है. ये बच्चे सारा कुछ खरीद लेना चाहते हैं. तो प्रेमचंद ने अपनी कहानी में जो बाजार रचा, आज के दौर में उस बाजार का रूप बहुत विकराल नजर आ रहा है. खाने-पीने से लेकर टेक्नोलॉजी तक, खेल से लेकर एजुकेशन तक के बाजार बन चुके हैं. और ये सारा कुछ बस एक क्लिक में आपके घर पहुंचने को तैयार है. संभव है प्रेमचंद ने बाजारवाद के इस विकराल रूप को अपने दौर में ही ताड़ लिया हो. इसलिए उन्होंने हामिद जैसे करेक्टर को रचा. हामिद मेरे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण चरित्र है. यह बच्चा हर तरह से संवेदनशील है, चीजों की समझ है, उसमें रिश्तों की ऊष्मा है. और सबसे बड़ी बात कि वह बाजार के झांसे से दूर है.

मेरे लिए प्रेमचंद की ईदगाह का हामिद इस बाजारवाद के खिलाफ खड़ा चरित्र है. उसे बाजार की मिठाइयां नहीं लुभातीं, उसे खिलौनों से प्रेम तो है पर वह उसे इस हद तक परेशान नहीं कर पाते कि वह उन्हें खरीदने के लिए उतावला हो जाए. बल्कि वह थीर मन से घर की जरूरतों के बारे में सोचता है और अंततः खरीदता है लोहे का एक चिमटा. इतना ही नहीं वह बहस में अपने साथियों को उनके खिलौने और मिठाइयों की क्षणभंगुरता समझाता है और चिमटे के दीर्घकालिक इस्तेमाल से परास्त करता है. काश कि आज के बच्चे हामिद का और रिफाइंड रूप होते.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	6	5	2	13
2. जापान	6	2	4	12
3. द. कोरिया	5	3	2	10
4. ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	9
23. भारत	0	0	2	2

ब्रीफ खबरें

अमित पंघाल को मिली पहले मैच में हार

पेरिस। भारत के अनुभवी मुक्केबाज अमित पंघाल मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक मुक्केबाजी स्पर्धा में 51 किग्रा वर्ग के राउंड 16 में अफ्रीकी खेलों के चैंपियन जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से 1-4 से हारकर बाहर गये. अमित पंघाल पुरुषों के 51 किग्रा राउंड ऑफ 16 बाउट में जाम्बिया के पैट्रिक चिनयेम्बा से 1-4 से हार गए. उनको अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। अमित पंघाल अच्छी शुरुआत नहीं कर पाए थे. उनको पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह कमबैक नहीं कर पाए.

मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष बनने को तैयार

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के निवर्तमान अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की 'रोटेशन' नीति के अंतर्गत इस साल के अंत में इसके अगले अध्यक्ष बनने को तैयार हैं. हाल में एसीसी की बैठक में अध्यक्ष पद के मामले पर चर्चा की गई थी जिसमें नकवी अगले प्रमुख बनने की दौड़ में हैं. एक सूत्र ने कहा, 'जब एसीसी इस साल के अंत में बैठक करेगी तो यह पुष्टि करेगी कि नकवी दो साल के कार्यकाल के लिए अगले अध्यक्ष होंगे. ' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह निवर्तमान एसीसी अध्यक्ष हैं और एक साल का विस्तार मिला था.

पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन स्थगित

पेरिस। सीन नदी में पानी की गुणवत्ता की चिंताओं के कारण मंगलवार को होने वाली पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन को स्थगित कर दिया गया है. सीन नदी पर इस खेल की तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया जाना है. आयोजकों ने कहा कि वे पुरुषों की ट्रायथलॉन को बुधवार को आयोजित करने का प्रयास करेंगे. महिलाओं की प्रतियोगिता भी बुधवार को निर्धारित है, लेकिन इन दोनों का आयोजन पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा.मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार, बुधवार और गुरुवार की शाम को तूफान आ सकता है जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है.

ओलंपिक में सात माह की गर्भवती ले रही हिस्सा

पेरिस। मिस्र की तलवारबाज नदा हाफेज ने पेरिस ओलंपिक की तलवारबाजी स्पर्धा में हिस्सा लेने के बाद खुलासा किया कि वह सात महीने गर्भवती हैं.सोमवार को महिलाओं की सेबर स्पर्धा में राउंड 16 में पहुंचने के कुछ घंटो बाद हाफेज ने अपने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया कि 'उनके गर्भ में एक लिटिल ओलंपियन' पल रहा है.कैरो की 26 साल की तलवारबाज ने अमेरिका की एलिजाबेथ टार्टाकोवस्की को हराकर उलटफेर किया लेकिन इसके बाद कोरिया की जियोन हेयंग से हार गईं. हाफेज ने लिखा, 'मेरे बच्चे और मैंने अपनी चुनौतियों का सामना किया, भले ही ये शारीरिक और भावनात्मक हों.

एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली बनी पहली भारतीय

मनु भाकर ने रचा इतिहास

एजेंसी।शेटराउ

- सरबजोत के साथ भारत को दिलाया दूसरा कांस्य
- 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराया

आत्मविश्वास से भरी मनु भाकर ने स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर कांस्य पदक जीता .

भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16 . 10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया . इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था . तोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया . ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे लेकिन वह उपलब्धि आजादी से पहले की थी . मनु को अभी 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी उतरना है और उनके पास तीसरा पदक जीतने का भी मौका है. सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे .मनु और सरबजोत ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 स्कोर करके कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी . मनु ने जीत के बाद कहा ,' मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं . सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद .' उन्होंने कहा ,' हम विरोधी टीम के प्रदर्शन पर नियंत्रण नहीं कर सकते लेकिन अपना प्रदर्शन तो अपने साथ में है . मैने और मेरे जोड़ीदार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अंत तक जुझारूपन नहीं छोड़ा .' तोक्यो में मनु और सौरभ चौधरी इस स्पर्धा के फाइनल में क्वालीफाई नहीं कर सके थे और सातवें स्थान पर रहे थे .

अंबाला के निशानेबाज सरबजोत पर व्यक्तिगत वर्ग में नाकाम रहने के बाद अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव था . उन्होंने कहा ,' मुझे अच्छा लग रहा है. मुकाबला काफी कठिन था और काफी दबाव था .' भारत की शुरूआत खराब रही जब सरबजोत का पहला शॉट 8 . 6 रहा लेकिन मनु ने 10 . 2 बनाया . कोरियाई जोड़ी ने कुल 20 . 5 स्कोर करके 2 . 0 की बढत बना ली . मिश्रित टीम वर्ग में पहले 16 अंक तक पहुंचने वाली टीम विजयी रहती है . पहला सेट हारने के बाद मनु ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए सिर्फ तीन बार 10 से कम स्कोर किया . इसके बाद से कोरियाई टीम के लिये वापसी करना मुश्किल हो गया था . मनु अब दो अगस्त को 25 मीटर महिला पिस्टल क्वालीफिकेशन के लिय उतरेंगी . उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था .बाईस वर्ष की मनु नौ विश्व कप स्वर्ण पदक भी जीत चुकी है. वहीं सरबजोत भी विश्व चैम्पियनशिप, विश्व कप और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता है .

टेबल टेनिस: मनिका राउंड 16 में पहुंची, रचा इतिहास

- मनिका ने फ्रांस की प्रीथिका को 4-0 से हराया

पेरिस। मनिका बत्रा का पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन जारी है. भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की प्रीथिका पावड़े को लगातार चार गेमों में हराकर महिला एकल के राउंड 16 में अपनी जगह पक्की कर ली. बत्रा ने 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से राउंड 32 में पावड़े को हराया. अपनी इस जीत के साथ मनिका ओलंपिक में राउंड 16 के दौर में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं.टूर्नामेंट में 18वीं वरीयता प्राप्त और विश्व में 28वें स्थान पर काबिज 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका ने इससे पहले पेरिस ओलंपिक में विश्व की 103वें नंबर की खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी पर 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 अपनी पहली जीत हासिल की थी.मनिका को पहले गेम में बायें हाथ की खिलाड़ी के खिलाफ सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई और यह काफी करीबी मुकाबला रहा. मनिका ने अखिरी तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता. दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई मौका नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई.

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम की लय तीसरे गेम में जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई, लेकिन प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया. प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गई और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया. मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच प्वाइंट हासिल किए.

नौकायन खिलाड़ी बलराज फाइनल में पांचवें स्थान पर

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक में नौकायन में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि बलराज पंवार पुरुषों की एकल स्कल में अपनी हीट रेस में पांचवें स्थान पर रहे और अब 13वें से 24वें स्थान के लिये खेलेंगे . 25 वर्ष के पंवार ने क्वार्टर फाइनल में चौथी हीट में सात मिनट और 5 . 10 सेकंड का समय निकाला . वह सेमीफाइनल सी . डी में खिसक गए जिसके मायने हैं कि ये खिलाड़ी 13वें से 24वें स्थान के लिये उतरेंगे . पंवार रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे . वह शनिवार को पहले दौर की हीट रेस में चौथे स्थान पर रहकर रेपेचेज में पहुंचे थे . चार क्वार्टर फाइनल हीट में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल ए . बी में पहुंचे जो पदक के लिये मुकाबला करेंगे .

ऑलेक्ज़ेंडर उसिक यूक्रेनी खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस पहुंचे

एजेंसी।पेरिस

विश्व हैवीवेट मुक्केबाजी चैंपियन ऑलेक्जेंडर उसिक युद्ध की विभीषिका झेल रहे यूक्रेन के खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस आए हैं. उसिक ने सोमवार को पेरिस में यूक्रेनी हाउस का दौरा किया और वहां से उन्होंने तलवारबाजी प्रतियोगिता देखी जिसमें यूक्रेन की ओल्गा खारलान ने महिलाओं की व्यक्तिगत साबर में कांस्य पदक जीता, जो वर्तमान ओलंपिक खेलों में यूक्रेन का पहला पदक है. यूक्रेन की तलवारबाज के पदक जीतने के बाद उसिक ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'मेरी व्यक्तिगत इच्छा थी और शायद मैं जानता था कि ओल्गा उन उन खिलाड़ियों में शामिल है जो यूक्रेन के लिए पदक जीत सकती है.' उसिक ने उम्मीद जताई कि इन खेलों के आगे बढ़ने के साथ यूक्रेन के खिलाड़ी अधिक पदक जीतेंगे. उन्होंने इसके साथ ही कहा कि युद्ध की मार झेल रहे यूक्रेन की ओलंपिक में उपस्थिति बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, 'हमारा देश युद्ध की मार झेल रहा है लेकिन इसके बावजूद हमारे खिलाड़ी यहां पहुंचे. वे कई मोर्चों पर एक साथ लड़ रहे हैं. हम अपने उन सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो यहां हमारे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.'

जोकोविच ने मॉन्ट्रियल ओपन से नाम वापस लिया

मॉन्ट्रियल । नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में राफेल नडाल पर जीत के बाद अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले जाने वाले मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया. जोकोविच ने ओलंपिक पुरुष एकल के दूसरे दौर में सोमवार को यहां नडाल को सीधे सेटों में हराया. जोकोविच की छह अगस्त से शुरू होने वाले नेशनल बैंक ओपन एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता में भाग लेने की योजना थी लेकिन आयोजकों ने बताया कि उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है. सर्बिया के इस टेनिस खिलाड़ी ने रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं लेकिन वह अभी तक ओलंपिक स्वर्ण पदक नहीं जीत पाए हैं.मॉन्ट्रियल ओपन में उनके स्थान पर रोमन सैफुलिन को मुख्य ड्रॉ में जगह दी गई है.

सात्विक और चिराग की जोड़ी ग्रुप सी में शीर्ष पर

ओलंपिक बैडमिंटन

एजेंसी।पेरिस

एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक की दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा में मुहम्मद रियान अर्दिआंतो और फजर अल्फियान की इंडोनेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया.दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी ने अर्दियांतो और अल्फियान की दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21-13, 21-13 से हराया. ये दोनों जोड़ियां पहले ही अंतिम आठ में जगह बना चुकीं थी और इस मुकाबले से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला हुआ. भारतीय जोड़ी ने ग्रुप में अपने सभी मैच जीते. अर्दियांतो और अल्फियान के खिलाफ छह मैचों में सात्विक और चिराग की यह चौथी जीत है. सात्विक और चिराग की जोड़ी ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल टीम है. खेल की वैश्विक संचालन संस्थान बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा है कि पुरुष युगल के नॉकआउट दौर के लिए ड्रॉ बुधवार को होगा. भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही प्रत्येक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन सात्विक और चिराग की जोड़ी पूरे मुकाबले के दौरान एक बार भी नहीं पिछड़ी. दोनों जोड़ियों ने तेज खेल दिखाया जिससे शुरुआत में अधिक रैली नहीं दिखीं.

भारत ने आयरलैंड को 2-0 से हराया

एजेंसी।पेरिस

हरमनप्रीत सिंह ने दागे दो गोल

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक खेलों के पूल बी मुकाबले में आयरलैंड को 2-0 से हराया. भारत ने इस तरह पेरिस खेलों में अजेय अभियान जारी रखा है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे और टीम को बढ़त दिलाई जो अंत तक बरकरार रही. हरमनप्रीत ने सबसे पहले 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल किया. फिर दूसरे क्वार्टर में 19वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी. भारत ने इससे पहले न्यूजीलैंड को हराया था, जबकि रियो ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था.

भारत ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए रखी है. अब अंतिम 15 मिनट का खेल शेष है. भारत की नजरें जहां इस बढ़त को बनाए रखने की होगी, जबकि आयरलैंड की टीम वापसी करना चाहेगी.भारतीय टीम ने दूसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए हुई है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दोनों गोल किए. स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल के जरिए भारत की बढ़त दोगुना कर दी. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदानी गोल के जरिए गोल दागा. भारत ने इस तरह दूसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 19वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया है. पहला क्वार्टर खत्म होने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने आयरलैंड के खिलाफ बढ़त बना ली है. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहले क्वार्टर में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल दाग टीम को हरमनप्रीत सिंह ने पहले ही क्वार्टर में गोल कर भारत को आयरलैंड के खिलाफ शुरुआत बढ़त दिला दी है. हरमनप्रीत ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलने में कोई भूल नहीं की. कप्तान के इस प्रयास से भारतीय टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है.

ओलंपिक तीरंदाजी

भजन अंतिम 32 में पहुंची

पेरिस । भारतीय तीरंदाज भजन कौर ने ओलंपिक के महिला एकल वर्ग में मंगलवार को यहां इंडोनेशिया की साइफा नूरफीफा कमाल को 7-3 से शिकस्त दी जबकि अंकिता भकत को पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर से 4-6 हार का सामना करना पड़ा. भजन ने शुरुआती सेट में साइफा के साथ अंक साझा किये जबकि इंडोनेशिया की तीरंदाज ने दूसरे सेट को जीतकर भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बना दिया. क्वालीफिकेशन में 22वें स्थान पर रहने वाली भजन ने इसके बाद दबाव में शानदार खेल दिखाया.उन्होंने तीसरे सेट में अच्छी वापसी करते हुए 10-10 के दो निशाने के साथ 29 का स्कोर किया.भजन ने चौथे सेट में साइफा के 25 के मुकाबले 27 अंक जुटाकर 5-3 की बढ़त बनायी और फिर आखिरी सेट में 25 के मुकाबले 28 अंक बनाकर जीत पक्की कर ली.इससे पहले अंकिता पोलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ बढ़त लेने बाद लय गंवा बैठी. पहला सेट गंवाने के बाद अंकिता ने दूसरे और तीसरे सेट को जीत कर अच्छी वापसी की थी लेकिन पोलैंड की निशानेबाज ने आखिरी दो सेट में शानदार एकाग्रता दिखाते हुए जीत दर्ज की.

सफलता

रोलां गैरां में दर्शक का राफा राफा का शोर, चेयर अंपायर ने शांत कराया

पेरिस ओलंपिक में दिख रही है दर्शकों की भारी उपस्थिति

एजेंसी।पेरिस

खास बातें

- रफेल नडाल के प्रवेश करते ही दर्शकों के शोर से गूंजा
- जूडो से लेकर जिमनास्टिक व तैराकी तक दर्शकों की भीड़

रफेल नडाल ने सोमवार को जैसे ही नोवाक जोकोविच के खिलाफ मैच खेलने के लिए रोलां गैरां में प्रवेश किया दर्शक राफा राफा चिल्लाने लगे. शोर इतना ज्यादा था कि चेयर अंपायर को दर्शकों को खेल के दौरान शांत रहने के लिए कहना पड़ा. पेरिस ओलंपिक और पिछले दो ओलंपिक खेलों में जो सबसे बड़ा अंतर है वह है दर्शकों की उपस्थिति और उनका शोर. जूडो से लेकर तरणताल तक और जिमनास्टिक से लेकर सर्फिंग तक हर जगह है दर्शक अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं. उनके शोर ने मानो ओलंपिक खेलों में नई जान भर दी है.कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेलों को एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया था और 2021 में उनका आयोजन दर्शकों के बिना किया गया. इसके बाद बीजिंग में 2022 में खेले गए शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भी यही स्थिति थी. इस तरह से पेरिस ओलंपिक महामारी के बाद पहले ऐसे ओलंपिक खेल हैं जिनमें दर्शकों को आने की अनुमति मिली है. अपनी 14 वर्षीय बेटी एली को तैराकी करते हुए देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया से 23 घंटे की उड़ान और दक्षिण कोरिया में एक रात बिताने के बाद यहां पहुंचे जोडी लिन्से ने कहा,''यह हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा है.' पिछले ओलंपिक खेलों में खिलाड़ियों के परिजनों को आने की अनुमति नहीं थी. इन खेलों में खिलाड़ियों को भी दर्शकों की भारी कमी महसूस हुई थी.

ब्रिटेन की किम्बरली वुड्स ने पेरिस में महिलाओं की कयाक एकल स्लैम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद कहा,''मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जिसे दर्शकों के शोर के बीच अच्छा प्रदर्शन करने की आदत है. तोक्यो में इसकी बड़ी कमी खली और तब मुझे संघर्ष करना पड़ा था. यहां दर्शकों ने वास्तव में मुझे प्रेरित किया.

'जोकोविच और नडाल के बीच सोमवार को खेले गए मैच को देखने के लिए दर्शक काफी पहले से कतार लगाए हुए खड़े थे. भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि मीडिया के लिए आरक्षित जगह में भी दर्शक घुस गए थे. नडाल इस मैच में हार गए थे लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि दर्शकों ने उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया यहां फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के चैंपियन नडाल ने कहा,''जब भी मैं यहां खेलता हूं तो मुझे लगता है मैं घर में खेल रहा हूं. यह स्थान मेरे लिए बेहद खास है. मैं दर्शकों के समर्थन का पूरा आनंद लेता हूं.

पेरिस ओलंपिक पर बारिश के बाद अब लू का खतरा

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत उद्घाटन समारोह में बारिश के साथ हुई थी जिसने दर्शकों के साथ खिलाड़ियों को भी तर कर दिया था, लेकिन अब यहां लू का खतरा मंडराने लगा है. मंगलवार को यहां तेज गर्मी महसूस की गई और राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि फ्रांस के अधिकांश हिस्से में लू की चेतावनी जारी की गई है तथा पेरिस और आसपास के इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक तक पहुंचने की संभावना है.फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में गर्मी अधिक कहर बरपा सकती है. इसमें भूमध्य सागर का तटीय शहर मार्सिले भी शामिल है, जो फुटबॉल और नौकायन जैसी ओलंपिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है. सोमवार को दक्षिणी फ्रांस के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक था. मंगलवार को इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है .बारिश के कारण खेलों की खराब शुरुआत के बाद आयोजक अब खिलाड़ियों और दर्शकों को गर्मी से बचने के लिए आगाह कर रहे हैं. मौसम विभाग में इसके साथ ही अगले दो दिनों में यहां शाम को तूफान आने की भविष्यवाणी भी की है.

ब्रीफ खबरें

बच्चों के बीच विवाद में बुजुर्ग को मारी गोली

नालंदा । नालंदा में 10 दिन पूर्व बच्चों के बीच हुए विवाद में बदमाशों ने मंगलवार की सुबह घर के बुजुर्ग को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया. मामला चंडी थानाक्षेत्र के घोराही गांव का है. घायल की पहचान रमेश पासवान के रूप में हुई है. घायल रमेश ने बताया कि गांव के ही पासवान के बच्चों से उनके बच्चों का विवाद हुआ था. जख्मी हालत में उन्हें इलाज के लिए चण्डी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

वैशाली । वैशाली में हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास पैसेंजर ट्रेन से गिरकर एक रेल यात्री ट्रेन की चपेट में आ जाने के कट गया. जहां उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. हालांकि घटना की सूचना मिलते ही हाजीपुर रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी. क्षत विक्षत शव के पास पड़ा मोबाइल भी पूरी तरह से टूट चुका था. टूटे मोबाइल से निकले सिम कार्ड को रेल पुलिस ने दूसरे फोन में लगाकर घटना की सूचना उसके परिजनों को दी. जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान सिवैसी गांव निवासी आफताब आलम के 20 वर्षीय पुत्र के तौर पर हुई है.

डकैतों ने व्यवसायी के घर में की लूटपाट

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में सोमवार की रात डकैतों ने एक कपड़ा व्यवसायी के घर में जमकर उत्पात मचाया. करीब 10 की संख्या में आये डकैतों ने घर में घुसकर लूटपाट की. साथ ही तीन लोगों पर चाकू से वार कर घायल कर दिया. हालांकि, एक डकैत को घर वालों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है. घटना सुगौली के सरगम सिनेमा रोड में रेडीमेड कपड़ा व्यवसायी ओमप्रकाश बरनवाल के घर पर हुई है. पीड़ित व्यवसायी के परिजनों ने बताया कि रात में दो बजे के करीब 10 की संख्या में डकैत बांस के सहारे घर में घुसे.

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मंगलवार को पटना में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

बिहार में भी अब हिंदी में होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

संवाददाता । पटना

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हिन्दी में बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की पढ़ाई होती है. इसी तर्ज पर अब बिहार सरकार ने भी राज्य में हिन्दी माध्यम से एमबीबीएस की पढ़ाई कराने का फैसला लिया है. सरकार के इस फैसले से उन छात्रों को ज्यादा फायदा होगा, जिनकी मातृभाषा हिन्दी है. भागलपुर के जेएलएनएमसीएच समेत राज्य के मेडिकल कॉलेजों में इसकी तैयारी चल रही है.

पटना स्थित आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से मेडिकल कॉलेज को पाठ्यक्रम और किताबें भेजी जाएंगी और छात्रों को हिंदी माध्यम से पढ़ाने के लिए शिक्षकों का भी चयन किया जाएगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने का फैसला लिया है. इसके लिए सिलेबस और किताबें आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार किया जाएगा.

एमबीबीएस की पढ़ाई में इस बड़े बदलाव से उन छात्रों को पढ़ाई में सुविधा होगी, जिन्होंने हिन्दी माध्यम से स्कूली शिक्षा हासिल की है. क्योंकि, ऐसे छात्रों को अंग्रेजी में पढ़ाई करने में भारी परेशानी झेलनी पड़ती है. एमबीबीएस की पढ़ाई हिन्दी माध्यम से होने पर वो मेडिकल की पढ़ाई अच्छी तरह कर पाएंगे और ज्यादा अच्छे तरीके से किताबों को भी समझ पाएंगे. हिंदी में एमबीबीएस की किताबें खरीदने के लिए, अधिकारिक रूप से निविदा भी जारी कर दिया गया है.

बेगूसराय का मामला : परिजनों में छाया मातम

गंगा स्नान के वक्त डूबे चार छात्र एक छात्र की डूबने से हुई मौत

- घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपराघाटी मुंगेर गंगा घाट की है
- मृतक छात्र की पहचान मदन मोहन कुमार शर्मा के रूप में हुई है
- चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था

संवाददाता । बेगूसराय

छात्र की खोज में एनडीआरएफ की टीम

बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान चार छात्र डूब गए, जिनमें से तीन छात्रों को स्थानीय गोताखोर द्वारा किसी तरह बाहर निकाल कर जान बचा ली गई. जबकि एक छात्र को नहीं बचाया जा सका. मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया. घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपराघाटी मुंगेर गंगा घाट की है. मृतक छात्र की पहचान बलिया ऊपर टोला निवासी उपेंद्र शर्मा के बेटे मदन मोहन कुमार शर्मा (18) के रूप में की गई है. जानकारी के मुताबिक, मदन मोहन कुमार शर्मा अपने चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था. स्नान करने के दौरान गंगा नदी में चारों दोस्त डूबने लगे. इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने चारों दोस्तों को डूबते देखा. आनन-फानन में गोताखोर ने पानी में कूद कर तीन छात्रों को किसी तरह गंगा नदी के पानी से निकालकर जान बचा ली. लेकिन एक छात्र मदन मोहन कुमार शर्मा को नहीं बचा सके, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई. हालांकि इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने साहेबपुर कमाल थाना पुलिस को दी. सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया. फिर आगे की कार्रवाई में जुट गई. जानकारी के अनुसार, मृतक मदन मोहन कुमार शर्मा दसवीं का छात्र था. इस संबंध में साहेबपुर कमाल थाना अध्यक्ष ने बताया कि गंगा स्नान करने के दौरान एक छात्र की डूब कर मौत हो गई है.

मां ने तालाब में लगाई छलांग, बचाने के लिए कूदे दो बेटे, तीनों की मौत

बांका । बांका थाना क्षेत्र के जनकपुर गांव के तालाब से मंगलवार को दो नाबालिग के साथ एक महिला का शव बरामद किया गया है. तालाब से तीन के शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. मृतकों की पहचान जनकपुर निवासी संजय यादव की पत्नी मीना देवी (29 वर्ष) समेत उनके दो पुत्र अजीत कुमार (14 वर्ष) और बिट्टू कुमार (11 वर्ष) के रूप में हुई है. वहीं, पुलिस के अनुसार बच्चों ने मां को उसके प्रेमी के संग देख लिया था, जिसके बाद यह घटना हुई है. वहीं, इस मामले की उसके पति सहित अन्य परिवार वालों को कोई जानकारी नहीं है. बताया जा रहा है कि संजय यादव कोलकाता में रहकर कुछ काम करता है.

मुंबई से चोरी 10 लाख की घड़ियां बरामद

लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही पुलिस

- मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया था

संवाददाता । मोतिहारी

मुंबई में शटर तोड़कर हुई 25 लाख की घड़ी चोरी मामले में मुंबई पुलिस ने मोतिहारी पुलिस की मदद से मोतिहारी के घोड़ासहन में छापामारी कर करीब 10 लाख की घड़ी बरामद की है. स्थानीय पुलिस के सहयोग से घोड़ासहन के हसन नगर में स्थित मोबिन देवान के घर में छापामारी कर उक्त चोरी की घड़ियां बरामद की गई हैं. उसके बाद मुंबई पुलिस बरामद हुई घड़ियों को अपने साथ ले गई. जानकारी के अनुसार, बीती 19 जुलाई की सुबह शटर कटवा गिरोह के बदमाशों ने एक घड़ी शोरूम का शटर तोड़ कर 25 लाख की महंगी घड़ियां चुरा ली थीं. उसके बाद मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया था. अब उसकी निशानदेही पर उसके घर में ही छापामारी कर उक्त घड़ियां बरामद की गई हैं. मुंबई पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है.

गौरतलब है कि मोतिहारी के घोड़ासहन का शटर कटवा गिरोह पूरे देश में कुख्यात है. लगभग देश के कोने-कोने की पुलिस लगातार घोड़ासहन में किसी न किसी मामले को लेकर छापामारी करती रहती है. बता दें कि पिछले दो दिन पहले ही महाराष्ट्र पुलिस 53 लाख के आईफोन चोरी मामले में घोड़ासहन से एक शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य को मोतिहारी पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर अपने साथ मुंबई ले गई थी.

काजल हत्याकांड
अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

भागलपुर । जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मोगलपुरा में तीन साल पूर्व हुई बहुचर्चित गर्भवती काजल हत्याकांड मामले में न्यायालय ने मोगलपुरा की लेडी डॉन जेबा खान और उसके देवर इंतसार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. बीते 25 जुलाई को एडीजे-5 सुदेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत में दोनों को दोषी करार दिया था.

शिक्षक अभ्यर्थियों को अब तीन की जगह पांच मौके मिलेंगे

पटना । बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से ली जाने वाली चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में बैठने के अवसर तीन की जगह अब पांच होंगे. दरअसल बीते 15 मार्च को शिक्षा विभाग की ओर से बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियमावली 2023 में संशोधन कर अवसरों की संख्या पांच कर दी गई थी, लेकिन तीसरी बार ही शिक्षक नियुक्ति परीक्षा लेने के कारण किसी अभ्यर्थी को बढ़े हुए अवसर की जरूरत नहीं थी. ऐसे में अब चौथे चरण में होने वाली बहाली में यह नियम लागू होगा. वहीं सरकार ने 1.60 लाख शिक्षकों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है. जानकारी के अनुसार वर्तमान में करीब तीन लाख अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्होंने टीआरई-1, टीआरई-2 और टीआरई-3 में अपने तीनों अवसर का इस्तेमाल कर लिया है.

कारोबार

बंधन बैंक के शेयर में 13% से अधिक की तेजी

नयी दिल्ली । निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के शेयर में 13 प्रतिशत से अधिक तेजी आई. कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने की जानकारी देने के बाद उसके शेयर में तेजी आई. बीएसई पर शेयर 11.97% बढ़ कर 215.50 रुपये पर पहुंच गया. एनएसई पर यह 13.35 प्रतिशत चढ़कर 218.20 रुपये पर रहा. बंधन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का अप्रैल-जून तिमाही का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 47% बढ़कर 1,063 करोड़ रुपये हो गया.

एनबीसीसी को 411.45 करोड़ का मिला ठेका

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी की शाखा को महाराष्ट्र में एक नए मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण के लिए 411.45 करोड़ रुपये का ठेका मिला है. एनबीसीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एचएससीसी (इंडिया) लिमिटेड को हाल ही में बुलढाणा में 100 छात्र क्षमता वाले नए सरकारी मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण का ठेका दिया गया है. यह ठेका उसे महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा और आयुष ने दिया है.

एलएंडटी की शाखा ने किया समझौता

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई ने मुंबई में एक रियल एस्टेट परियोजना के विकास के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है. एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड रियल एस्टेट विकास व्यवसाय में है. एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई में रियल एस्टेट परियोजना विकसित करने के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है.

देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा

भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 5% घटी : डब्ल्यूजीसी

- दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में सोने की मांग में गिरावट आई है. सोने की मांग में यह गिरावट कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग पांच फीसदी घटकर 149.7 टन रह गई है. हालांकि, इस दौरान देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 182.3 टन था. विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून 2024 तिमाही में सोने की मांग घटकर 149.7 टन रह गई, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 158.1 टन थी. हालांकि, मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 82,530 करोड़ रुपये रही थी.

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में सोने की कीमतें आसमान छू गई, जिससे 24 कैरेट सोने के दाम रिकॉर्ड प्रति 10 ग्राम 74,000 रुपये को पार कर गई. अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अप्रैल-जून तिमाही में सोने की औसत कीमत 2,338.2 अमेरिकी डॉलर रही, जबकि 2023 की इसी अवधि में यह 1,975.9 अमेरिकी डॉलर थी. वहीं, रुपये के संदर्भ में दूसरी तिमाही में सोने की औसत कीमत 62,700.5 रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 52,191.6 रुपये (आयात शुल्क और जीएसटी को छोड़कर) रही थी. दूसरी तिमाही 2024 सोना मांग रुझान' रिपोर्ट के मुताबिक सोने की वैश्विक मांग में वृद्धि दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में मांग 4.16 फीसदी बढ़कर 1,258.2 टन हो गई. रिपोर्ट के अनुसार 2023 की दूसरी तिमाही में सोना की कुल वैश्विक मांग 1,207.9 टन थी, जो 2024 में बढ़कर 1,258.2 टन हो गई.

डब्ल्यूजीसी के सीईओ सचिन जैन ने जारी बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की सोने की मांग में एक साल पहले की तुलना में 5 फीसदी की गिरावट आई है लेकिन आयात करों में कटौती के बाद स्थानीय कीमत में सुधार के कारण 2024 की दूसरी छमाही में खपत में सुधार होने की उम्मीद है.

अब टाटा मोटर्स है देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी, मारुति सुजुकी को दी पटखनी

एजेंसी । नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को पछाड़ दिया है. टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 48 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है. उधर, मारुति सुजुकी का मार्केट कैप फिलहाल 47.6 अरब डॉलर ही है. इसके साथ ही टाटा मोटर्स मार्केट कैप के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बन गई है. इसके साथ ही टाटा ग्रुप की कार निर्माता कंपनी अब दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में 388वें नंबर पर आ गई है.

टेस्ला इंक: एलन मस्क के नेतृत्व वाली अमेरिकन कंपनी टेस्ला 704 अरब डॉलर का मार्केट कैप हासिल कर चुकी है. इस इलेक्ट्रिक व्हेकिल निर्माता कंपनी का मार्केट कैप दूसरे नंबर पर मौजूद कंपनी से दोगुने से भी ज्यादा है.

टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन : जापान की टोयोटा का मार्केट कैप 299 अरब डॉलर आंका जाता है. इस साल कंपनी के शेयर लगभग 13 फीसदी ऊपर जा चुके हैं. कंपनी की कारें सारी दुनिया में पसंद की जाती हैं.

400 अरब डॉलर वाला पहला कारोबारी ग्रुप बना टाटा

इससे पहले शुक्रवार को टाटा ग्रुप ने अंबानी और अडानी को पीछे छोड़ते हुए 400 अरब डॉलर के पहले भारतीय कारोबारी ग्रुप बनने का गौरव हासिल किया था. मुकेश अंबानी का रिलायंस ग्रुप 277 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दूसरे स्थान पर और गौतम अडाणी के नेतृत्व वाला अडाणी ग्रुप 206 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है. हालांकि, अगर हम दुनिया की 10 सबसे बड़ी कार कंपनियों पर नजर डालें तो उनमें भारत की कोई भी कंपनी शामिल नहीं है. सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा मोटर्स का इस लिस्ट में 12वां स्थान है.

कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

एजेंसी । नयी दिल्ली

आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है. एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे. यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है. वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी. कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला. ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए, आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है. सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है. सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा. यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है.

फर्जी दावे करना दंडनीय अपराध : आयकर विभाग ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और न ही आय को कम बताएं या कटौतियों को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं क्योंकि ऐसा करना दंडनीय अपराध है.

पेट्रोल-डीजल स्थिर, कच्चा तेल 82 डॉलर के करीब

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये है.

आरबीआई रिपोर्ट | दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही

साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में बढ़ोतरी हुई

एजेंसी । नयी दिल्ली

एक तरफ सरकार साइबर सुरक्षा बढ़ाने में लगी है तो दूसरी ओर ठग हर हथकंडे अपनाकर ठगी को अंजाम देने में लगे हैं. कहीं पैसे तो कहीं डेटा ही चोरी कर रहे हैं. इस वजह से देश में डेटा चोरी के मामले बढ़ गए हैं. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की हालिया रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है. आरबीआई के मुताबिक साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है. रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में फिशिंग के मामले काफी आम हैं. देश में पिछले साल करीब 22 फीसदी फिशिंग के मामले सामने आए हैं. वहीं इसके बाद चोरी या समझौते वाले मामले सामने आए हैं. यह करीब 16 फीसदी हैं. इस रिपोर्ट का नाम ''साल 2023-24 के लिए करेंसी और फाइनेंस'' है.

इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत साल 2020 के मुकाबले साल 2023 में 28% बढ़ गई है. यह लागत साल 2023 में औसतन 2.18 मिलियन डॉलर (करीब 18.25 करोड़ रुपये) थी. हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि लागत में क्या शामिल है या इसे कौन वहन करता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि कई इंडस्ट्री ऐसी हैं जिन पर साइबर अटैक का हमला ज्यादा हो सकता है यानी वे साइबर हमलों से निपटने के लिए असुरक्षित हैं. इसमें ऑटोमोटिव इंडस्ट्री ऐसी घटनाओं के लिए सबसे अधिक असुरक्षित है. वहीं रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर साइबर हमलों से निपटने में ज्यादा सुरक्षित है. रिपोर्ट के मुताबिक साइबर हमलों में तेजी ऐसे समय हुई है जब भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. यह वर्तमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 फीसदी है. इसके साल 2026 तक दोगुना होने की उम्मीद है. वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय रियल टाइम पेमेंट में सबसे आगे है. यह वैश्विक बाजार का 48.5% है.

रिपोर्ट में डेटा चोरी पर विस्तार से बताया गया है. आरबीआई के अनुसार दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही. यह पिछले 3 साल में 15 फीसदी ज्यादा है. रिजर्व बैंक का मानना है कि दुनियाभर में साइबर क्राइम साल 2028 तक 13.82 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा. रिजर्व बैंक साइबर सिक्योरिटी को बढ़ावा देने के लिए काफी रकम खर्च कर रहा है. साथ ही नई-नई तकनीकों का भी इस्तेमाल कर रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने साइबर सिक्योरिटी में अपना बजट 5 फीसदी तक बढ़ाया है. कुछ समय पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकों को साइबर सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान देने को कहा था.

नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ सौदा पूरा कर लिया

- नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है

एजेंसी । नयी दिल्ली

नवी फिनसर्व ने जे पी मॉर्गन के साथ 3.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 315 करोड़ रुपये) का व्यक्तिगत ऋण प्रतिभूतिकरण सौदा पूरा कर लिया है. सचिन बंसल द्वारा संचालित एनबीएफसी कंपनी ने एक बयान में कहा, 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' (पीटीसी) के रूप में संरचित लेनदेन को असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों के एक समूह द्वारा समर्थित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत तथा सेवा नवी फिनसर्व द्वारा की जाएगी. नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है. पास थ्रू सर्टिफिकेट' एक ऐसा सर्टिफिकेट है जो निवेशक को कुछ निश्चित बंधक-समर्थित प्रतिभूतियों के बदले दिया जाता है जो जारीकर्ता के पास होती हैं. बयान में कहा गया, यह भारत में फिनटेक क्षेत्र में जे पी मॉर्गन का पहला 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' लेनदेन है. साथ ही यह भारत में पहला असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण समर्थित पीटीसी लेनदेन है. नवी फिनसर्व ने कहा कि कंपनी इस धन का इस्तेमाल अपने डिजिटल व्यक्तिगत ऋण कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए करेगी. भारत में डिजिटल ऋण देने में तेजी आ रही है और यह समग्र भारतीय फिनटेक बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

वायनाड भूस्खलन : सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमों ने मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया

बाल-बाल बचे पीड़ितों ने सुनाई अपनी दर्दभरी दास्तान

एजेंसी। वायनाड

केरल के वायनाड जिले में आए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है हालांकि इस हादसे में बाल-बाल बचे लोग अपने बीते कुछ क्षणों को याद करते हुए सिहर उठते हैं. वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपती ने आपदा के दौरान रात के अंधेरे में सुरक्षित बचने की अपनी हताश कोशिशों का जिक्र किया. उनका घर भूस्खलन में नष्ट हो गया. दंपती अपने क्षेत्र में कीचड़ भरा पानी बहता देख रात 11 बजे ही अपना घर छोड़कर भाग निकले थे. उन्होंने पास की एक पहाड़ी पर शरण लेने से पहले अपने पड़ोसियों को बचाने की कोशिश की थी लेकिन पड़ोसियों ने उनके साथ आने से इनकार कर दिया. बुजुर्ग व्यक्ति ने भावुक आवाज में कहा, "हमने उनसे (पड़ोसियों से) हमारे साथ आने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह देर रात एक बजे हमारे साथ आएंगे और वह कभी नहीं आए."

मेप्पाडी अस्पताल में भारी भीड़ : उन्होंने कहा कि वे सुबह तक पहाड़ी की चोटी पर इंतजार कर रहे थे और जब वे वापस आए, तो पूरा इलाका तबाह हो चुका था. एक अन्य महिला ने रोते हुए संवाददाताओं से कहा कि उसके रिश्तेदार ने उसे फोन किया और कहा कि वे अपने बच्चे को लेकर घर से भाग रहे हैं. महिला ने कहा कि उसने (रिश्तेदार) मुझे रात में फोन किया और कहा कि वे इस क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे हैं. उनके साथ एक बच्चा था. उसके बाद से उनका फोन नहीं लगा. उस परिवार का अभी तक पता नहीं चल पाया है. मंगलवार को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 93 हो गई है और सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमें मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं. मुंडक्कई के पास मेप्पाडी अस्पताल में घायलों, मृतकों और लापता दोस्तों व रिश्तेदारों की तलाश कर रहे लोगों की भीड़ लगी हुई है.

सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. गांवों में तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. प्रेट्र

लोगों ने फोन पर रोते हुए मदद की गुहार लगायी

वायनाड जिले की ऊंचाई पर स्थित बस्तियों में मंगलवार को तड़के भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग लगातार फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. टेलीविजन चैनलों ने कई लोगों की फोन पर बातचीत प्रसारित की जिसमें वे रो रहे थे तथा खुद को बचाने का अनुरोध कर रहे थे क्योंकि वे या तो अपने घरों में फंस गए या पुलों के बह जाने तथा सड़कों के जलमग्न होने के कारण उनके पास वहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है. ऐसी ही एक बातचीत में चूरलमाला शहर की निवासी एक महिला को जोर-जोर से रोते हुए यह कहते सुना गया कि उसके घर में कोई व्यक्ति मलबे में फंस गया है और उसे बाहर नहीं निकाला जा सका. महिला को यह कहते हुए सुना गया, 'कृपया कोई आए और हमारी मदद करे. हमने अपना घर खो दिया है. हमें नहीं पता कि नौशीन (स्पष्ट रूप से परिवार का कोई सदस्य) जीवित है या नहीं. वह दलदल में फंस गयी है. हमारा घर शहर में ही है.' चूरलमाला के एक और निवासी ने फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि उनका मकान अब भी हिल रहा है और उन्हें नहीं पता कि क्या किया जाए. उसने कहा, 'धरती हिल रही है. इस जगह बड़ा शोर है. हमारे पास चूरलमाला से बाहर आने का कोई रास्ता नहीं बचा है.' एक अन्य व्यक्ति ने फोन पर सूचना दी कि मुंडक्कई में बड़ी संख्या में लोग मलबे में फंसे हैं और जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उसने कहा, 'अगर कोई मेप्पदी इलाके से वाहन से यहां आ सकता है तो हम सैकड़ों लोगों की जान बचा सकते हैं.' एक घायल बुजुर्ग ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि उनकी पत्नी लापता हैं और उन्हें नहीं मालूम कि वह कहां हैं. उन्होंने बताया, 'हम घर में सो रहे थे. अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और हमने बड़े-बड़े पत्थर तथा पेड़ों को हमारे मकान की छत पर गिरते हुए देखा. घर में बाढ़ का पानी घुस गया जिससे घर का दरवाजा टूट गया.' उन्होंने यह भी बताया कि किसी ने उन्हें बचाया और अस्पताल पहुंचाया लेकिन उनकी पत्नी का कुछ अता-पता नहीं है.

बचाव अभियान

गांवों में बड़े पैमाने पर तबाही के निशान छोड़े भूस्खलन ने

वायनाड में ऊंचाई पर स्थित गांवों में मंगलवार को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं के बाद तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. बाढ़ के पानी में बहे वाहनों को कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियों में फंसे और यहां-वहां डूबे हुए देखा जा सकता है. उफनती नदियों ने अपना मार्ग बदल लिया है और वे रिहायशी इलाकों में बह रही हैं, जिससे और विनाश हो रहा है. पहाड़ियों से लुढ़कते बड़े-बड़े पत्थर बचावकर्मियों के रास्ते में बाधा पैदा कर रहे हैं. बचाव कार्यों में जुटे लोगों को भारी बारिश के बीच शवों और घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाते हुए देखा जा सकता है. भूस्खलन की घटनाओं के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ उखड़ गए हैं और बाढ़ के पानी ने हरे-भरे क्षेत्रों को नष्ट कर दिया है. अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन प्रभावित इलाकों में मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं.

कुल्लू में बादल फटने से आई बाढ़ में बह गए पुल व छप्पर

- प्रशासन ने लोगों से नदियों एवं नालों से दूर रहने और अस्थायी ढांचे न बनाने की अपील की

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले के तोश नाला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में पैदल पार करने वाला एक पुल और तीन अस्थायी छप्पर बह गए. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कुल्लू के उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि यह घटना सुबह मणिकरण के तोश इलाके में हुई और इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है. उन्होंने बताया कि स्थिति का आकलन करने के लिए एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई है. उन्होंने कहा, 'लोगों से हमारी अपील है कि वे नदियों एवं नालों से दूर रहें और नालों के पास अस्थायी ढांचे न बनाएं.' उपायुक्त ने कहा कि मानसून के दौरान निर्माण गतिविधि प्रतिबंधित है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. मौसम विभाग ने बुधवार और बृहस्पतिवार को राज्य के सात जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है. दो और तीन अगस्त को भी विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया है.

अब तक 62 जानें गईं करोड़ों का नुकसान

विभाग ने कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की संभावना जताई है तथा निचले इलाकों में तेज हवाएं चलने एवं जलभराव के कारण बागानों और खड़ी फसलों, कमजोर संरचनाओं और कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की चेतावनी भी दी है. इस बीच, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सोमवार शाम से शिमला, सराहन और रोहड़ू में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि संगड़ाह (10 मिमी), जोगिंदर नगर (आठ मिमी), सैंज (6.5 मिमी), मनाली (छह मिमी), रामपुर (5.8 मिमी), धर्मशाला (5.4 मिमी) और गोहर (पांच मिमी) में भी बारिश दर्ज की गई.

मौसम विभाग ने वायनाड और पड़ोसी जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया

तिरुवनंतपुरम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन की चपेट में आए केरल के वायनाड जिले और पड़ोसी मलप्पुरम, कोझीकोड और कन्नूर जिलों के लिए मंगलवार को अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया. आईएमडी ने वायनाड समेत चार जिलों के लिए 'रेड अलर्ट', जबकि तिरुवनंतपुरम और कोल्लम को छोड़कर राज्य के सभी अन्य जिलों के लिए मंगलवार को 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. 'रेड अलर्ट' 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका को दर्शाता है. 'ओरेंज अलर्ट' का मतलब 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर की बहुत भारी बारिश होता है तथा 'येलो अलर्ट' का मतलब छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच बहुत भारी बारिश होता है. मंगलवार को पथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टयम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड और कासरगोड जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है. मौसम विभाग ने मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड और कन्नूर जिलों के लिए बुधवार के लिए भी 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. राज्य सरकार ने मंगलवार को बताया कि भारी बारिश के बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कई दल, दो हेलीकॉप्टर और अन्य बचाव दल मुंडक्कई जा रहे हैं, जिसका वायनाड जिले में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद अन्य हिस्सों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है.

ब्रीफ खबरें

सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में बम की धमकी

फिरोजपुर। जम्मू और राजस्थान के बीच चलने वाली सोमनाथ एक्सप्रेस में बम की सूचना मिलने के बाद, उसे मंगलवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर ट्रेन में बम होने का दावा किया था. सभी यात्रियों को कासू बेगू रेलवे स्टेशन पर उतार लिया गया. सोमनाथ एक्सप्रेस जम्मू तवी व राजस्थान में भगत की कोठी के बीच चलती है.

अफगान राजनयिक मिशन सेवा खारिज

इस्लामाबाद। तालिबान ने कई अफगान राजनयिक मिशन को मंगलवार को अस्वीकृत करते हुए कहा कि वह अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित पूर्व प्रशासन से जुड़े राजनयिकों की ओर से जारी पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को मान्यता नहीं देगा. विदेश मंत्रालय ने कहा कि लंदन, बर्लिन, बेल्जियम, बॉन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, यूनान, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, कनाडा और नॉर्वे स्थित मिशन द्वारा जारी किए गए दस्तावेज अब मान्य नहीं हैं.

स्कूल में कसरत के दौरान 12 बच्चे बेहोश

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में मंगलवार सुबह एक स्कूल में प्रार्थना के बाद कथित रूप से दो बार कसरत और योगासन के लिए मजबूर किए जाने के कारण 12 बच्चे बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एटा जिले के मलावन थाना क्षेत्र के हरचंदपुर में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में हुई. जिलाधिकारी के अनुसार, स्कूल में सुबह प्रार्थना के बाद कसरत करने के दौरान कुछ बच्चे बेहोश हो गए.

मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के विरोध में प्रदर्शन शुरू

- **वेनेजुएला :** विपक्ष ने मादुरो के खिलाफ अपने प्रत्याशी की जीत का सबूत होने का दावा किया

एजेंसी। काराकस

वेनेजुएला में हजारों लोगों के प्रदर्शन के बीच विपक्ष के उम्मीदवार एडमुंडो गोंजालेज ने सोमवार को घोषणा की कि उनके प्रचार अभियान दल के पास जरूरत पड़ने पर यह दिखाने के लिए सबूत है कि उन्होंने देश का राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है, लेकिन चुनावी प्राधिकारियों ने उनके हिस्से की जीत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को दे दी है. गोंजालेज और विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने रविवार को हुए चुनाव में 70 प्रतिशत से अधिक 'टैली शीट' प्राप्त की हैं, जो दिखाती हैं कि गोंजालेज को मादुरो से दोगुने से भी अधिक वोट मिले हैं. दोनों नेताओं ने मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों से शांत रहने की अपील की है. इससे पहले, मादुरो की सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला की वफादार माने जाने वाली राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने मादुरो को आधिकारिक रूप से विजेता घोषित किया था. देश की राजधानी में ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे लेकिन जब राष्ट्रीय पुलिस अधिकारियों ने लोगों को आगे बढ़ने से रोका तो बवाल शुरू हो गया. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया.

निर्माणाधीन घर की छत गिरने से चार मजदूर मरे

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले में सोमवार देर रात एक निर्माणाधीन इमारत की छत गिरने से चार मजदूरों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. राजसमंद के जिला अधिकारी डॉ. भंवर लाल ने बताया, 'खमनोर इलाके में मेघवाल समुदाय के एक सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था. सोमवार देर रात 13 मजदूर वहां काम कर रहे थे कि इसी दौरान छत गिर गई.' लाल ने बताया कि 10 मजदूर छत के मलबे के नीचे दब गए, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. उन्होंने बताया कि पांच घायलों को राजसमंद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक अन्य को गंभीर हालत के कारण उदयपुर जिला अस्पताल ले जाया गया है.

राशन घोटाला : ईडी ने बंगाल में 10 जगहों पर मारी रेड

एजेंसी। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 10 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापे मारे. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि एजेंसी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर राजरहाट, बारासात, बशीरहाट, भांगर और देगंगा इलाकों में व्यापारियों एवं तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के आवासों तथा मिल और कार्यालयों पर छापे मारे. एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'चावल और आटा मिल के साथ-साथ ऐसे व्यवसायियों के कार्यालयों पर भी छापेमारी की गई जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से घोटाले में शामिल हैं. देगंगा के तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के मिल की तलाशी भी ली जा रही है.' उन्होंने बताया कि ईडी अधिकारियों ने उस तृणमूल कांग्रेस नेता के

वाहन की भी तलाशी ली, जिसे राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का करीबी माना जाता है. मलिक को घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है. सोना, कोयला और गौ तस्करी के मामलों में संलिप्त बशीरहाट में संग्रामपुर के एक अन्य व्यवसायी के परिसरों पर भी छापे मारे गए. अधिकारी ने कहा, 'इस व्यवसायी ने राशन वितरण घोटाले के साथ-साथ सोना और ईंट भट्टा कारोबार में भी भारी मात्रा में पैसा लगाया था.' इस व्यवसायी को 2014 में सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था.

मवेशी तस्करी मामला : तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल को जमानत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल को मंगलवार को जमानत दे दी. न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मंडल को इस आधार पर राहत दी कि मामले की सुनवाई में समय लगेगा और वह दो साल से जेल में हैं. हालांकि, तृणमूल नेता जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें नवंबर 2022 में इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी गिरफ्तार किया था. शीर्ष अदालत ने मंडल को जांच में सहयोग करने और पासपोर्ट जमा कराने का निर्देश दिया. मंडल की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि तृणमूल नेता को 11 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया गया था और वह तब से जेल में हैं. मंडल को छोड़कर सभी आरोपी जेल से बाहर हैं और ये न्याय के मखौल जैसा है. रोहतगी ने आरोप लगाया कि उन्हें आरोपपत्र का अंग्रेजी संस्करण उपलब्ध नहीं कराया गया.

फैसला राजस्थान में शिक्षा विभाग के नए सत्र के लिए जारी कैलेंडर से शुरू हुई राजनीतिक बहस

5 अगस्त को 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों के नए सत्र के लिए जारी शैक्षणिक कैलेंडर (शिविरा पंचांग) से राजनीतिक बहस शुरू हो गई है क्योंकि इसमें पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के उपलक्ष्य में 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव है. इसमें 28 मई को वीर सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा भी की गई है. उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था. शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए कैलेंडर शिविरा पंचांग रविवार को जारी किया. इसमें चार फरवरी को सूर्य नमस्कार दिवस, सात फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज

खास बातें

- 28 मई को सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा
- 23 जनवरी सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर मनेगा

जयंती, 14 फरवरी को मदर्स डे-फादर्स डे और 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर शामिल किया गया है. कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्कूलों में, जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जश्न मनाने के भाजपा सरकार के फैसले की आलोचना की.

कांग्रेस का विरोध, भाजपा ने किया फैसले का बचाव

उल्लेखनीय है कि 26 फरवरी को कार्यभार संभालने के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के इतिहास में चित्रण की आलोचना की थी. उनका तर्क था कि पिछली कहानियों में मुगल बादशाह अकबर का गलत तरीके से महिमामंडन किया गया था. उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता संग्राम में सावरकर की भूमिका को इतिहास में गलत तरीके से लिखा गया है. कांग्रेस प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने नए कैलेंडर की निंदा करते हुए कहा कि यह शिक्षा का राजनीतिकरण करने और हिंदुत्व विचारधारा का प्रचार करने का प्रयास है. उन्होंने मंत्री के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया गया है और इसका उद्देश्य छात्रों को सावरकर के बारे में पढ़ाना है, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ने के बजाय उनसे माफी मांगी थी. वहीं भाजपा के प्रवक्ता मुकेश पारीक ने कैलेंडर का बचाव करते हुए कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भाजपा का इरादा छात्रों को सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के बारे में शिक्षित करना है क्योंकि वह मानती है कि इनकी कहानियां उन्हें प्रेरित करेंगी.

राजनीतिक हितों को साधने वाला कदम : कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार का यह कदम शैक्षिक के बजाय राजनीतिक हितों को साधने वाला है. डोटासरा ने कहा, 'कांग्रेस शिक्षा के इस राजनीतिकरण और राज्य सरकार द्वारा छात्रों पर अपनी विभाजनकारी विचारधारा थोपे जाने का विरोध करती है.' इससे पहले प्राथमिक विद्यालय शिक्षा विभाग ने नौ जुलाई को अपना वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित किया था जिसमें राम मंदिर के अभिषेक के उत्सव को शामिल किया गया था. माध्यमिक शिक्षा विभाग के कैलेंडर में दूसरे और चौथे शनिवार को 'नो बैग डे' जैसी पहल और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों का उत्सव मनाना भी शामिल है.

उप्र में अवैध धर्मांतरण कराने पर होगा आजीवन कारावास

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 पारित हो गया. विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदस्यों से विधेयक को पारित करने का अनुरोध किया.

विधेयक के पक्ष में सदस्यों की संख्या अधिक होने पर अध्यक्ष ने इसके पारित कर दिये जाने की घोषणा की. इसके पहले कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' और सपा के कई सदस्यों ने इस विधेयक को प्रवर समिति को सौंपने का प्रस्ताव दिया, लेकिन प्रवर समिति को सौंपने के विरोध में सदस्यों की संख्या अधिक होने की वजह से यह प्रस्ताव गिर गया. इस संशोधित अधिनियम में छल-कपट या जबर्दस्ती कराये गये धर्मांतरण के मामलों में

कानून को पहले से सख्त बनाते हुए अधिकतम आजीवन कारावास या पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है. संशोधित विधेयक में किसी महिला को धोखे से जाल में फंसाकर उसका धर्मांतरण करने, उससे अवैध तरीके से विवाह करने और उसका उत्पीड़न करने के दोषियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है. पहले इसमें अधिकतम 10 साल की कैद का प्रावधान था. खन्ना ने सदन में पहले दिन सोमवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 को पुरःस्थापित किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)